Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 168
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शनिवार,17 जनवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

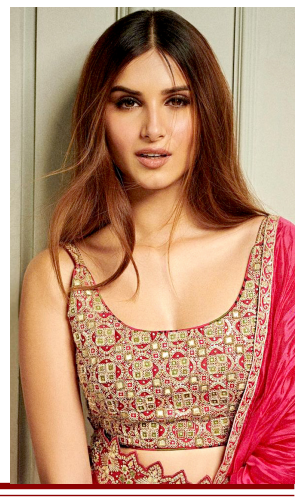

2 बेतरतीब सड़क पर अनियंत्रित हुई बाइक पानी की

5 अचानक पैरों की नस चढ़ जाती है तो करें ये

7 वीर पहाड़िया से ब्रेकअप की खबरों के बीच

पीएम ने की राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस की शुरूआत

भारतीयों द्वारा भारतीय सर्वरों पर तैयार हो स्वदेशी एआई: पीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भविष्य में किसी देश को आगे रखने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता में क्रांति जरूरी होगी और इसलिए हमारा प्रयास होना चाहिए कि स्वदेशी एआई भारतीयों द्वारा भारतीय सर्वरों पर ही तैयार हो। पीएम मोदी ने यहां भारत मंडपम में स्टार्टअप इंडिया मिशन के 10 साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि पिछले 10 साल में देश में एक ऐसा वातावरण तैयार हुआ है जो नवाचार को बढ़ावा देता है। सरकार ने विश्वास और पारदर्शिता का माहौल बनाया है। जन विश्वास कानून बनाया है। स्टार्टअप के लिए कई कानूनों में स्व-प्रमाणन की सुविधा दी गयी है ताकि स्टार्टअप का समय मुकदमेबाजी में बर्बाद न हो। इससे पहले पीएम मोदी ने कुछ स्टार्टअप कंपनियों के स्टॉल पर जाकर उनके द्वारा किये जा रहे काम के बारे में जाना। इसके बाद कुछ स्टार्टअप ने मंच से अपनी यात्रा और स्टार्टअप इंडिया मिशन से मिले लाभ के बारे में बताया। मोदी ने कहा कि आज का अनुसंधान ही कल की बौद्धिक संपदा बनती है। जो देश एआई की क्रांति में जितना आगे होगा वह उतनी ही लाभ की स्थिति में होगा। कार्यक्रम में मौजूद स्टार्टअप का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा, ष्यह काम आपको करना होगा। इंडिया एआई मिशन के जरिये 38 हजार से अधिक जीपीयू को ऑनबोर्ड किया है। हम सुनिश्चित कर रहे हैं कि स्वदेशी एआई भारतीयों द्वारा भारतीय सर्वरों पर ही तैयार हों। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश का नौजवान आज खिंची-खिंचाई लकीर पर आराम से अपनी जिंदगी गुजारने के लिए तैयार नहीं है। वह अपने लिए नये रास्ते खुद बनाना चाहता है। उन्होंने कहा कि जोखिम लेने वालों को अब सम्मान मिलता है और यह अब फैशन बन रहा है। इसी संदर्भ में अपनी सरकार की काम करने की शैली का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, जोखिम लेना मेरी भी आदत रही है। जिन कामों को दशकों से किसी ने नहीं छुआ, जिनके लिए लोग कहते थे कि राजनीतिक जोखिम है, मैं उन्हें अपना दायित्व समझकर जरूर करता हूं। नुकसान होगा तो मेरा होगा, लेकिन अगर फायदा होगा तो देश के करोड़ों परिवारों का होगा। मोदी ने कहा कि स्टार्टअप इंडिया मिशन ने देश में एक नयी संस्कृति को जन्म दिया है। पहले नया कारोबार केवल बड़े-बड़े घरों के बच्चे ही लेकर आते थे क्योंकि उन्हें ही आराम से फंडिंग मिलती थी। गरीब और मध्यम वर्ग के बच्चे सिर्फ नौकरी की सोच सकते थे। स्टार्टअप इंडिया ने इसे बदल दिया।

27 जनवरी को यूसीसी लागू हुए होगा एक वर्ष

जनता में सकारात्मक माहौल:धामी

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में 27 जनवरी 2025 को यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू हुआ था। यूसीसी लागू हुए एक वर्ष पूरे होने वाला है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यूसीसी को लेकर जनता में सकारात्मक माहौल है। कहा कि पंजीकरण के लिए नागरिक तेजी से आगे आ रहे हैं। कानून में नागरिकों की सुरक्षा की गारंटी है। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू होने के बाद उत्तराखंड में विवाह पंजीकरण में 24 गुना बढ़ोतरी हुई है। यूसीसी से लोगों में विवाह पंजीकरण कराने के लिए जागरूकता बढ़ी है। सीएम धामी ने पहली कैबिनेट बैठक में ही राज्य में यूसीसी लागू करने का फैसला किया था। सभी औपचारिकताएं और जनमत संग्रह करने के बाद प्रदेश में 27 जनवरी 2025 से यूसीसी कानून लागू कर दिया गया। मुख्यमंत्री का यह ऐतिहासिक फैसला सामाजिक न्याय, लैंगिक समानता और समान अधिकारों की दिशा में उठाया गया साहसिक कदम था। यह कानून भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 की भावना के अनुरूप है और इसका उद्देश्य हर वर्ग या समुदाय के सभी नागरिकों खास तौर से महिलाओं को समान अधिकार और सम्मान प्रदान करना है। विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, लिव इन रिलेशनशिप और इनसे जुड़े मुद्दों को यूसीसी में शामिल किया गया है। विवाह पंजीकरण में आई तेजी इस कानून में जहां महिला व पुरुषों के लिए विवाह की उम्र निर्धारित कर दी गई है। वहीं सभी धर्मों में तलाक और दूसरी प्रक्रिया के लिए भी कड़े प्रावधान किए गए हैं। इस कानून के लागू होने से महिलाओं को बहुविवाह व हलाला जैसी कुप्रथाओं से मुक्ति मिली है। यूसीसी लागू होने के बाद राज्य में विवाह पंजीकरण में तेजी आई है। आंकड़ों के अनुसार राज्य में 27 जनवरी 2025 से यूसीसी लागू होने बाद जुलाई 25 तक यानी छह माह की अवधि में विवाह पंजीकरण की संख्या तीन लाख से अधिक पहुंच गई है।

घरेलू कलह से परेशन महिला ने उठाया खौफनाक, तीन की मौत से घर में मचा कोहराम

सहारनपुर (एजेंसी)। सहारनपुर जिले के गागलहेड़ी थानाक्षेत्र में एक महिला ने कथित रूप से घरेलू विवाद के चलते अपने बेटे और बेटी को जहर देने के बाद फिर खुद भी विषक्त खा लिया, जिससे तीनों की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मृत महिला के मायके वालों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि ससुराल में उनकी बेटी का सास-ससुर, जेठ और जेठानी उत्पीड़न करते थे। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक (नगर) व्योम बिंदल ने शुक्रवार को एक न्यूज एजेंसी को बताया कि बलियाखेड़ी में बृहस्पतिवार रात करीब 10 बजे मनीता (30) का अपने जेठ और जेठानी से झगड़ा हुआ जिसके बाद वह अपनी छह वर्षीय बेटी नित्या और चार वर्षीय बेटे कार्तिकेय के साथ घर से निकल गई थी। बिंदल के अनुसार मनीता ने अपने पति नीटू को फोन कर कहा कि वह अपने बच्चों के साथ जहर खाकर आत्महत्या करने जा रही है।नीटू एक निजी कंपनी में काम करता है। पुलिस का कहना है कि इसी बीच, राहगीरों ने महिला और उसके बच्चों को संकट में देखा एवं पुलिस को सूचना दी। गागलहेड़ी पुलिस ने तुरंत तीनों को अस्पताल पहुंचाया, जहां तीनों की मौत हो गई। पुलिस मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए ले गयी।

सीएम योगी ने दिए सख्त निर्देश
रुपया लेकर पट्टा करने वालों के विरुद्ध हो कार्रवाई

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को आयोजित जनता दर्शन में भूमि पट्टा आवंटन से जुड़ी कतिपय शिकायतों पर अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिस भी गांव में रुपया लेकर पट्टा आवंटन की शिकायत हो, वहां तत्काल जांच कर दोषी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करें। गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में शुक्रवार सुबह आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। कुर्सियों पर बैठे लोगों तक खुद चलकर गए। उनकी समस्याओं व शिकायतों को सुना और समझा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है। जनता दर्शन में एक महिला ने गांव में

गरीबों के जमीन पट्टा आवंटन में अनियमितता की शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने अफसरों से कहा कि जहां भी रुपया लेकर जमीन पट्टा दिया गया हो, वहां संबंधित की जिम्मेदारी तय कर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाए। अपराध से संबंधित शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रशासन के अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पात्र व्यक्ति को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। इसी क्रम में एक महिला ने आर्थिक तंगी को लेकर बिटिया की शादी की चिंता व्यक्त की तो योगी ने अधिकारियों से कहा कि बिटिया का विवाह मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में कराने की व्यवस्था करें। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए कई लोगों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके इलाज का एस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। एस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव में स्याही विवाद पर राहुल गांधी ने कहा, आयोग नागरिकों को गुमराह कर रहा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र निकाय चुनावों में मार्कर पेन में इस्तेमाल होने वाली पक्की स्याही की गुणवत्ता को लेकर उठे विवाद के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने निर्वाचन आयोग पर नागरिकों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को कहा कि वोट चोरी एक देश विरोधी कृत्य है। महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग ने बृहस्पतिवार शाम को कहा कि वह विपक्ष के नेताओं के आरोपों के बाद निकाय चुनावों में इस्तेमाल मार्कर पेन वाली पक्की स्याही की गुणवत्ता की पूरी जांच करेगा। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया था कि मतदाताओं की उंगली पर लगा निशान आसानी से हटाया जा सकता है, जिससे फर्जी मतदान हो सकता है। बीएमसी समेत 29 नगर निकायों के लिए मतदान के बीच बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर ऐसे कई वीडियो सामने आए, जिनमें साझा की, जिसमें कहा गया था, विपक्ष, मतदाता मार्कर की स्याही

दावा किया गया कि एसीटोन जैसे रसायन का इस्तेमाल करके स्याही कैसे हटाई जा सकती है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इन दावों को खारिज कर दिया। राहुल गांधी ने इस विवाद के संबंध में एक्स पर एक खबर फीकी पड़ने पर गुस्सा दिखा रहे हैं। निर्वाचन आयोग लोगों को गुमराह कर रहा है, इसी वजह से हमारे लोकतंत्र पर से भरोसा खत्म हो गया है। वोट चोरी एक राष्ट्र विरोधी कृत्य है। ईसी आयुक्त दिनेश वाघमारे ने कहा कि इस विवाद को देखते हुए आयोग आने वाले जिला परिषद चुनावों में मार्कर पेन का इस्तेमाल नहीं करेगा, बल्कि कर्नाटक सरकार की कंपनी मैसूर पेंट्स एंड वार्निश लिमिटेड की बनाई पारंपरिक स्याही का इस्तेमाल करेगा, जिसका इस्तेमाल विधानसभा और लोकसभा चुनावों में हुआ। वाघमारे ने कहा, आयोग ने जांच करने का फैसला किया है। इसमें न सिर्फ स्याही की गुणवत्ता बल्कि दिन भर वितरित किए गए वीडियो भी शामिल होंगे। वीडियो की जांच यह पता लगाने के लिए है कि उंगली पर स्याही वोटिंग के दौरान लगाई गई थी या किसी शरारती तरीके से। राज्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा, हम पूरे राज्य में इस्तेमाल हुए मार्कर पेन के आज रैंडम नमूने करेंगे और हमें दी गई स्याही की गुणवत्ता की जांच करेंगे।

महाराष्ट्र में यूपी के धनंजय सिंह का असर, जहां किया रोड शो, वहां भाजपा गठबंधन को भारी जीत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों के बीच वसई-विरार महानगरपालिका के नतीजों ने सबको चौंका दिया है। इस चुनाव में यूपी के जौनपुर से बाहुबली नेता धनंजय सिंह का भी असर देखने को मिला। दरअसल, धनंजय सिंह ने जिन महायुति प्रत्याशियों के लिए प्रचार किया था,आपको बता दें कि शुक्रवार को जारी हुए नतीजों में वसई-विरार महानगरपालिका चुनाव के प्रभाग क्रमांक-18 में महायुति (बीजेपी, शिवसेना और एनसीपी) ने क्लीन स्वीप करते हुए चारों सीटों पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। इस बड़ी जीत के पीछे जौनपुर से सांसद रहे धनंजय सिंह के ताबड़तोड़ रोड शो को भी एक वजह माना जा रहा है। धनंजय सिंह ने इस प्रभाग में प्रत्याशियों के समर्थन में धुआंधार प्रचार किया था, जिसका असर मतदान केंद्रों पर दिखा। बाहुबली नेता की अपील जनता के बीच काम कर गई।

बेकाबू स्कार्पियो ने सड़क के किनारे खड़े तीन लोगों को कुचला

चंदौली (एजेंसी)। चंदौली जिले के मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र में पड़ाव चौराहे पर एक तेज रफ्तार स्कार्पियो ने सड़क के किनारे खड़े तीन लोगों को कुचल दिया, जिससे एक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि घटना से नाराज लोगों ने स्कार्पियो में तोड़फोड़ की और सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले को संभाला। मुगलसराय कोतवाली थाना प्रभारी (एसएचओ) संतोष कुमार सिंह ने बताया कि घटना बृहस्पतिवार देर रात करीब 11 बजे हुई। उन्होंने बताया कि हादसे में मृत युवक की पहचान चौरहट थाना-मुगलसराय के निवासी इरशाद (25) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि घटना में घायल दो अन्य को वाराणसी स्थित बीएचयू ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत गंभीर बनी हुई है और दोनों वाराणसी के ही रहने वाले हैं। एसएचओ ने बताया कि घटना के बाद पश्चिम बंगाल राज्य के नंबर वाली स्कार्पियो को कब्जे में ले लिया गया है।

बंगाल में अल्पसंख्यक वोटरों को बनाया जा रहा निशाना:ममता

ममता बनर्जी का चुनाव आयोग पर बड़ा आरोप

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग (ईसीआई) पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के दौरान अल्पसंख्यक समुदाय के वोटरों को जानबूझकर मतदाता सूची से हटाने की कोशिश की जा रही है। शुक्रवार को कोलकाता एयरपोर्ट पर मीडिया से बात करते हुए ममता बनर्जी ने दावा किया कि अल्पसंख्यक बहुल मालदा जिले में करीब 90 हजार वोटरों के नाम अंतिम मतदाता सूची से हटाए जाने पर विचार

किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय की शिकायत पूरी तरह जायज है, क्योंकि सबसे ज्यादा निशाना उन्हीं के वोटरों को बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि सिर्फ अल्पसंख्यक ही नहीं, बल्कि मतुआ, राजवंशी और आदिवासी जैसे पिछड़े वर्गों के वोटरों को भी इस प्रक्रिया में परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हालात ऐसे हैं कि मशहूर हस्तियों तक के नाम सूची से हटने की बात सामने आ रही है। ममता बनर्जी के अनुसार, अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन और प्रसिद्ध कवि जय गोस्वामी जैसे लोगों के नाम भी इसमें शामिल बताए जा रहे हैं। ममता बनर्जी शुक्रवार को उत्तर बंगाल रवाना होने से पहले यह बयान दे रही थीं। वह दार्जिलिंग जिले के माटीगाड़ा-नक्सलबाड़ी इलाके में महाकाल मंदिर का उद्घाटन करने वाली हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा इलाके में चल रहे तनाव पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। यह तनाव एक प्रवासी मजदूर के शव के लौटने के बाद शुरू हुआ है, जिसकी कथित तौर पर झारखंड में हत्या कर दी गई थी। ममता बनर्जी ने कहा कि बेलडांगा में लोगों को भड़काने के पीछे कौन है, यह सब जानते हैं।

भाजपा पैसों को छोड़कर किसी की सगी नहीं है, अखिलेश यादव ने कसा तंज

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तंज कसते हुए कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी पैसों को छोड़कर किसी की सगी नहीं है। सपा प्रमुख यादव ने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सश के अपने आधिकारिक हैंडल से किये गए एक पोस्ट में कहा ह्यह्यभाजपा अपने संगी-साथियों को फायदा पहुंचाने के चक्कर में काशी की दाल मंडी में हर घर-दुकानदार को दल रही है। ये जुल्म और

अत्याचार जनता अब और नहीं सहेगी। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया, भाजपा पैसों को छोड़कर किसी की सगी नहीं है। सत्ता भी भाजपाइयों को सिर्फ पैसे कमाने के लिए ही चाहिए। यादव ने कहा,भाजपा विश्वासघात का दूसरा नाम बन गयी है। भाजपा जाए तो हर इंसान चैन पाए! सपा प्रमुख ने इस पोस्ट के साथ दो मिनट 19 सेकंड का एक वीडियो क्लिप भी साझा की, जिसमें लखीमपुर खीरी जिले के मूल निवासी और (राम मंदिर आंदोलन) कारसेवा के दौरान कथित तौर पर 22 दिनों तक जेल में बंद रहे संजीव जायसवाल नामक व्यक्ति को सरकार पर तंज कसते हुए सुना जा सकता है।

राहुल गांधी के मिटने वाली स्याही वाले बयान पर बीजेपी का तीखा हमला, कहा- हार के लिए दूसरों को दोष देना राहुल गांधी की पुरानी आदत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र नगर निकाय चुनावों के बीच मिटने वाली स्याही को लेकर शुरू हुए विवाद ने अब बड़े राजनीतिक वाकयुद्ध का रूप ले लिया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग पर वोट चोरी और नागरिकों को गुमराह करने के आरोपों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने करारा जवाब दिया है। भाजपा नेताओं का कहना है कि राहुल गांधी के बयान इस बात का साफ संकेत हैं कि कांग्रेस एक बड़ी हार की ओर बढ़ रही है। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने राहुल गांधी के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जब भी चुनाव परिणाम उनके पक्ष में नहीं होते, वे संस्थाओं पर दोष मढ़ना शुरू कर देते हैं। भंडारी ने कहा, राहुल गांधी ने

सोशल मीडिया पर वोट चोरी को राष्ट्रविरोधी कृत्य बताया है। असल में जब भी वे हारते हैं, कभी ईवीएम, कभी चुनाव आयोग तो कभी स्याही को जिम्मेदार ठहराते हैं। जनता ने उन्हें बार-बार नकारा है क्योंकि वे उन्हें एक गैर-जिम्मेदार नेता के रूप में देखते हैं। एक अन्य भाजपा प्रवक्ता अजय आलोक ने भी राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, राहुल गांधी अब सिर्फ जिद्दी नहीं, बल्कि जिद का साक्षात रूप बन चुके हैं। उनकी बातों का कोई सिर-पैर नहीं होता। कभी स्याही कमजोर है, कभी वोट चोरी हो रहे हैं,वे अपनी कमियां देखने के बजाय हर बार नए बहाने गढ़ते हैं। जनता ने उन्हें और उनकी पार्टी को पूरी तरह खारिज कर दिया है। दरअसल, महाराष्ट्र निकाय चुनाव के दौरान कई मतदाताओं ने दावा किया था कि मतदान के बाद लगाई गई ।

न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को बड़ा झटका, सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका, संसदीय जांच समिति के गठन को दी थी चुनौती

नईदिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा की ओर से दायर उस रिट याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 के तहत जांच समिति गठित करने के लोकसभा अध्यक्ष के फैसले को चुनौती दी थी। यह निर्णय न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने सुनाया। उल्लेखनीय है कि न्यायमूर्ति वर्मा के आधिकारिक आवास पर कथित तौर पर बेहिसाब नकदी मिलने के बाद उनके खिलाफ शुरू किए गए महाभियोग प्रस्ताव के

संबंध में यह समिति गठित की गई थी। न्यायमूर्ति वर्मा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी और लोकसभा सचिवालय का प्रतिनिधित्व कर रहे भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलें सुनने के बाद आठ जनवरी को फैसला सुरक्षित रख लिया गया था। न्यायमूर्ति वर्मा ने जांच समिति के गठन को इस आधार पर चुनौती दी थी कि महाभियोग नोटिस लोकसभा और राज्यसभा दोनों में एक ही दिन (21 जुलाई) पेश किए गए थे, फिर भी लोकसभा अध्यक्ष ने राज्यसभा सभापति के निर्णय की प्रतीक्षा किए बिना या अनिवार्य संयुक्त परामर्श किए बिना एकतरफा रूप से समिति का गठन कर दिया। याचिका में तर्क दिया गया कि अपनाई गई प्रक्रिया न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 की धारा 3(2) के विपरीत थी। इसमें धारा 3(2) के प्रावधान का हवाला दिया गया, जो यह निर्धारित करता है कि जहाँ संसद के दोनों सदनों में एक ही दिन प्रस्ताव के नोटिस दिए जाते हैं, वहाँ कोई समिति तब तक गठित नहीं की जाएगी जब तक कि प्रस्ताव दोनों सदनों में स्वीकार न कर लिया जाए और यदि स्वीकार कर लिया जाता है, तो समिति का गठन लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति द्वारा संयुक्त रूप से किया जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री 17-18 जनवरी को असम का दौरा करेंगे

गोरखपुर : प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 17-18 जनवरी, 2026 को असम का दौरा करेंगे। वे 17 जनवरी को शाम लगभग 6 बजे गुवाहाटी के सरुसजाई स्टेडियम में पारंपरिक बोडो सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री 18 जनवरी को सुबह लगभग 11 बजे, 6,950 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना का भूमि पूजन करेंगे और नागांव जिले के कलियाबोर में दो नई अमृत भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ियों के परिचालन का उदघाटन करेंगे। प्रधानमंत्री का गुवाहाटी में कार्यक्रम प्रधानमंत्री गुवाहाटी के सरुसजाई स्टेडियम में बोडो समुदाय की समृद्ध विरासत के उत?सव ऐतिहासिक सांस्कृतिक कार्यक्रम ₹ बागुरुम्बा दोहो 2026₹ में भाग लेंगे। इस अवसर पर, बोडो समुदाय के 10 हजार से अधिक कलाकार एक साथ बागुरुम्बा नृत्य प्रस्तुत करेंगे। इस कार्यक्रम में राज्य के 23 जिलों के 81 विधानसभा क्षेत्रों के कलाकार भाग लेंगे। बागुरुंबा बोडो समुदाय के लोक नृत्यों में से एक है, जो प्रकृति से प्रेरित है। यह नृत्य खिलते फूलों का प्रतीक है और मानव जीवन तथा प्राकृतिक जगत के बीच सामंजस्य दशार्ता है। पारंपरिक रूप से युवा बोडो महिलाएं यह नृत्य करती हैं जिसमें पुरुष संगीतकार के रूप में संगत करते हैं। यह नृत्य तितलियों, पक्षियों, पत्तियों और फूलों की नकल करते हुए कोमल, प्रवाहमय गतियों से परिपूर्ण होता है। नृत्य प्रदर्शन आमतौर पर समूहों में आयोजित किए जाते हैं, जो वृत्त या पंक्तियां बनाकर दृश्य सुंदरता बढ़ाते हैं। बागुरुम्बा नृत्य का बोडो लोगों के लिए गहरा सांस्कृतिक महत्व है। यह शांति, उर्वरता, आनंद और सामूहिक सद्भाव का प्रतीक है और बोडो नव वर्ष ब्विसागु और डोमासी जैसे त्योहारों से निकटता से जुड़ा हुआ है। प्रधानमंत्री का कलियाबोर में कार्यक्रम प्रधानमंत्री 6,950 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना (राष्ट्रीय राजमार्ग-715 के कलियाबोर-नुमालीगढ़ खंड के 4-लेन निर्माण) का भूमि पूजन करेंगे। 86 किलोमीटर लंबी काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना पर्यावरण अनुकूल राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना है। इसमें 35 किलोमीटर का एलिवेटेड वन्यजीव गलियारा शामिल होगा जो काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से होकर गुजरेगा, साथ ही 21 किलोमीटर का बाईपास खंड और राष्ट्रीय राजमार्ग-715 के मौजूदा राजमार्ग खंड का 30 किलोमीटर तक विस्तार कर इसे दो लेन से उन्नत कर चार लेन का बनाया जाएगा। परियोजना का उद्देश्य पार्क की समृद्ध जैव विविधता सुरक्षित रखना और क्षेत्रीय संपर्क बेहतर बनाना है। यह परियोजना नागांव, कार्बी आंगलोंग और गोलाघाट जिलों से होकर गुजरेगी और ऊपरी असम, विशेष रूप से डिब्रूगढ़ और तिनसुकिया से संपर्क बेहतर बनाएगी। यह उच्च वन्यजीव गलियारा जानवरों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करेगा और मानव-वन्यजीव संघर्ष में कमी लाएगा। इससे सड़क सुरक्षा में सुधार तथा यात्रा समय और दुर्घटना में कमी आएगी। इससे यात्री और माल यातायात सुगम होगा। परियोजना के अंतर्गत, जाखलबंधा और बोकाखाट में बाईपास विकसित किए जाएंगे, जिससे शहरों में भीड़भाड़ कम करने, शहरी आवागमन बेहतर बनाने और स्थानीय लोगों का जीवन स्तर सुधारने में सहायता मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री गुवाहाटी (कामाख्या)-रोहतक अमृत भारत एक्सप्रेस और डिब्रूगढ़-लखनऊ (गोमती नगर) अमृत भारत एक्सप्रेस नामक दो नई अमृत भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ियों को हरी झंडी दिखाएंगे। ये नई रेल सेवाएं पूर्वोत्तर और उत्तरी भारत के बीच रेल संपर्क मजबूत बनाएंगी जिससे सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा संभव हो सकेगी।

चिकित्सा विभाग की हिंदी कार्यशाला एवं समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुये प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ० ए.ए. खान

गोरखपुर,: मुख्यालय, गोरखपुर में चिकित्सा विभाग की हिंदी 2 कार्यशाला एवं समीक्षा बैठक 16 जनवरी, 2026 को प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक कार्यालय के सभाकक्ष में प्रमुख मुख्य चिकित्सा

निदेशक डॉ० ए.ए. खान की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्सा निदेशक (एम.एस.) डॉ० डी.के. सिंह, उप मुख्य चिकित्सा निदेशक (टी.ए.) डॉ० स्नेहलता सिंह एवं कर्मचारी उपस्थित थे। समीक्षा बैठक को सम्बोधित करते हुये प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ० ए.ए. खान ने कहा कि चिकित्सा विभाग की हिंदी के प्रयोग-प्रसार में अहम भूमिका है और हम सदैव इस दिशा में कार्य करने हेतु तत्पर हैं। उन्होंने कहा कि हमारा सम्पूर्ण कार्यक्षेत्र हिंदी भाषी क्षेत्र में आता है, हिंदी में काम करना हमारा संवैधानिक दायित्व है। उन्होंने चिकित्सा विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी में कार्य करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक ने कहा कि नोटिस एवं पत्राचार का ड्राफ्ट तैयार करते समय यह ध्यान रखें की हिंदी के सरल एवं सहज शब्दों का प्रयोग किया जाये। साथ ही अंग्रेजी के तकनीकी शब्दों का हिंदी अनुवाद ना करके उसे देवनागरी लिपि में ही लिख दिया जाये। उन्होंने कहा कि अधिकारी जब भी स्टेशनों का निरीक्षण करें तो वहाँ राजभाषा प्रयोग की स्थिति का भी अवश्य जायजा लें तथा निरीक्षण रपट के साथ चेक लिस्ट संलग्न करें। समीक्षा बैठक में वरिष्ठ अनुवादक श्री नागेश्वर नाथ श्रीवास्तव ने राजभाषा नियमों एवं पुरस्कार योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया।

यह गैर-वातानुकूलित श्रेणी की प्रीमियम टेज्न है

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा हेतु 15949/15950 डिब्रूगढ़-गोमतीनगर-डिब्रूगढ़ अमृत भारत एक्सप्रेस गाड़ी के संचलन का शुभारम्भ 18 जनवरी,2026 को डिब्रूगढ़ से 05949 डिब्रूगढ़-गोमतीनगर अमृत भारत उद्घाटन विशेष गाड़ी के रूप में किया जायेगा। यह गैर-वातानुकूलित श्रेणी की प्रीमियम टेज्न है। 05949 डिब्रूगढ़-गोमतीनगर अमृत भारत उद्घाटन विशेष गाड़ी 18 जनवरी,2026 को डिब्रूगढ़ से 11.00 बजे प्रस्थान कर मोराणहाट से 11.40 बजे, सिमालगुड़ी से 12.45 बजे, मरियानी से 13.55 बजे, फरकाटिंग से 15.50 बजे, दीमापुर से 17.20 बजे, दीफू से 18.05 बजे, लम्डिंग से 18.55 बजे, होजई से 20.05 बजे, चापरमुख से 20.55 बजे, जागी रोड से 21.45 बजे, गुवाहाटी से 23.35 बजे, कामाख्या से 00.00 बजे, दूसरे दिन रंगिया से 01.05 बजे, नलबाड़ी से 01.25 बजे, बारपेटा रोड से 02.10 बजे, न्यू बोंगाईगांव से 03.30 बजे, कोकराझार से 04.45 बजे, न्यू अलीपुर द्वार से 05.55 बजे, न्यू कूचविहार से 06.30 बजे, न्यू जलपाई गुड़ी से 09.10 बजे, अलुआबारी रोड से 09.55 बजे, किशनगंज से 10.35 बजे, बारसोई से 11.35 बजे, कटिहार से 14.05 बजे, नौगछिया से 15.00 बजे, खगड़िया से 16.07 बजे, बेगूसराय से 16.42 बजे, बरौनी से 17.15 बजे, हाजीपुर से 19.15 बजे, सोनपुर से 19.30 बजे, छपरा से 21.15 बजे, सीवान से 22.10 बजे, देवरिया सदर से 23.30 बजे, तीसरे दिन गोरखपुर से 00.45 बजे, खलीलाबाद से 01.25 बजे, मनकापुर से 03.05 बजे, अयोध्या धाम से 04.20 बजे, अयोध्या कैण्ट से 04.40 बजे तथा बाराबंकी से 07.04 बजे छूटकर गोमतीनगर 09.00 पहुंचेगी। इस उद्घाटन विशेष गाड़ी में शयनयान श्रेणी के 08, साधारण द्वितीय श्रेणी के 11, एस.एल.आर.डी. के 02 तथा पेण्ट्रीकार से 01. कोच सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे। अमृत भारत एक्सप्रेस एक ऐसी ट्रेन है, जो यात्रियों की अत्याधुनिक सुविधाओं और किफायती यात्रा की नई परिकल्पना का प्रतीक है। यह ट्रेन आकर्षण डिजाइन और आधुनिक सुविधाओं से युक्त है। यह स्वदेशी ट्रेन आत्मनिर्भर भारत की भावना को और मजबूत करती है। तकनीकी दृष्टि से भी अमृत भारत एक्सप्रेस अत्यंत सुरक्षित है। कवच सिस्टम से युक्त इस ट्रेन में सेमी ऑटोमैटिक कपलर, क्रैश ट्यूब और ईपी-असिस्टेड ब्रेक सिस्टम लगाए गए हैं, जिससे आपात स्थिति में तुरंत ब्रेक लग सके। इसके सभी कोच पूरी तरह से सील्ड गैंगवे और वैक्यूम एवैक्यूएशन सिस्टम से युक्त हैं। इस ट्रेन में यात्रा के दौरान आराम का विशेष ध्यान रखा गया है। ट्रेन में सेमी ऑटोमैटिक कपलर का उपयोग किये जाने से कोच जोड़ते या अलग करते समय झटका या शोर नहीं होता। डिफॉर्मेशन ट्यूब दुर्घटना की स्थिति में झटका कम कर देती है। पुश-पुल तकनीक इसकी रफ्तार बढ़ाने में मदद करती है। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अमृत भारत एक्सप्रेस के कोचों में आधुनिक फीचर में फोल्डेबल स्नैक्स टेबल, मोबाइल होल्डर, बॉटल होल्डर, रेडियम फ्लोर स्ट्रिप्स, आरामदायक सीटें और बेहतर बर्थ सम्मिलित हैं। हर शौचालय में इलेक्ट्रो-न्यूमेटिक फ्लशिंग प्रणाली, ऑटोमैटिक सोप डिस्पेंसर और फायर सप्रेशन सिस्टम जैसी सुविधाएं दी गई हैं। इस ट्रेन में दिव्यांगजनों के लिए भी विशेष शौचालय उपलब्ध कराए गए हैं।

गोरखपुर-आनन्दनगर-बढ़नी-गोण्डा रेलखण्ड पर विभिन्न स्थलों का निरीक्षण करते हुये महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर

गोरखपुर: पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबन्धक उदय बोरवणकर ने 16 जनवरी,2026 को मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण श्री अभय कुमार गुप्ता, प्रमुख मुख्य इंजीनियर श्री नीलमणि, प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक श्री प्रकाश चन्द्र जायसवाल, प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबन्धक श्री राजेश कुमार, मुख्य सिगनल इंजीनियर श्री आर. एल. यादव, मुख्य विद्युत वितरण इंजीनियर श्री सुरेश कुमार, मुख्य इंजीनियर/आरएसपी श्री राजीव कुमार एवं मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री पंकज कुमार सिंह तथा मण्डल रेल प्रबन्धक/लखनऊ श्री गौरव अग्रवाल तथा मण्डलीय शाखाधिकारियों के साथ गोरखपुर-आनन्दनगर-बढ़नी-गोण्डा रेलखण्ड के मध्य विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। इस खण्ड पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अन्तर्गत चल रही विकासपरक परियोजनाओं एवं यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के आरम्भ में महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर ने नकहा जंगल स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं, पैनल रूम, रिले रूम, सकुर्लेटिंग एरिया का निरीक्षण किया। इसके पश्चात समपार संख्या-05 स्पेशल पर निमार्णाधीन सड़क उपरिगामी पुल व समपार सं0 27 सी/2ई का संरक्षा निरीक्षण किया तथा वहॉ डयूटी पर तैनात गेटमैन व इंजीनियरिंग गैंग के टैज्क मेन्टेनरों का रेल संबंधी संरक्षा ज्ञान परखा। इसके उपरांत आनंदनगर रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत योजना के अन्तर्गत चल रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्यो, यात्री सुविधाओं के आधुनिकीकरण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होने स्टेशन पर पुनर्विकास कार्य को तीव्रगति से किये जाने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। उन्होंने स्टेशन पर गुड्स शेड का अवलोकन किया तथा पार्सल एवं माल परिवहन को सुगम बनाने हेतु निर्देश दिया। निरीक्षण के क्रम में महाप्रबंधक ने सिद्धार्थ नगर रेलवे स्टेशन पर सकुर्लेटिंग एरिया, स्टेशन भवन के सौंदर्यीकरण, यात्री सुविधाओं के आधुनिकीकरण व विस्तारीकरण का निरीक्षण किया। बोरवणकर ने बढ़नी रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अन्तर्गत चल रहे स्टेशन के पुनर्विकास कार्यो का निरीक्षण किया। उन्होनें संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिये तथा बढ़नी स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं और मालभाड़ा परिवहन की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। तुलसीपुर स्टेशन पर उन्होने स्टेशन अधीक्षक कार्यालय, पैनल रुम, स्टेशन वर्किंग रूल, रिले रूम, पॉइन्ट एवं क्रासिंग तथा अमृत भारत योजना के अन्तर्गत हो रहे विकास कार्यो का एवं यात्री सुविधाओं का जायजा लिया तथा तुलसीपुर-बलरामपुर के मध्य मेजर ब्रिज सं0 151 का संरक्षा निरीक्षण किया। इसके पश्चात महाप्रबन्धक श्री बोरवणकर ने कर्मचारी कल्याण की दिशा में गोण्डा स्थित मनोरंजन केंद्र पर हुए व्यापक पुनरुद्धार एवं सौन्दर्यीकरण कार्यो का निरीक्षण किया। इसे कर्मचारी कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया तथा मण्डल प्रशासन का उत्साहवर्धन भी किया। अपने निरीक्षण के दौरान महाप्रबन्धक महोदय ने गोरखपुर-आनन्दनगर-गोण्डा रेल खण्ड पर ट्रैक बैलास्ट, ओवरहेड ट्रैक्शन, एलाइनमेंट, कॉशन आर्डर एवं ट्रैक फिटिंग, स्टेशन भवन, पॉइंट एवं क्रॉसिंग, सिग्नल, कर्व तथा पुलों का संरक्षा निरीक्षण किया तथा रेलवे की कार्यक्षमता में वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने ट्रेनों के समयपालन, यात्री सुविधाओं, संरक्षा और सुरक्षा के स्तर पर जोर देते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया।

नई दिल्ली में 22 से 29 जनवरी, 2026 तक आयोजित रणजी ट्रॉफी में भाग ले रही भारतीय रेलवे सीनियर पुरुष क्रिकेट टीम के लिये पूर्वोत्तर रेलवे से उपेन्द्र यादव तथा श्री साहेब युवराज का चयन हुआ

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे के क्रिकेट खिलाड़ियों के निरन्तर शानदार प्रदर्शन को देखते हुये अहमदाबाद एवं नई दिल्ली में 22 से 29 जनवरी, 2026 तक आयोजित रणजी ट्रॉफी में भाग ले रही भारतीय रेलवे सीनियर पुरुष क्रिकेट टीम के लिये पूर्वोत्तर रेलवे से उपेन्द्र यादव तथा श्री साहेब युवराज का चयन हुआ है। रणजी ट्रॉफी में भाग लेने वाली भारतीय रेलवे सीनियर पुरुष क्रिकेट टीम में चयनित पूर्वोत्तर रेलवे के क्रिकेट खिलाड़ी श्री उपेन्द्र यादव भारतीय ह्यएह्य टीम एवं आई.पी.एल. में भी प्रतिभाग कर चुके हैं। पूर्वोत्तर रेलवे की क्रिकेट टीम के खिलाड़ी कड़े अभ्यास एवं उन्नत प्रशिक्षण के फलस्वरूप अनवरत शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। पूर्वोत्तर रेलवे के उदीयमान क्रिकेट खिलाड़ियों का चयन रणजी ट्रॉफी में होने पर महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे एवं सरंक्षक/नरसा श्री उदय बोरवणकर, अपर महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री विनोद कुमार शुक्ल, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण एवं अध्यक्ष/नरसा श्री अभय कुमार गुप्ता, मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक/पी.एम. एवं उपाध्यक्ष/नरसा श्री विजय कुमार, मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी एवं महासचिव/नरसा श्री पंकज कुमार सिंह, सहायक क्रीड़ाधिकारी श्री चन्द्र विजय सिंह, क्रिकेट/कोच श्री रंजीत यादव तथा नरसा पदाधिकारियों ने बधाई दी है।

अमृत भारत एक्सप्रेस गाड़ी के संचलन का शुभारम्भ 18 जनवरी,2026 को कामाख्या से 05671 कामाख्या-रोहतक अमृत भारत उद्घाटन विशेष गाड़ी के रूप में किया जायेगा।

गोरखपुर: रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा हेतु 15671/15672 कामाख्या-रोहतक-कामाख्या साप्ताहिक अमृत भारत एक्सप्रेस गाड़ी के संचलन का शुभारम्भ 18 जनवरी,2026 को कामाख्या से 05671 कामाख्या-रोहतक अमृत भारत उद्घाटन विशेष गाड़ी के रूप में किया जायेगा। यह गैर-वातानुकूलित श्रेणी की प्रीमियम टेज्न है। इस गाड़ी में मोबाइल चार्जिंग, आरामदायक सफर के लिये एयर स्प्रिंग बॉडी, रेडियम फ्लोर स्ट्रिप्स, स्वच्छ दिव्यागंजन-अनुकूल प्रसाधन, सेफ्टी के लिये फायर डिटेक्शन, टॉक-बैक यूनिट, आधुनिक प्रकाश व्यवस्था सहित उन्नत यात्रा सुविधायें उपलब्ध हैं। इस उद्घाटन विशेष गाड़ी का सम्भावित समय निम्नवत है। 05671 कामाख्या-रोहतक साप्ताहिक अमृत भारत उद्घाटन विशेष गाड़ी 18 जनवरी,2026 को कामाख्या से 11.00 बजे, रंगिया से 11.50 बजे, बारपेटा रोड से 12.55 बजे, न्यू बोंगाईगांव से 14.00 बजे, कोकराझार से 14.45 बजे, न्यू कूचविहार से 16.00 बजे, न्यू जलपाई गुड़ी से 18.40 बजे, किशनगंज से 19.42 बजे, बारसोई से 20.44 बजे, कटिहार से 22.40 बजे, नौगछिया से 23.27 बजे, दूसरे दिन मानसी से 00.30 बजे, खगड़िया से 00.42 बजे, बेगूसराय से 01.20 बजे, बरौनी से 02.10 बजे, हाजीपुर से 04.20 बजे, सोनपुर से 04.32 बजे, छपरा से 06.15 बजे, बलिया से 07.22 बजे, गाजीपुर सिटी से 08.14 बजे, औड़िहार से 09.12 बजे, वाराणसी से 12.05 बजे, ज्ञानपुर रोड से 14.00 बजे, प्रयागराज रामबाग से 14.50 बजे, प्रयागराज जं0 से 15.15 बजे, गोविन्दपुरी से 17.35 बजे, टुण्डला से 22.06 बजे, तीसरे दिन गाजियाबाद से 00.50 बजे, दिल्ली से 01.55 बजे तथा बहादुरपुर से 02.52 बजे छूटकर रोहतक 04.00 पहुंचेगी।

संक्षिप्त खबरें

हेलमेट नहीं पहनने पर होगी कार्रवाई

बस्ती। सड़क सुरक्षा अभियान को लेकर परिवहन विभाग ने सख्ती बरतनी शुरू कर दी है। एडवाइजरी जारी की गई है कि सड़क पर बाइक से सफर करते समय हेलमेट लगाना अनिवार्य है। यदि बाइक पर दो सवारी हैं तो दोनों को हेलमेट लगाना पड़ेगा। बिना हेलमेट बाइक चलाते समय पकड़े जाने पर दो हजार रुपये जुमार्ना भी देना होगा। नियमों का उल्लंघन करने पर लोगों से दो हजार रुपये जुमार्ना वसूल किया जाएगा। आरटीओ प्रशासन फरीदउद्दीन ने बताया कि जनवरी माह में पूरे देश में सड़क सुरक्षा माह का आयोजन किया जा रहा है। इसका प्राथमिक उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की दर को कम करना है। उन्होंने बताया कि देश में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली लगभग 1.75 लाख मौतों में से 52 हजार मौतें (लगभग 30 प्रतिशत) केवल हेलमेट नहीं पहनने के कारण हुई हैं। यदि दोपहिया वाहन चालक और सवारी दोनों गुणवत्तापूर्ण हेलमेट का प्रयोग करें, तो इन मौतों को काफी हद तक टाला जा सकता है। उन्होंने लोगों को आईएसआई मार्क वाले हेलमेट पहनने की सलाह दी।

तीन सफाईकर्मियों को किया निलंबित

बस्ती। पंचायतराज विभाग में तैनात तीन सफाई कर्मचारियों के कार्य में लापरवाही मिलने पर जिला पंचायतराज अधिकारी ने उन्हें निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई करते हुए उन्हें विकास खंड कार्यालय से संबद्ध कर दिया है। कुदरहा विकास खंड में ग्राम पंचायत में तैनात सफाई कर्मचारियों की शिकायत पर जांच कराई गई थी। निरीक्षण के समय बिना सूचना गायब और अन्य शिकायतें मिलीं। जांच में तीनों के काम में लापरवाही मिली। रिपोर्ट मिलने पर डीपीआरओ घनश्याम सागर ने कुदरहा ब्लॉक के रैनिया गांव में तैनात सफाई कर्मी शेषराम, राजपति और रमेशचंद्र को निर्लंबित करते हुए ब्लॉक से संबद्ध कर दिया गया है। तीनों सफाई कर्मचारियों की जांच के लिए एडीओ पंचायत बहादुरपुर, एडीओ पंचायत हरैर्या को जांच अधिकारी नामित किया है।

संस्थागत प्रसव दर शून्य 70 आशा कार्यकताओं को नोटिस

बस्ती। जिले में सरकारी अस्पतालों को प्रसव का लक्ष्य पूरा करने में कठिनाई हो रही है, जबकि प्राइवेट अस्पतालों में प्रसव की संख्या बढ़ रही है। नियम के तहत संस्थागत प्रसव में स्वास्थ्य विभाग की आशा वर्कर्स की भूमिका महत्वपूर्ण है। हाल ही में हुई बैठक में 70 से अधिक ऐसी आशा कार्यकर्ता चिह्नित की गई हैं, जिनके क्षेत्र में प्रसव दर शून्य मिला है। इन आशा कार्यकताओं को अब नोटिस जारी किया गया है। संस्थागत प्रसव बढ़ाने में स्थानीय स्तर पर ही लापरवाही बरती जा रही है। बताया गया कि आशा को माह में कम से कम दो से तीन प्रसव का लक्ष्य दिया गया है। मगर, जांच में पाया गया है कि 70 आशा कार्यकर्ता के क्षेत्र में शून्य प्रसव पाया गया है। इस पर सीएमओ डॉ. राजीव निगम ने नाराजगी जताई है। उन्होंने आशा कार्यकताओं को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। साथ ही कम से कम एक प्रसव माह में हर हाल में कराने के लिए निर्देशित किया है। सीएमओ ने सीएचसी के अधीक्षकों को भी निर्देश दिए हैं कि संस्थागत प्रसव में सुधार लाएं, ढिलाई पर स्वयं जिम्मेदार होंगे। डिप्टी सीएमओ आरसीएच डॉ. बृजेश शुक्ल ने बताया कि शून्य प्रसव क्षेत्र की आशा कार्यकताओं को चिह्नित किया गया है।

लिंक टच करते ही हैंग हुआ मोबाइल खाते से उड़ गए 49,999 हजार

बस्ती। साइबर जालसाज ने पासपोर्ट होल्ड होने की जानकारी देकर 49,999 रुपये का फ्रॉड कर लिया। जालसाजों के भेजे लिंक पर क्लिक करते ही फोन हैंग हो गया और बैंक खाते से रकम निकल गई। मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज किया है। लालगंज थाना क्षेत्र के रहने वाले बृजेश कुमार सिंह ने बृहस्पतिवार को थाने में तहरीर देकर बताया है कि उनकी बेटी ने पासपोर्ट के लिए आवेदन किया था। पासपोर्ट नहीं आया तो उन्होंने गूगल सर्च की मदद से पासपोर्ट के संबंध में जानकारी के लिए एक वेबसाइट पर लॉगिन की। लॉगिन करने के बाद उनके पास एक मोबाइल नंबर से कॉल आई। लेकिन उन्होंने फोन को रिसीव नहीं किया। थोड़ी समय बाद उनके मोबाइल पर व्हाट्सएप कॉल आया। रिसीव करने पर उन्हें बताया गया कि आपका पासपोर्ट होल्ड हो गया है। क्योंकि आपका पता इसमें दर्ज नहीं है। आप अपने घर का पता बता दीजिए। इसके बाद उन्होंने उसी नंबर पर घर का पता भेज दिया। बताया कि पता भेजने के बाद उन्हें एक लिंक भेजा गया और कहा गया कि इसे प्ले स्टोर पर सर्च करिए। उन्होंने जैसे ही लिंक को टच किया तो उनका मोबाइल हैंग होने लगा। उनकी स्क्रीन ब्लैक हो गई। इसके बाद उन्होंने कई बार मोबाइल को ऑन-ऑफ किया, लेकिन मोबाइल ठीक नहीं हुआ। मोबाइल से कॉल करने का प्रयास किया तो फोन भी नहीं जा रहा था और न ही मैसेज हो रहा था।

विश्वकर्मा महासभा के खिचड़ी सहभोज में पहुंचे लोग

बस्ती। अखिल भारतीय विश्वकर्मा महासंघ ने मकर संक्रांति पर्व पर बृहस्पतिवार को अमहट स्थित विश्वकर्मा मंदिर के पास स्थित धर्मशाला में खिचड़ी सहभोज कार्यक्रम आयोजित किया। वक्ताओं ने खिचड़ी सहभोज कार्यक्रम पर प्रकाश डाला। कहा कि यह इस भोज से आपसी समरसता को बल मिलता है। ऐसे कार्यक्रम में आपसी द्वेष को भुलाकर लोग एकत्र होकर प्रेम भाव के साथ एक स्थान पर भोजन ग्रहण करते है। काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान महासंघ के संरक्षक रामअचल शर्मा, जिलाध्यक्ष आचार्य चौथीराम विश्वकर्मा, महामंत्री संजय विश्वकर्मा, डॉ. प्रमोद शर्मा, उपाध्यक्ष विक्रमादित्य शर्मा, कोषाध्यक्ष दीनानाथ शर्मा, श्याम किशोर शर्मा, रामरूप शर्मा आदि मौजूद रहे

गायब प्रेशर ट्रॉली 12 घंटे में बरामद

बनकटी। लालगंज थाना क्षेत्र के देवकुंडा गांव निवासी चौकीदार के घर के बगल से गायब प्रेशर ट्रॉली को ऑपरेशन त्रिनेत्र की मदद से पुलिस टीम ने 12 घंटे के भीतर डीहीखास गांव के बगल बगीचे से बरामद कर लिया। जानकारी के अनुसार, लालगंज थाने के चौकीदार देवकुंडा गांव निवासी जमील अहमद की बुधवार की रात घर के बगल खड़ी ट्रॉली चोरी हो गई थी। इसकी सूचना बृहस्पतिवार की सुबह चौकीदार ने लालगंज थाने को दी। मौके पर पहुंची पुलिस समेत अन्य टीमों ने जांच-पड़ताल करते हुए पक्कवा बाजार, बरहुआ, बनकटी, डेल्हापार, देईसांड़ आदि चौराहों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज को खंगाला और बगीचे में खड़ी ट्रॉली बरामद कर लिया।

15 वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म एफआईआर दर्ज

बहादुरगढ़(हरियाणा) । शहर के एमआईई में किराए पर रह रहे एक परिवार की 15 वर्षीय किशोरी के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना 12 जनवरी की है। थाना शहर पुलिस ने पीड़िता के पिता की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता का परिवार मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले का रहने वाला है और वर्तमान में बहादुरगढ़ के एमआईई में रह रहा है। यहीं पर दिवाली के समय बिहार के सिवान जिले का रहने वाला एक युवक रंग रोगन के लिए आया था। उसी समय किशोरी के साथ बातचीत हो गई। 12 जनवरी को वह किशोरी को बहला-फुसलाकर अपने साथ दिल्ली भी ले गया और बाद में घर छोड़ दिया। युवक ने इस दौरान किशोरी से जबरन दुष्कर्म किया। आरोपी ने पीड़िता को घटना के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी।

कुत्ते को कुचलने पर विवाद, मारपीट में कई घायल,पुलिस जांच में जुटी

लखनऊ (संवाददाता)। बंथरा थाना क्षेत्र में एक कुत्ते को गाड़ी से कुचलने के बाद हुए विवाद में मारपीट हो गई। इस घटना में शिकायतकर्ता सलोनी और उसके परिवार के कई सदस्य घायल हो गए। बंथरा थाने में इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस जांच में जुट गई है। खटोला गांव निवासी सलोनी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 15 जनवरी 2026 को वह अपने पालतू कुत्ते को खाना खिला रही थी। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रही एक कार (नंबर यूपी 32 ओएम6163) ने कुत्ते को कुचल दिया। सलोनी ने आवाज लगाकर गाड़ी रुकवाई। गाड़ी रुकने पर उसमें से चार लोग बाहर निकले, जिनकी पहचान हिमांशु (चालक), शिवा, हंसराज और लवकुश के रूप में हुई। इन लोगों ने सलोनी के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। बात बढ़ने पर हमलावरों ने डंडे लेकर सलोनी पर हमला कर दिया। सलोनी को पिटता देख उसकी बहनें काजल और सलनी भी बीच-बचाव करने आईं, तो हमलावरों ने उन्हें भी पीटना शुरू कर दिया। इसके बाद सलोनी के पिता दयाराम, चचेरे भाई मनसेक और चाचा अशोक भी मौके पर पहुंचे। हमलावरों ने उन पर भी लाठी-डंडों से हमला किया और तब तक पीटते रहे जब तक वे बेहोश नहीं हो गए।

संक्षिप्त समाचार

'बाल महोत्सव' का आयोजन आज से

ग्वालियर। एसोसिएशन ऑफ ग्वालियर यूथ सोसायटी एवं ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में 16 से 28 जनवरी (13 दिन) तक मेले में 'बाल महोत्सव' का आयोजन होने जा रहा है। संस्था के अध्यक्ष संजय कट्ठल ने बताया कि सभी आयोजन ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण के कला रंगमंच पर आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक दिन होने वाले आयोजन में जो भी बच्चे भाग ले रहे हैं उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। विजेता एवं उप विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा।

यह होंगे कार्यक्रम : बाल महोत्सव में 16 जनवरी को सुबह 10 बजे से चित्रांकन प्रतियोगिता, 17 को एकल नृत्य, 19 को रंगोली सजाओ, फैंसी ड्रेस, मेहंदी रचाओ और चेयर रेस, 20 को समूह नृत्य, 21 को स्टेज बैंड प्रतियोगिता, 22 को एकल और युगल नृत्य, 23 को शास्त्रीय नृत्य, 24 को एकल और समूह गायन प्रतियोगिता होगी।

ठेले व फुटपाथियों का सामान जब्त

ग्वालियर। नगर निगम के मदाखलत अमले द्वारा सुगम यातायात के लिए शहर के विभिन्न स्थानों से अस्थायी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है। इस क्रम में गुरुवार को दक्षिण विधानसभा अंतर्गत महाराज बाड़ा पर नजरबाग मार्केट, सुभाष मार्केट पर यातायात अवरुद्ध कर रहे हाथ ठेले एवं फुटपाथियों को हटाकर सामान जब्ती की कार्रवाई की गई। इसके साथ ही महाराज बाड़ा क्षेत्र में नो पार्किंग जोन में खड़े दोपहिया वाहनों को जब्त कराकर कंपू थाने भेज दिया गया। कार्रवाई के दौरान मदाखलत निरीक्षक विशाल जाटव एवं दक्षिण विधानसभा अमला उपस्थित रहा।

'बच्चों को संस्कारवान बनाएं और पानी-बिजली की बचत करें'

कवर्ड कैंपस कार्यकर्ता संवाद में रामदत्त ने दिए सुझाव

■ ग्वालियर

देश में केवल संपत्ति बढ़ाने से ही काम नहीं चलेगा, हमें बच्चों को संस्कारित और चरित्रवान भी बनाना पड़ेगा। सभी को पानी और बिजली की बचत कर अपने नागरिक कर्तव्य का पालन करना चाहिए। साथ ही सामाजिक समरसता बढ़ाने के लिए अपने घरों में दैनिक कार्य करने वाले जैसे सफाईकर्मी, कपड़े धाने वाले आदि को भोजन के लिए बुलाना चाहिए।

यह सुझाव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह रामदत्त चक्रधर ने आईआईटीटीएम में आयोजित कवर्ड कैंपस कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम में दिया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ग्वालियर महानगर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में ग्वालियर विभाग संघचालक प्रहलाद सबनानी विशेषरूप से उपस्थित रहे। श्री चक्रधर ने कहा कि आत्म बोध, नागरिक कर्तव्य और समाज केंद्रित समाज से ही देश सशक्त होगा। एकजुटता से असंभव लगने वाला कार्य भी सहज हो जाता है। इसके लिए सामाजिक समरसता आवश्यक है। इसी उद्देश्य से केशव बलिराम हेडगेवार ने 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रारंभ किया था। उन्होंने लोगों से समाज और राष्ट्र की भलाई के लिए नियत स्थान और नियत समय पर निस्वार्थ भाव से सतत मिलन पर जोर देते हुए स्व बोध, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन अपनाने का आग्रह किया।

धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से बदला वातावरण

इस दौरान लोगों ने अपने कवर्ड परिसर में होने वाली गतिविधियों और अनुभव साझा करते हुए कहा कि उनके यहां धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से वातावरण में सकारात्मक बदलाव आया है। विंडसर हिल्स निवासी ओमप्रकाश बुधौलिया ने बताया कि उनके यहां रामचरित मानस में विज्ञान विषय पर संगोष्ठी के बाद परिसर में अब सत्संग और सुंदरकांड का पाठ शुरू हो गया है। डीबी सिटी शाखा के पालक सुधीर जी ने बताया कि पहले यहां कोई किसी से बात नहीं करता था। जब किसी का निधन हो जाता था तो कोई सहयोग करने वाला नहीं होता था। अंतिम यात्रा के लिए घंटों इंतजार करते थे। स्वयंसेवकों ने पहल कर टोली बनाई और अपने सामाजिक दायित्व का पालन किया। गिरीश अग्रवाल ने बताया कि सनवैली में बने राम मंदिर में नियमित आरती और भजन होते हैं। इसके अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं शाखा लगने से सकारात्मक वातावरण निर्मित हुआ है। एमके सिटी की ज्योति जौहरी ने बताया कि एक बार आग लगने पर सभी लोगों ने अपनी जान की परवाह किए बिना पड़ौसियों को घरों से सुरक्षित निकाला। यही नहीं भोजन की भी व्यवस्था की। डीबी सिटी के रामदास गुप्ता, आरती अग्रवाल, स्वाती अग्रवाल, श्रुति एनक्लेव के मुकेश शर्मा, एमके सिटी के सत्येंद्र श्रीवास्तव, चंद्रशेखर मालवीय, सनवैली के मनु सिंघल, दर्पण कॉलोनी की कुमकुम सिंह, भुवनेश्वर जी, गौरव जैन, कुंजबिहारी शर्मा, शिशुपाल सिंह, वुड्स रेसीडेंसी के आशीष सोनी, मॉडल टाउन के जयनारायण शर्मा सहित कई लोगों ने अपने कवर्ड परिसर में आयोजित कार्यक्रमों और अनुभवों को साझा किया।

भारतीय रेल की विकास यात्रा और भविष्य की दिखी झलक

मेले में रेल प्रदर्शनी का शुभारंभ

■ ग्वालियर

ग्वालियर व्यापार मेले में रेल प्रदर्शनी का विधिवत उद्घाटन गुरुवार को मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रदर्शनी के माध्यम से भारतीय रेल की विकास यात्रा, प्रमुख उपलब्धियों तथा भावी योजनाओं को आकर्षक, आधुनिक एवं ज्ञानवर्धक स्वरूप में प्रस्तुत किया गया।

रेल प्रदर्शनी में भारतीय रेल के गौरवशाली इतिहास को स्टीम इंजन युग से लेकर आधुनिक इलेक्ट्रिक इंजनों तक प्रभावशाली ढंग से दर्शाया गया है। ब्लैक ब्यूटी स्टीम इंजन, विभिन्न रेल कोचों के मॉडल तथा अत्याधुनिक वंदे भारत ट्रेन का मॉडल प्रदर्शनी के प्रमुख आकर्षण रहे। वंदे भारत ट्रेन की विशेषताओं एवं तकनीकी जानकारियों को फ्लेक्स, विनाइल एवं ट्रांसलाइट बोर्ड के माध्यम से विस्तार से प्रदर्शित किया गया। रेल मंडप में स्थापित बड़ी स्क्रीन पर भारतीय रेल की स्थापना से लेकर अब तक की विकास गाथा, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित हो रहे स्टेशनों तथा आधुनिक रेल सुविधाओं को प्रदर्शित किया गया। उद्घाटन अवसर पर नुक्कड़ नाटक टीम द्वारा रेल सुरक्षा, यात्री सुविधाओं एवं जिम्मेदार यात्रा पर आधारित जागरूकता प्रस्तुति दी गई, जिसे दर्शकों ने सराहा। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमन वर्मा, जनसंपर्क अधिकारी मनोज कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

नोटिस के बाद भी सुनवाई से दूर मतदाता

■ ग्वालियर

जिले में निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) के तहत जारी किए गए नोटिसों की सुनवाई की प्रक्रिया लगातार जारी है। अब तक जिले में 10 हजार 440 मतदाताओं की सुनवाई की जा चुकी है, लेकिन इसके बावजूद बड़ी संख्या में मतदाता नोटिस मिलने के बाद भी सुनवाई में उपस्थित नहीं हो रहे हैं। इसे गंभीरता से लेते हुए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) भोपाल ने ऐसे मतदाताओं से सीधे संपर्क करेंगे। जानकारी के अनुसार जिले में अब तक कुल 51 हजार 509 मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए हैं। ये वे मतदाता हैं, जिनकी मतदाता सूची में मैपिंग नहीं हो सकी है। निर्वाचन कार्यालय के अनुसार नोटिस मिलने के बावजूद कई मतदाता सुनवाई में शामिल नहीं हो रहे हैं, जिससे मतदाता सूची के शुद्धिकरण की प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। इस स्थिति को देखते हुए सीईओ भोपाल ने रेंडम रूप से ऐसे मतदाताओं की जानकारी मांगी है, जो सुनवाई में उपस्थित नहीं हुए हैं। इसके तहत जिले की तीन विधानसभा क्षेत्रों से छह मतदाताओं के नाम एवं मोबाइल नंबर भोपाल भेजे गए हैं। अब सीईओ कार्यालय द्वारा संबंधित मतदाताओं से संपर्क कर यह जानकारी ली जाएगी कि वे सुनवाई में क्यों नहीं पहुंच रहे हैं। इधर, जो मतदाता निर्धारित तिथि पर सुनवाई में शामिल नहीं हो सके हैं, उन्हें आगे की तारीख भी दी जा रही है। बीएलओ भी घर-घर जाकर मतदाताओं को सुनवाई में उपस्थित होने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। निर्वाचन अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यदि मतदाता सुनवाई में उपस्थित होकर आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करता है, तो उसका नाम मतदाता सूची से हटाया जा सकता है।

'भारतीय पर्व हमारे अंदर नव ऊर्जा का संचार कर संकल्पित करता है'

■ ग्वालियर

महारानी लक्ष्मीबाई कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में मकर संक्रांति के पावन पर्व पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ हरीश कुमार अग्रवाल द्वारा मकर संक्रांति स्नेह मिलन समारोह एवं भारतीय पर्व एवं त्योहार पर चर्चा का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता शिक्षाविद डॉ राजेंद्र प्रसाद बांदिल ने भारतीय पर्व एवं त्योहारों कि मानव जीवन में महत्वता को बताते हुए कहा कि हमारे भारतीय पर्व एवं त्यौहार एक नई ऊर्जा का संचार करते हैं एवं व्यक्ति संकल्पित होकर अपने पथ पर आगे बढ़ता है और लक्ष्य को प्राप्त करता है। उन्होंने कहा कि हमारी भारतीय परंपरा में प्रत्येक पर्व को प्रकृति से जोड़ा गया है। जिसमें हम प्रकृति की आराधना करके हम उनके प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के सेवानिवृत्त प्राध्यापक उपस्थित हुए।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. हरीश अग्रवाल ने की।कार्यक्रम का संचालन डॉ त्रिलोचन भट्ट एवं आभार प्रदर्शन डॉ नीरज झा ने किया।

खाद्य फोर्टिफिकेशन से ही मजबूत होगी पोषण सुरक्षाः प्रो. शुक्ला

■ ग्वालियर

मध्य प्रदेश में पोषण सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए खाद्य फोर्टिफिकेशन एक प्रभावी, वैज्ञानिक एवं व्यवहारिक उपाय है। इसे सफल बनाने के लिए सभी संबंधित विभागों, संस्थानों एवं हितधारकों के बीच समन्वय अत्यंत आवश्यक है। यह विचार राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि एवं कुलपति प्रो. अरविंद कुमार शुक्ला ने व्यक्त किए। राज्य तकनीकी सहयोग इकाई (एसटीएसयू), न्यूट्रिशन इंटरनेशनल एवं एम्स भोपाल के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला का विषय खाद्य फोर्टिफिकेशन पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाना रहा। कार्यशाला का उद्देश्य प्रदेश में खाद्य सुदृढ़ीकरण की प्रक्रिया, आपूर्ति श्रृंखला, गुणवत्ता मानकों तथा पोषण सुरक्षा में इसकी भूमिका को समझना एवं विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना था।

प्रो. शुक्ला ने कहा कि आज भी कुपोषण प्रदेश और देश के लिए एक गंभीर चुनौती बना हुआ है। इसका समाधान केवल खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने से नहीं, बल्कि खाद्य पदार्थों की पोषण गुणवत्ता में सुधार लाकर ही संभव है। खाद्य फोर्टिफिकेशन कम लागत में अधिक प्रभाव डालने वाला उपाय है, जिससे बच्चों, महिलाओं और कमजोर वर्गों के स्वास्थ्य में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। कार्यक्रम में निदेशक अनुसंधान सेवाएं डॉ. एस.के. शर्मा, निदेशक विस्तार सेवाएं डॉ. वाई.पी. सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. रीता मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

देशभर में समाज को जागरूक करने का काम कर रही है 'पंच परिवर्तन' साइकिल यात्रा

■ ग्वालियर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर देशभर में 'पंच परिवर्तन' विषय को लेकर निकाली जा रही पंच परिवर्तन साइकिल यात्रा गुरुवार शाम ग्वालियर पहुंची। इस 4000 किलोमीटर लंबी साइकिल यात्रा का नेतृत्व कर रहे डॉ. अनंत दुबे सहित देवेंद्र दुबे एवं जुगल किशोर शर्मा का पिंटो पार्क स्थित विजनरी माइंड्स स्कूल, गायत्री विहार में पुष्पगुच्छ एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस मौके पर उन्होंने आमजन से संवाद स्थापित किया।

बता दें, ये साइकिल सवार प्रतिदिन सैकड़ों किलोमीटर साइकिल चलाकर देशभर में समाज को जागरूक करने का कार्य कर रहे हैं। यह यात्रा 10 राज्यों, 11 प्रांतों और 45 से अधिक प्रमुख शहरों से होकर गुजर रही है। यात्रा का उद्देश्य जन-जन तक राष्ट्र निर्माण का संदेश पहुँचाना है। यह ऐतिहासिक यात्रा 26 दिसंबर को श्रीनगर के लाल चौक से प्रारंभ होकर 12 फरवरी 2026 को कन्याकुमारी में संपन्न होगी। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजोरिया, जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राजकुमार आचार्य, डॉ. केशव पाण्डेय, मनोहरलाल त्यागी विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ समाजसेवी हरिओम गौतम ने किया जबकि आभार व्यक्त किया रामअवतार त्यागी ने।

पंच परिवर्तन का संदेश

यह यात्रा संघ के पंच परिवर्तन संकल्पों को समाज तक पहुँचाने का माध्यम है, जिनमें शामिल हैं —'स्व' का बोध, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, कुटुम्ब प्रबोधन और नागरिक कर्तव्य। इन पाँच विषयों के माध्यम से राष्ट्र के प्रत्येक नागरिक को अपने दायित्वों, संस्कृति, पर्यावरण और सामाजिक एकता के प्रति जागरूक करने का लक्ष्य रखा गया है।

परिवार बचेगा तो समाज बचेगाः डॉ. दुबे

पंच परिवर्तन साइकिल यात्रा का नेतृत्व कर रहे डॉ. अनंत दुबे ने 'स्वदेश' से बातचीत में कहा कि यह केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय चेतना अभियान है, जो भारत को आत्मनिर्भर, समरस, पर्यावरण-सचेत और कर्तव्यनिष्ठ राष्ट्र बनाने की दिशा में प्रभावी भूमिका निभा रही है। डॉ. दुबे ने कहा कि परिवार बचाना आज की जरूरत है। परिवार बचेगा तभी समाज बच पाएगा। आज की भगदौड़ में लोग एक साथ नहीं बैठते, जिससे संवादहीनता बढ़ती जा रही है। समाज को स्वच्छ वातावरण देने के लिए समेकित प्रयास जरूरी हैं। इसके लिए पर्यावरण को स्वच्छ बनाना होगा।

मेले में 19 से होगा दंगल, पुरुष और महिला पहलवानों की होंगीं कुश्तियां

ग्वालियर। ग्वालियर व्यापार मेला में इस बार भी दंगल का आयोजन होने जा रहा है। मेले में पुरुष पहलवानों की जिला, संभाग व राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिताएं होंगीं। वहीं महिलाओं की राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं होंगी। दंगल की शुरुआत 19 जनवरी से होगी। युवा कल्याण अधिकारी जोसेफ बक्सला ने बताया कि पुरुष पहलवानों की जिला स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता 19 से 20 जनवरी तक होगी। पुरुषों की संभाग स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता 21 से 22 जनवरी तक होगी। मेले में पुरुष पहलवानों का राज्य स्तरीय दंगल 23 से 25 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा। इसमें राज्य भर के पहलवान अपने दांव-पेंच दिखाएंगे।

महिला पहलवानों का राज्य स्तरीय दंगल 23 सेः-

मेले में महिला पहलवानों का राज्य स्तरीय दंगल 23 से 25 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा। दंगल में भाग लेने के इच्छुक पहलवान 9826968411, 9926455491, 8889890103 इन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं।

आरजेएन अपोलो में मेगा घुटना प्रत्यारोपण शिविर 18 को

ग्वालियर। घुटनों के दर्द से पीड़ित एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी पर विचार कर रहे मरीजों के लिए आरजेएन अपोलो स्पेक्ट्रा अस्पताल द्वारा एक विशेष फ्री सेकंड ओपिनियन जॉइंट रिप्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। यह कैम्प 18 जनवरी को सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होगा। इस विशेष कैम्प में वरिष्ठ ऑर्थोपेडिक एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. हिमांशु कुशवाह और डॉ. अनिरुद्ध चांडक द्वारा घुटना एवं अन्य जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी से संबंधित नि:शुल्क परामर्श एवं सेकंड ओपिनियन दिया जाएगा। यह कैम्प उन मरीजों के लिए उपयोगी रहेगा, जो घुटना प्रत्यारोपण को लेकर असमंजस में हैं और विशेषज्ञ की सलाह चाहते हैं। कैंप के दौरान आयुष्मान भारत, ईसीएचएस एवं टीपीए लाभार्थियों को फ्री जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। वहीं टीपीए एवं कैश मरीजों के लिए रोबोटिक नी रिप्लेसमेंट सर्जरी में कॉम्प्लिमेंट्री अपग्रेड का विशेष ऑफर 31 जनवरी तक मान्य रहेगा।

जीवाजी विश्वविद्यालय में भारत-दक्षिण अफ्रीका संबंधों पर व्याख्यानमाला आयोजित

'औपनिवेशिक शोषण, स्वतंत्रता संग्राम पर आधारित हैं दोनों देशों के संबंध'

सिंधिया शासकों का महत्वपूर्ण योगदान : कुलगुरु प्रो. आचार्य

■ ग्वालियर

भारत और दक्षिण अफ्रीका के संबंध केवल कूटनीतिक या आर्थिक नहीं बल्कि औपनिवेशिक शोषण, प्रवासन और स्वतंत्रता संग्राम के साझा अनुभवों पर आधारित हैं। अफ्रीका के पूर्वी तट ने ऐतिहासिक रूप से दोनों क्षेत्रों को व्यापार और सांस्कृतिक संपर्क के माध्यम से जोड़े रखा। दास प्रथा की समाप्ति के बाद उपनिवेशवादी शक्तियों ने बंधुआ मजदूरी प्रणाली को लागू किया, जिसके बाद भारतीय लोगों को दक्षिण अफ्रीका लाया गया। यह बात दक्षिण अफ्रीका के उच्च आयुक्त प्रो. अनिल सुखपाल ने कही। वह गुरुवार को जीवाजी विश्वविद्यालय के गालव सभागार में महाराजा माधौराव सिंधिया नेशनल मंडेला व्याख्यानमाला की श्रृंखला में भारत-दक्षिण अफ्रीका संबंधों पर आयोजित व्याख्यान को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. राजकुमार आचार्य ने की। कार्यक्रम संयोजक प्रो. शांतिदेव सिसोदिया, कुलसचिव डॉ. राजीव मिश्रा, डॉ. अरुणांश बी. गोस्वामी एवं सह संयोजक प्रो. नवनीत गरुड़ मंचासीन रहे। प्रो. सुखपाल ने कहा, 1893 ईस्वी तक दक्षिण अफ्रीका में एक सशक्त भारतीय समुदाय स्थापित हो चुका था। इस दौरान मोहनदास करमचंद गांधी भी अफ्रीका पहुंचे। जहां नस्लीय भेदभाव के अनुभवों ने उनके व्यक्तित्व और विचारधारा को गहराई से प्रभावित किया। यहीं पर सत्याग्रह और अहिंसा जैसे सिद्धांत विकसित हुए, जिन्होंने बाद में भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को दिशा और गति दी। साथ ही इंडियन कांग्रेस और फीनिक्स सेटलमेंट गांधी के राजनीतिक और वैचारिक विकास के महत्वपूर्ण केंद्र बने। डॉ. राजकुमार आचार्य ने कहा, आज भी भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच गहरे संबंध हैं। इन संबंधों में ग्वालियर के तत्कालीन सिंधिया शासकों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। प्रो. शांतिदेव सिसोदिया ने कहा, भारतीय ज्ञान का प्रसार भी दक्षिण अफ्रीका में तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत-दक्षिण अफ्रीका संबंध ऐतिहासिक एकजुटता, नैतिक मूल्यों और ग्लोबल साउथ की साझी दृष्टि पर आधारित हैं। कार्यक्रम का संचालन समीक्षा सिंह भदौरिया एवं आभार सह संयोजक डॉ. नवनीत गरुड़ ने व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रो. डीएन गोस्वामी, प्रो. जेएन गौतम, प्रो. मुकुल तैलंग, प्रो. एसएन महापात्रा, प्रो. राधा तोमर, प्रो. संजय कुलश्रेष्ठ, प्रो. गणेश दुबे, डॉ. निमिषा जादौन, डॉ. एसके सिंह, डॉ. याशी जैन सहित विभिन्न विभाग के शोधार्थी एवं छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

ज्वाइन होते ही महिला जेडओ का पार्षद से विवाद

ग्वालियर। लंबे समय से क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 13 की क्षेत्राधिकारी रहीं प्रगति गोस्वामी को अब क्षेत्र क्रमांक 16 जीवाजीगंज में पदस्थ किया गया है। जैसे ही उन्होंने ज्वाइनिंग दी तो मौलिक निधि को लेकर पार्षद मोहित जाट से उनका विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि पार्षद ने इसकी शिकायत निगमायुक्त संघ प्रिय से करते हुए प्रगति गोस्वामी को हटाने की मांग कर दी। पार्षद जाट ने बताया कि क्षेत्राधिकारी को पार्षद से बातचीत करने तरीका नहीं है। इससे पहले वार्ड 58 की पार्षद अपर्णा पाटिल से भी विवाद हुआ था इसीलिए उन्हें हटाया गया। अब मैं अन्य पार्षदों के साथ मिलकर निगमायुक्त से शिकायत करेंगे।

भारतीय सेना दिवस प्रेरणा देता है

ग्वालियर। प्रधानमंत्री कालेज आफ एक्सीलेंस श्याम लाल पांडवीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मुरार ग्वालियर में आज 15 जनवरी को प्राचार्य डॉ. शत्रुघ्न सिंह के मार्गदर्शन में एनसीसी अधिकारी डॉ खुशवंत सिंह के नेतृत्व में 78 वां भारतीय सेना दिवस मनाया गया। मुख्य कार्यक्रम महाविद्यालय के शिवाजी भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ एनसीसी अधिकारी डॉ खुशवंत सिंह द्वारा जनरल करियप्पा के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। भारतीय सेना दिवस पर मुख्य वक्ता महाविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी व इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष प्रदीप सिंह भदौरिया थे। श्री भदौरिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि छात्रों और युवा अभ्यर्थियों के लिए भारतीय सेना दिवस एक मजबूत प्रेरणा का स्रोत है। यह याद दिलाता है कि राष्ट्र की सेवा एक महान लक्ष्य है। भारतीय सेना दिवस की इस बार की थीम नेटवर्किंग और डेटा सेंट्रिसिटी वर्ष रखी गई है। डॉ जगदीश आर्य ने बताया कि भारतीय सेना प्राचीन काल से ही राष्ट्र की रक्षा में संलग्न है, हमारी सेना हमारी शान है।

सम्पादकीय

कॉलेज का कलेजा

दिल्ली विश्वविद्यालय के दयाल सिंह इवनिंग कॉलेज का नाम बदलने की कोशिशें उन्नीसवीं सदी के एक दूरदर्शी और परोपकारी सरदार दयाल सिंह मजीठिया जी की स्मृति और विरासत की घोर अवहेलना को ही दशार्ती हैं। यह कॉलेज उन्हीं के नाम पर दिल्ली में स्थापित और प्रतिष्ठित है। द ट्रिब्यून और पंजाब नेशनल बैंक के संस्थापक रहे सरदार दयाल सिंह मजीठिया ने एक ऐसे धर्मनिरपेक्ष व समावेशी कॉलेज की स्थापना का स्वप्न साकार करना चाहा, जहां जनहित में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा सके। उल्लेखनीय है कि दिल्ली स्थित इस संस्थान का समृद्ध इतिहास 1910 से तब शुरू होता है, जब मजीठिया जी के निधन के बारह वर्ष बाद लाहौर में इसकी स्थापना हुई थी। लेकिन आज कॉलेज प्रबंधन की ओर से दलील दी जा रही है कि एक ही नाम से डे कॉलेज और इवनिंग कॉलेज संचालित नहीं किए जा सकते हैं। यह कहना तार्किक नहीं लगता कि नाम बदलने से प्रशासनिक कार्यों में किसी भी तरह की सुविधाजनक स्थिति भी बन सकती है। वहीं दूसरी ओर, यह कॉलेज के कलेजे रूपी गरिमामय विरासत और जनभावनाओं को नजरअंदाज करने जैसा है। यहां यह तथ्य भी उल्लेखनीय है कि इस बदलाव की कोशिशों के कानून पहलू भी ऐसा करने की इजाजत नहीं देते। दरअसल, वर्ष 1978 में हस्तांतरण डीड की धारा 12, जिसके तहत ही दिल्ली विश्वविद्यालय यानी डीयू ने कॉलेज का अधिग्रहण किया था, में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि संस्थान दयाल सिंह कालेज के नाम से ही जाना जाता रहेगा। इस धारा का उल्लंघन करने की स्थिति में भूमि अधिकार छीनने और जबरन विस्थापन जैसी गंभीर कार्रवाई भी की जा सकती है। निश्चित रूप से इस तरह का जोखिम कोई भी जिम्मेदार प्रशासन हल्के में नहीं लेना चाहेगा। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि संकाय सदस्यों को सिख योद्धा बंदा सिंह बहादुर के नाम पर कॉलेज का नाम बदलने के प्रस्ताव की जानकारी तब मिली जब पिछले दिनों दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति ने वीर बाल दिवस के मौके पर इसकी सार्वजनिक रूप से घोषणा की थी। यहां उल्लेखनीय है कि दयाल सिंह इवनिंग कॉलेज एक कालखंड की गरिमामय स्मृतियों को सहेजे हुए है। भारत मां के महान सपूत सरदार दयाल सिंह मजीठिया ने अपने सारी संपत्ति समाज के लिये समर्पित कर दी थी। उन्होंने अपना जीवन एक स्वतंत्र प्रेस, उत्तर भारत में शिक्षा के प्रसार के लिये एक उच्चस्तरीय कॉलेज तथा जागरूकता के लिये पुस्तकालय की स्थापना के लिये लगाया। जिसका मकसद समाज में प्रगतिशील सोच विकसित करना और अज्ञानता को समाप्त करना ही था। ऐसे में एक पुनीत उद्देश्य के लिये स्थापित कॉलेज का नाम बदलने का प्रबंधनतंत्र द्वारा इस तरह का एकतरफा निर्णय विश्वविद्यालय के मूल सिद्धांत को ही कमजोर करता है। जिसका मूल उद्देश्य परामर्श और आम सहमति से कार्य करना होता है। इन कोशिशों के बीच कॉलेज के शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने ऐसे किसी प्रयास का विरोध करने का फैसला किया है। कर्मचारी संघ द्वारा पारित प्रस्ताव में कॉलेज की पहचान और भविष्य को प्रभावित करने वाले इस कदम को लेकर असंतोष जताया गया है। छात्रों में भी इस बात को लेकर रोष देखा गया है। इसमें दो राय नहीं कि कोई भी शैक्षणिक संस्थान केवल ज्ञान का केंद्र ही नहीं होता, बल्कि सामूहिक स्मृति का संरक्षक भी होता है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि वर्ष 2017 में भी महाविद्यालय का नाम बदलकर वंदे मातरमङ् महाविद्यालय रखने का प्रयास किया गया था। लेकिन यह प्रयास हितधारकों के विरोध के चलते सिरे नहीं चढ़ सका था। अब बदलाव की कोशिश करने वालों को पिछले असफल प्रयास को एक सबक के रूप में देखना चाहिए था। दिल्ली विश्वविद्यालय को ऐसे किसी प्रयास से पहले विचार विमर्श करने तथा चिंतन करने की आवश्यकता है। खासकर, ऐसे वक्त में जब एक महान व्यक्तित्व का नाम और साथ ही एक सदी से अधिक की शैक्षणिक और नैतिक विरासत दांव पर लगी हो।

पीड़ितों का शास्त्र न बन जाए उमर-शरजील की हिरासत

वामपंथी वैचारिकी की एक खासियत है। वह अपने पक्ष में अकादमिक तर्क गढ़ने में माहिर रही है। अपने लिहाज के तथ्यों को चुनकर उसके हिसाब से वह तर्क गढ़ने और अपने पक्ष में माहौल बनाने के साथ ही अपनी वैचारिकी के लोगों को पीड़ित दिखाने में वह हमेशा आगे रहती रही है। छह साल पहले राजधानी दिल्ली के उत्तरी-पूर्वी हिस्से के जाफराबाद और मौजपुर में हुए दंगों पर राजनीति थम नहीं रही है। राजनीति तब भी खूब हुई, जब 23 फरवरी 26 फरवरी 2020 के बीच हुए दंगों का घाव बिल्कुल हरा था। इस बार इन दंगों पर राजनीति की वजह पांच जनवरी को सुप्रीम कोर्ट से आया एक आदेश है, जिसमें इन दंगों के पांच आरोपियों गुलफिशां फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, शादाब अहम और मोहम्मद सलीम खान को जमानत दे दी गई है। इस आदेश को लेकर राजनीति ही नहीं हो रही, प्रकारांतर से देश की सबसे बड़ी अदालत भी निशाने पर है। सर्वोच्च अदालत ने इन दंगों के आरोपी शरजील इमाम उमर खालिद को जमानत देने से साफ इनकार कर दिया। इस फैसले के खिलाफ सोशल मीडिया पर इन दोनों आरोपियों के पक्ष और सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के खिलाफ बयानबाजी तेज हो गई। मनमोहन सिंह की सत्ता और कांग्रेस के आंख के तारे रहे जेएनयू के पूर्व छात्र रहे एक बड़े पत्रकार ने इन दोनों आरोपियों को देश का प्रखर बुद्धिजीवी बताते हुए उन्हें जमानत ना दिए जाने पर आश्चर्य जताया। वामपंथी वैचारिकी की एक खासियत है। वह अपने पक्ष में अकादमिक तर्क गढ़ने में माहिर रही है। अपने लिहाज के तथ्यों को चुनकर उसके हिसाब से वह तर्क गढ़ने और अपने पक्ष में माहौल बनाने के साथ ही अपनी वैचारिकी के लोगों को पीड़ित दिखाने में वह हमेशा आगे रहती रही है। शरजील इमाम और उमर खालिद के पक्ष में वामपंथी वैचारिकी उसी तरह से उमड़ पड़ी है। वह दोनों के बारे में यह राय बनाने की भरपूर और प्रभावी कोशिश कर रही है कि दोनों दंगाई नहीं, दंगे के शातिर षड्यंत्रकारी नहीं, बल्कि वे प्रखर बुद्धिजीवी हैं। वामपंथी वैचारिकी यह साबित करने की भी कोशिश कर रही है कि दोनों चूंकि अल्पसंख्यक यानी मुस्लिम समुदाय से हैं, और चूंकि केंद्र में हिंदुत्ववादी सत्ता है। इसलिए अल्पसंख्यक बुद्धिजीवियों को दबाया और प्रताड़ित किया जा रहा है। वामपंथी वैचारिकी और उसकी बुद्धिजीवी जमात यह विमर्श खड़ा करने की कोशिश कर रही है कि हिंदुत्ववादी सत्ता के इशारे पर अदालत मुस्लिम समुदाय के निर्दोष बुद्धिजीवियों को बलि का बकरा बना रही है। यह विमर्श खड़ा करके वामपंथी वैचारिकी और उसकी बुद्धिजीवी जमात दरअसल दंगाईयों को पीड़ित के तौर पर स्थापित करने की कोशिश कर रही है। दिलचस्प यह है कि उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत को नकारने के लिए जहां सर्वोच्च न्यायालय को निशाना बनाया जा रहा है, वहीं बाकी पांच आरोपियों को जमानत दिए जाने के आदेश को जबरदस्ती नेपथ्य में धकेलने की कोशिश की जा रही है। दो लोगों को जमानत ना मिलने को, पांच लोगों को जमानत मिलने की प्रक्रिया के सामने पक्षपाती दिखाया जा रहा है। पांच आरोपियों को मिली जमानत को यह दिखाने की कोशिश हो रही है कि ऐसा करके सर्वोच्च अदालत ने कोई एहसान नहीं किया है। वामपंथी वैचारिकी के इस विमर्श का पूरा मकसद यह भुलाना है कि 2020 के दिल्ली दंगे हिंदू-मुस्लिम दंगे नहीं थे। इस विमर्श का लक्ष्य यह भी भुलाना है कि इन दंगों में अधिसंख्य हिंदू समुदाय के लोग मारे गए थे। इस विमर्श का यह भी मकसद है कि इन दंगों के दौरान आईबी के मासूम अधिकारी अंकित शर्मा की हुई हत्या को सामान्य अपराध दिखाने की कोशिश हो रही है। इन दंगों में आधिकारिक रूप से 53 लोग मारे गए थे। दंगा खत्म होने के बाद कई लाशें नाले में बहती मिलीं। जिस तरह उस दौरान दंगे के एक आरोपी आम आदमी पार्टी के तत्कालीन पार्षद ताहिर हुसैन के घर पत्थर, हथियार और बड़ी-सी गुलेल मिली, उससे तो यही साबित होता है कि दिल्ली के ये दंगे हिंदू समाज को सबक सिखाने की मुस्लिम समाज के कुछ दंगाइयों की कोशिश थी। इन दंगों की टाइमिंग को भी भुलाना आसान नहीं है। जब ये दंगे हुए थे, उसके कुछ ही दिन बाद अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप का भारत दौरा हुआ था। इन दंगों के जरिए कोशिश यह भी की गई थी कि दंगा के षड्यंत्रकारियों का मकसद ट्रंप की भारत यात्रा को निरस्त कराना, भारतीय राज व्यवस्था को बदनाम करना और इसके जरिए भारत की छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नुकसान पहुंचाना था। इसमें किंचित वे कामयाब भी हुए। शरजील इमाम और उमर खालिद के पक्ष में उठती आवाजों का प्रतिकार भी जरूरी है। इन आवाजों की पोल खोलना भी जरूरी है। राष्ट्रवादी धारा के प्रबुद्धजन वामपंथी विमर्श के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं, लेकिन जिस तरह कभी वामपंथी वैचारिकी के अगुआओं को देश की मौजूदा व्यवस्था में राजकीय तवज्जो मिल रहा है, उससे प्रखर राष्ट्रवादी वैचारिकी किंचित परेशान भी है और दुखी भी। इसलिए जैसा इस वामपंथी विमर्श का प्रतिकार होना चाहिए, उस स्तर का प्रतिकार नहीं हो पा रहा है। यह तो भला हो कि हिंदुत्ववादी मानस इन दिनों बेहद सचेत हो चुका है। निश्चित तौर पर इसकी वजह मुस्लिम तुष्टिकरण की हकीकत का सामने आना तो है ही, केंद्रीय सत्ता में मोदी की अगुआई में हिंदुत्वादी ताकतों का प्रभावी बनना भी है। दिल्ली दंगों को लेकर नए विमर्श गढ़ने की कोशिशें होती रहेंगी। जरूरत यह है कि इसका लगातार उचित प्रतिकार तो होते ही रहे, हिंदुत्व विरोधी नैरेटिव के खिलाफ आक्रामक राष्ट्रवादी विमर्श लगातार उठता रहे। इसी अंदाज में होना यह चाहिए कि दिल्ली दंगों को लेकर बार-बार यह कहा जाना चाहिए कि ये हिंदुओं के खिलाफ खुराफाती और शांति विरोधी मुस्लिम सिरफिरों के सुनियोजित अपराध थे। जिसमें 53 लोगों की मौत हुई। इनमें ज्यादातर हिंदु थे।

> ***मनमोहन सिंह की सत्ता और कांग्रेस के आंख के तारे रहे जेएनयू के पूर्व छात्र रहे एक बड़े पत्रकार ने इन दोनों आरोपियों को देश का प्रखर बुद्धिजीवी बताते हुए उन्हें जमानत ना दिए जाने पर आश्चर्य जताया। वामपंथी वैचारिकी की एक खासियत है। वह अपने पक्ष में अकादमिक तर्क गढ़ने में माहिर रही है। अपने लिहाज के तथ्यों को चुनकर उसके हिसाब से वह तर्क गढ़ने और अपने पक्ष में माहौल बनाने के साथ ही अपनी वैचारिकी के लोगों को पीड़ित दिखाने में वह हमेशा आगे रहती रही है। शरजील इमाम और उमर खालिद के पक्ष में वामपंथी वैचारिकी उसी तरह से उमड़ पड़ी है। वह दोनों के बारे में यह राय बनाने की भरपूर और प्रभावी कोशिश कर रही है कि दोनों दंगाई नहीं, दंगे के शातिर षड्यंत्रकारी नहीं, बल्कि वे प्रखर बुद्धिजीवी हैं। वामपंथी वैचारिकी यह साबित करने की भी कोशिश कर रही है कि दोनों चूंकि अल्पसंख्यक यानी मुस्लिम समुदाय से हैं, और चूंकि केंद्र में हिंदुत्ववादी सत्ता है। इसलिए अल्पसंख्यक बुद्धिजीवियों को दबाया और प्रताड़ित किया जा रहा है। वामपंथी वैचारिकी और उसकी बुद्धिजीवी जमात यह विमर्श खड़ा करने की कोशिश कर रही है कि हिंदुत्ववादी सत्ता के इशारे पर अदालत मुस्लिम समुदाय के निर्दोष बुद्धिजीवियों को बलि का बकरा बना रही है। यह विमर्श खड़ा करके वामपंथी वैचारिकी और उसकी बुद्धिजीवी जमात दरअसल दंगाईयों को पीड़ित के तौर पर स्थापित करने की कोशिश कर रही है। दिलचस्प यह है कि उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत को नकारने के लिए जहां सर्वोच्च न्यायालय को निशाना बनाया जा रहा है, वहीं बाकी पांच आरोपियों को जमानत दिए जाने के आदेश को जबरदस्ती नेपथ्य में धकेलने की कोशिश की जा रही है। दो लोगों को जमानत ना मिलने को, पांच लोगों को जमानत मिलने की प्रक्रिया के सामने पक्षपाती दिखाया जा रहा है। पांच आरोपियों को मिली जमानत को यह दिखाने की कोशिश हो रही है कि ऐसा करके सर्वोच्च अदालत ने कोई एहसान नहीं किया है। वामपंथी वैचारिकी के इस विमर्श का पूरा मकसद यह भुलाना है कि 2020 के दिल्ली दंगे हिंदू-मुस्लिम दंगे नहीं थे। इस विमर्श का लक्ष्य यह भी भुलाना है कि इन दंगों में अधिसंख्य हिंदू समुदाय के लोग मारे गए थे। इस विमर्श का यह भी मकसद है कि इन दंगों के दौरान आईबी के मासूम अधिकारी अंकित शर्मा की हुई हत्या को सामान्य अपराध दिखाने की कोशिश हो रही है। इन दंगों में आधिकारिक रूप से 53 लोग मारे गए थे। दंगा खत्म होने के बाद कई लाशें नाले में बहती मिलीं। जिस तरह उस दौरान दंगे के एक आरोपी आम आदमी पार्टी के तत्कालीन पार्षद ताहिर हुसैन के घर पत्थर, हथियार और बड़ी-सी गुलेल मिली, उससे तो यही साबित होता है कि दिल्ली के ये दंगे हिंदू समाज को सबक सिखाने की मुस्लिम समाज के कुछ दंगाइयों की कोशिश थी। इन दंगों की टाइमिंग को भी भुलाना आसान नहीं है। जब ये दंगे हुए थे, उसके कुछ ही दिन बाद अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप का भारत दौरा हुआ था।***

फर्जी खबरों, डीपफेक और इन्फ्लुएंसर्स के दौर में चुनाव

आज से लगभग दस हफ्तों के भीतर चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव होने जा रहे हैं। अगर 2019 भारत का पहला व्हाट्सऐप चुनाव था और 2024 पहला डिजिटल-फॉरवर्ड चुनाव, तो 2026 को इन दोनों का मिला-जुला स्वरूप कहा जा सकता है। बताया जा रहा है कि 2029 एआई का चुनाव होगा। मीडिया और राजनीति का उत्सुक विद्यार्थी होने के नाते इस पर मेरे कुछ विचार हैं। फेक न्यूज इसे बेलगाम पीत-पत्रकारिता ही कहा जा सकता है। सनसनीवाद आज बेरोकटोक फैलाया जाता है। चुनावों पर फेक न्यूज के असर को समझने के लिए पत्रकारिता शैली में पांच सवाल पूछने जरूरी हैं,भारत में इस शब्द की कोई कानूनी परिभाषा नहीं है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के ई-सेफ्टी कमिश्नर के अनुसार फेक न्यूज वे मनगढ़ंत खबरें हैं, जिन्हें किसी विशेष एजेंडे का समर्थन करने के लिए रचा जाता है। भारत में हर पांच में से तीन इंटरनेट यूजर ऑनलाइन ही खबरें और जानकारियां प्राप्त करते हैं। ऐसे में फेक न्यूज का तेजी से फैलना चिंताजनक है। प्यू रिसर्च सेंटर के 2025 के एक सर्वे में 65: लोगों ने फर्जी खबरों और सूचनाओं को बड़ी चिंता बताया। फेक न्यूज भारतीय चुनावों की एक संरचनात्मक विशेषता बन चुका है। भले ही वोट ऑफलाइन दिए जाते हों, लेकिन उनकी लड़ाई अब तेजी से ऑनलाइन लड़ी जा रही है। आज भारत में 90 करोड़ से अधिक इंटरनेट यूजर्स हैं। ऐसे में चंद ही क्लिक में धारणाओं को प्रभावित करना और नैरेटिव गढ़ना संभव हो गया है। इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस और साइबरपीस के एक अध्ययन से पता चला कि सभी फेक न्यूज में से 46: राजनीतिक प्रकृति की थीं। चुनावों के आसपास फेक न्यूज चरम पर होती हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, 2019 के चुनावी वर्ष में फेक न्यूज से जुड़े मामलों में पिछले वर्ष की तुलना में 70: की वृद्धि हुई थी। डिजिटल प्लेटफॉर्म फेक न्यूज के तेज प्रसार को सक्षम बनाते हैं। छेड़छाड़ किए गए वीडियो, एआई-जनित तस्वीरें आदि तथ्य और कल्पना के बीच की रेखा को धुंधला कर देते हैं, जबकि एल्गोरिदम ऐसे कंटेंट को वायरल बनाने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। भारत में लगभग 900 निजी टीवी चौनल हैं, जिनमें से करीब आधे न्यूज के हैं। टीवी की पहुंच आज भी गहरी है- देश के लगभग 23 करोड़ घरों में टीवी मौजूद है। हालांकि हाल के वर्षों में डिजिटल माध्यम की ओर स्पष्ट झुकाव देखने को मिला है। सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग के साथ इन्फ्लुएंसर्स की इस क्षेत्र में काफी पकड़ बन गई है। ये वे व्यक्ति हैं, जिन्हें मजबूत शोध और प्रोडक्शन टीमों का समर्थन हासिल होता है और जिन्होंने अपनी व्यक्तिगत ब्रांड इक्विटी के बल पर एक बड़ी फॉलोइंग बना ली होती है। जेन-जी में केवल 13: ही सेलेब्रिटीज को फॉलो करना पसंद करते हैं, जबकि 86: से अधिक इन्फ्लुएंसर्स को फॉलो करते हैं। इन इन्फ्लुएंसर्स की पहुंच इतनी अहम हो चुकी है कि कई वरिष्ठ राजनेताओं ने उनसे सक्रिय रूप से सम्पर्क किया है और उन्हें इंटरव्यू भी दिए हैं। केंद्र सरकार ने भी डलळवअ के तहत इन्फ्लुएंसर एजेंसियों को पेनल में शामिल कर उनके साथ काम किया है। दक्षिण भारत की एक पार्टी के दिवंगत नेता का पार्टी बैठक में अपने विशिष्ट पहनावे में उपस्थित होना, फिल्म उद्योग के दो प्रमुख अभिनेताओं का प्रधानमंत्री की आलोचना करना और सबसे बड़े विपक्षी दल का समर्थन करना, इस तरह के फर्जी डिजिटल-वीडियो पिछले लोकसभा चुनावों से पहले सामने आए थे। इन्हें डीपफेक कहा जाता है और ये अब राजनीतिक दलों तथा उनके प्रचार अभियान की कमान सम्भालने वाली एजेंसियों के सबसे प्रभावी औजारों में से एक बनते जा रहे हैं।पिछले आम चुनावों में मतदान शुरू होने से पहले के साठ दिनों में मतदाताओं को पांच करोड़ एआई-जनरेटेड कॉल किए गए, जिनमें किसी राजनेता की आवाज को कृत्रिम रूप से इस तरह तैयार किया गया कि वह सीधे मतदाता से बात करता हुआ लगे। इन्हीं चुनावों के दौरान मेटा ने मुसलमानों और एक विपक्षी नेता के खिलाफ हिंसा के आह्वान वाले 14 एआई-जनरेटेड चुनावी विज्ञापनों को भी मंजूरी दी। चुनाव आयोग को ऐसे कंटेंट के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए सख्त दिशानिर्देश तय करने चाहिए थे। लेकिन हाल ही में एसआईआर प्रक्रिया का जिस तरह से क्रियान्वयन किया गया, उसके मद्देनजर लगता है कि हम शायद एक गलत अपेक्षा कर रहे हैं। भारत में हर 5 में से 3 इंटरनेट यूजर ऑनलाइन ही खबरें और जानकारियां प्राप्त करते हैं।

इतिहास, संस्कृति और धर्म से खिलवाड़

नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद जिस तेजी से अयोध्या में बाबरी मस्जिद की जमीन राम मंदिर बनाने के लिए दे दी गई और फिर वहां राम मंदिर बन भी गया, उससे भाजपा समर्थकों में यह विश्वास और पुख्ता हो गया कि मोदी के रहते हिंदू धर्म सुरक्षित रहेगा और हिंदू जागा रहेगा। हालांकि हिंदू कब सोया हुआ था और धर्म को कब खतरा था, इसका कोई तार्किक जवाब इन समर्थकों के पास नहीं है। क्यों धर्म खतरे में रहता तो देश में हिंदू आबादी बहुसंख्यक नहीं रहती। बहरहाल, भाजपा की धर्म की राजनीति में आम जनता की आस्था उलझ कर रह गई और अब जब धर्म का तरह-तरह से अपमान हो रहा है, तो यह उलझी हुई धार्मिक जनता समझ नहीं पा रही है कि उसे क्या करना चाहिए। अभी तीन-चार तीन पहले नरेन्द्र मोदी शिवजी की तरह डमरू बजाते दिखे, इसके बाद पतंगबाजी का शौक पूरा करने के लिए हनुमानजी को ही पतंग की तरह इस्तेमाल किया। लेकिन हिंदू सोया रहा, उसे अपने आराध्य भगवानों के अपमान पर आपत्ति नहीं हुई। उत्तरप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने हनुमानजी के अपमान के विरोध में लखनऊ में हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहा, तो पुलिस ने उन्हें रोका। हालांकि पाठ फिर भी उन्होंने पूरा किया। लेकिन इसमें कोई हिंदुत्ववादी संगठन अजय राय का साथ देने आगे नहीं आया। जो लोग चर्च या मस्जिदों के सामने हनुमान चालीसा पढ़ते हैं, उन्हें इस बात से तकलीफ नहीं हुई कि मंदिर में किसी को हनुमान चालीसा का पाठ करने से क्यों रोका जा रहा है। धर्म को लेकर यह दोहरा रवैया जाहिर करता है कि भाजपा के लिए धर्म केवल राजनीति में सीढ़ी की तरह इस्तेमाल किया जाता है। आस्था पर पैर रखकर अपमानित करने से भाजपा नेताओं को कोई गुरेज नहीं है इसी तरह प्राचीन संस्कृति और ऐतिहासिक धरोहरों का भी लगातार तिरस्कार भाजपा कर रही है। अभी सोमनाथ मंदिर पर आक्रमण के हजार साल मनाए गए और नरेन्द्र मोदी ने इसमें कहा कि यह हमारी विजय का प्रतीक है, क्योंकि आक्रमण के बाद भी सोमनाथ को नष्ट नहीं किया जा सका। लेकिन खुद मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में मंदिरों, मूर्तियों और घाटों को जीर्णोद्धार के नाम पर बर्बाद किया जा रहा है। इसमें मणिकर्णिका घाट को भी नहीं बख्शा गया, जो हिंदू धर्म के सबसे प्राचीन और सबसे पवित्र श्मशान घाटों में से एक है। मोक्ष की कामना में श्रद्धालु यहां आते हैं, लेकिन शायद

नरेन्द्र मोदी की नजर में श्रद्धा का कोई मोल नहीं है, उन्हें केवल मुनाफे की भाषा समझ आती है। तभी तो इस पवित्र माने जाने वाले घाट का अविचारित पुनरूद्धार किया जा रहा है। जिसमें पुराने घाटों और मूर्तियों पर बेरहमी से बुलडोजर चला दिया गया और जब इसका विरोध शुरू हुआ तो जिला प्रशासन का जवाब आया कि मूर्तियों को दोबारा लगाने के लिए सुरक्षित रखा गया है। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने कहा कि दीवारों में लगी कुछ कलाकृतियां व मूर्तियां प्रभावित हुई हैं लेकिन उन्हें संस्कृति विभाग द्वारा सुरक्षित कर लिया गया है और काम पूरा होने के बाद उन्हें उनके मूलरूप में फिर से स्थापित किया जाएगा। लेकिन सवाल यही है कि आखिर इस तरह के कामों में पहले से सावधानी क्यों नहीं बरती गई।जब मोदी ने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर बनवाया था, तब भी कई पुरानी मूर्तियां और छोटे मंदिरों को तोड़ा गया था। अब अहिल्याबाई होलकर की लगभग सौ साल पुरानी मूर्ति को नुकसान पहुंचाया गया है। जबकि इन्हीं देवी अहिल्याबाई होलकर ने मणिकर्णिका घाट का निर्माण करवाया था और कई मंदिरों का संरक्षण भी किया था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी को घेरते हुए एक पोस्ट में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं की तरफ ध्यान दिलाया है और अहम सवाल पूछे हैं। उन्होंने लिखा कि श्श्गुप्त काल में वर्णित जिस मणिकर्णिका घाट का लोकमाता अहिल्याबाई होलकर ने पुनरुद्धार कराया था, उस दुर्लभ प्राचीन धरोहर को आपने पुनरुद्धार के बहाने तुड़वाने का अपराध किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने भोंडे सौंदर्यीकरण और व्यवसायीकरण के नाम पर बनारस के मणिकर्णिका घाट में बुलडोजर चलवाकर सदियों पुरानी धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को ध्वस्त करानेश्श का काम किया है। आप चाहते हैं कि इतिहास की हर धरोहर को मिटाकर बस आपकी नामपट्टिका चिपका दी जाए। श्री खड़गे ने कहा कि पहले गलियारे के नाम पर छोटे-बड़े मंदिर और देवालय तोड़े गए और अब प्राचीन घाटों की बारी है। दुनिया का प्राचीनतम शहर काशी अध्यात्म, संस्कृति, शिक्षा और इतिहास का ऐसा संगम है जो पूरी दुनिया को अपनी ओर आकर्षित करता है। क्या इस सब के पीछे फिर से व्यावसायिक मित्रों को फायदा पहुंचाने की मंशा है? जल, जंगल, पहाड़- सब आपने उनके हवाले किए हैं, अब सांस्कृतिक विरासत की बारी आ गई है।

बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती से निपटने में सफल रहे हम

शशि थरूर

इस सदी की शुरूआत तक हिंसक माओवादी विद्रोह की चुनौती काफी गहरा गई थी। रेड कॉरिडोर फैलता जा रहा था। नतीजा यह हुआ कि डॉ. मनमोहन सिंह के शब्दों में, यह भारत के सामने सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती बन गया। लेकिन भारत इस चुनौती से निपटने में सक्षम साबित हुआ है। रेड कॉरिडोर 2013 में 126 जिलों में फैल गया था, जो अब सिमटकर 11 जिलों तक रह गया है। गृह मंत्री अमित शाह ने घोषणा की है कि नक्सलवादी विद्रोह आने वाले कुछ महीनों में पूरी तरह समाप्त कर दिया जाएगा। लेकिन यह उस तरह की विनाशकारी हिंसा के चलते नहीं हुआ, जैसी श्रीलंका ने 2009 में तमिल टाइगर्स को हराने के लिए अपनाई थी। न ही भारत ने उन क्रूर तौर-तरीकों का सहारा लिया, जिनका इस्तेमाल पेरू में अल्बेर्तो फुजीमोरी ने 1990 के दशक में सेंदेरो लुमिनोसो गुरिल्लाओं को कुचलने के लिए किया था। भारत ने एक परिष्कृत रणनीति बनाई, जिसमें विद्रोह के कारणों और परिणामों- दोनों को ध्यान में रखा गया। कहानी की शुरूआत भूमिहीनता, आर्थिक वंचना और हाशिये पर पड़े समुदायों- खासकर दूरदराज के, संसाधन-समृद्ध वनों में रहने वाली आदिवासी आबादी की सरकारी सेवाओं तक पहुंच के अभाव की विरासत से होती है। इसने जमींदारों के खिलाफ किसान विद्रोह को जन्म दिया। विद्रोहियों ने माओवादी सैन्य रणनीति यानी जनयुद्ध को अपनाया। 2004 में, विद्रोह के विभिन्न धड़े एकजुट होकर सीपीआई (माओवादी) बने, जिसका उद्देश्य भारतीय लोकतंत्र को उखाड़ फेंकना और एक नया जनवादी राज्य स्थापित करना था। दूरस्थ इलाकों में प्रशासनिक और सुरक्षागत शून्यों का लाभ उठाते हुए सीपीआई (माओवादी) ने इन जिलों में समानांतर शासन का आभास दिया और स्वयं को पूंजीवादी शोषण के खिलाफ उत्पीड़ितों के रक्षक के रूप में प्रस्तुत किया। उसे नए रंगरूट मिलते रहे। लेकिन संरक्षण का यह एजेंडा अकसर हिंसा के जरिये आगे बढ़ाया गया और इसकी वित्तीय व्यवस्था लूट तथा उगाही से की गई। जून 2009 में सरकार ने सीपीआई (माओवादी) और उसके सहयोगी संगठनों को आतंकवादी घोषित किया और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत इस संगठन पर प्रतिबंध लगा दिया। माओवादियों ने जवाब में हिंसा और तेज कर दी। 2010 में उन्होंने भारतीय अर्द्धसैनिक बलों पर सबसे घातक हमला किया, जिसमें छत्तीसगढ़ में सीआरपीएफ के 74 जवान और दो पुलिसकर्मी मारे गए। तीन साल बाद एक और हमले में उसी राज्य के कांग्रेस पार्टी नेतृत्व को ले जा रहे काफिले को निशाना बनाया गया और उसे तबाह कर दिया गया। तत्कालीन यूपीए सरकार को एहसास था कि केवल दमन से काम नहीं चलेगा और एक ऐसे नए दृष्टिकोण की जरूरत है, जो सुरक्षा चुनौती के साथ-साथ उन आर्थिक शिकायतों का भी सामना करे, जो विद्रोह को पोषित कर रही थीं। यूपीए सरकार द्वारा शुरू की गई कार्रवाई को 2014 के बाद गति मिली, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नई सरकार ने सुरक्षा और विकास- दोनों को ध्यान में रखते हुए एक व्यापक, बहु-स्तरीय रणनीति लागू की। सरकार ने पुलिस की क्षमताओं को मजबूत करने में भारी निवेश किया- आधुनिक हथियार, बेहतर संचार उपकरण और उग्रवाद-विरोधी अभियानों के लिए विशेष प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया। इसके अलावा, पहले से दुर्गम रहे इलाकों में सैकड़ों नए फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस स्थापित किए गए, जिससे माओवादियों के तथाकथित सुरक्षित क्षेत्र सिमटे और उनकी आवाजाही बाधित हुई। सरकार ने उगाही के नेटवर्क और अन्य अवैध आय स्रोतों पर भी प्रहार किया और केंद्रीय तथा क्षेत्रीय नेतृत्व को पकड़ने या निष्क्रिय करने के प्रयास तेज किए। साथ ही गरीबी-उन्मूलन और विकास के प्रयास भी किए गए। लेकिन स्थायी समाधान के लिए प्रणालीगत बदलाव भी अनिवार्य हैं। सरकार को जल, जंगल और जमीन पर स्थानीय समुदायों के अधिकारों की रक्षा करनी होगी। आर्थिक विकास की परिभाषा को इस तरह से गढ़ना होगा कि वह पारंपरिक अधिकारों का सम्मान करे। साथ ही, नए सिरे से अशांति के चक्र को जन्म देने से बचने के लिए शोषणकारी उपक्रमों को आदिवासी इलाकों को रिमोट-कंट्रोल से संचालित करने की कोशिशों से भी बाज आना चाहिए।

लाखों युवाओं को उद्यम और नवाचार के नए अवसर प्रदान किए

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्टार्ट अप इंडिया योजना के 10 वर्ष पूरे होने के मौके पर शुक्रवार को कहा कि पिछले एक दशक में इसने लाखों युवाओं को उद्यम, उद्योग और नवाचार के नए अवसर प्रदान किए हैं। योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में शुरू की गई स्टार्टअप इंडिया योजना के सफलतम 10 वर्ष पूरे होने पर सभी को हार्दिक बधाई। यह अभिनव पहल युवाओं में उद्यमिता की भावना को बढ़ावा देते हुए भारत को नवाचार संचालित अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में गतिशील बना रही है। उन्होंने कहा, पिछले एक दशक में स्टार्टअप इंडिया ने लाखों युवाओं को उद्यम, उद्योग एवं नवाचार के नए अवसर प्रदान किए हैं। उत्तर प्रदेश आज देश के अग्रणी स्टार्टअप परिवेश के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है। इस विकासोन्मुख अभियान से आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत की यात्रा को नई ऊर्जा प्राप्त हो रही है। स्टार्टअप इंडिया की शुरूआत 16 जनवरी 2016 को एक परिवर्तनकारी राष्ट्रीय कार्यक्रम के रूप में की गई थी जिसका उद्देश्य नवोन्मेष को पोषित करना, उद्यमिता को बढ़ावा देना और निवेश-आधारित वृद्धि को सक्षम बनाना है ताकि भारत को नौकरी तलाशने वालों के बजाय नौकरी देने वालों का देश बनाया जा सके।

अचानक पैरों की नस चढ़ जाती है तो करें ये योगासन, दर्द से तुरंत मिलेगी राहत

अगर आपके पैरों की नस भी अचानक से चढ़ जाती है और असहनीय दर्द होता है तो ये लेख आपके काम का है। हम आपको बताएंगे दो ऐसे योगासन, जो आपको तुरंत राहत देंगे। कभी-कभी अचानक पैरों की नस चढ़ जाना बहुत ही असहज और दर्दनाक अनुभव हो सकता है। ये स्थिति तब होती है जब नसों में खिंचाव आ जाता है, जिससे पैरों में तेज दर्द और झनझनाहट महसूस होती है। इसे ठीक करने के लिए बहुत से आसान उपाय हैं, जिनमें योगासन भी बेहद प्रभावी साबित हो सकते हैं। योग के कुछ सरल आसन आपको इस दर्द से राहत दिला सकते हैं और नसों के खिंचाव को कम करने में मदद कर सकते हैं। इन आसनों को नियमित रूप से करने से आप नसों के दर्द और ऐंठन से बच सकते हैं।

पद्मासन

पद्मासन, जिसे लोटस पोज भी कहा जाता है, एक बहुत ही प्रसिद्ध और महत्वपूर्ण योगासन है।

ये ध्यान और शांति को बढ़ावा देने के लिए विशेष रूप से किया जाता है।

पैरों में नस चढ़ने और खिंचाव से राहत पाने के लिए भी ये आसन प्रभावी है।

कैसे करें पद्मासन ?

सबसे पहले एक समतल जगह पर ध्यान से बैठें और दोनों पैरों को सामने फैलाकर रखें।

अब एक पैर को मोड़ते हुए अपने कूल्हे के पास रखें और दूसरे पैर को भी मोड़कर पहले पैर के ऊपर रखें।

इस तरह दोनों पैर एक-दूसरे के ऊपर रखे जाएंगे।

दोनों हाथों को घुटनों पर रखें, और शरीर को सीधा रखें।

यदि आप अधिक आराम महसूस करना चाहते हैं, तो दोनों हाथों की उंगलियां मुड़ी हुई स्थिति में रखें।

अब गहरी सांस लें और धीरे-धीरे अपनी आंखों को बंद करें, ध्यान केंद्रित करें।

इस स्थिति में कुछ मिनटों के लिए आराम से बैठें, और धीरे-धीरे श्वास पर ध्यान केंद्रित करें।

ताड़ासन

ताड़ासन, जिसे माउंटेन पोज भी कहा जाता है, एक सरल लेकिन प्रभावी योगासन है।

ये पूरे शरीर को खींचने और लंबा करने का कार्य करता है।

ताड़ासन शारीरिक संतुलन और शरीर की मुद्रा सुधारने के लिए बहुत लाभकारी है।

ये आसन पैरों और रीढ़ की हड्डी को मजबूती देने में मदद करता है और नसों के खिंचाव से राहत प्रदान करता है।

कैसे करेंताड़ासन ?

सबसे पहले सीधे खड़े होकर अपने पैरों को थोड़ा खोलें।

अब अपने पैरों के अंगूठों से लेकर सिर तक पूरी शरीर की लंबाई को खींचते हुए खड़े हों।

दोनों हाथों को शरीर के पास रखें और फिर धीरे-धीरे दोनों हाथों को ऊपर की ओर उठाएं।

दोनों हथेलियां आपस में मिलाकर ऊपर की ओर खिंचें।

इस स्थिति में कुछ देर (30 सेकंड से 1 मिनट) के लिए खड़े रहें और गहरी सांसें लें।

धीरे-धीरे वापस सामान्य स्थिति में लौटें।

आपके बालों को जड़ से काला कर सकती है सिर्फ एक चुटकी हल्दी! इस्तेमाल का तरीका जान सें

अगर आप अपने बालों को बिना डाई के काला करना चाहते हैं तो यहां एक आसान तरीका आपको बताया जा रहा है। क्या आप जानते हैं कि हल्दी, जो भारतीय रसोई का एक अहम हिस्सा है, आपके बालों को जड़ से काला करने में मदद कर सकती है?

जी हां, हल्दी में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन्स न केवल शरीर के लिए फायदेमंद हैं, बल्कि ये बालों के लिए भी वरदान साबित हो सकते हैं। खासकर जब आपके बाल सफेद हो जाएं, तो हल्दी से बना एक साधारण घरेलू उपाय न केवल बालों के रंग को प्राकृतिक रूप से काला करता है, बल्कि बालों की सेहत भी बेहतर बनाता है। जानिए, हल्दी का उपयोग किस प्रकार से आपके बालों को काला करने में सहायक हो सकता है।

हल्दी के साथ चाहिए होंगी ये सामग्री

2 चम्मच हल्दी

1 चम्मच चाय पत्तियां

1 चम्मच मेहंदी

1 विटामिन ए कैप्सूल

2 चम्मच एलोवेरा जेल

पानी

इस्तेमाल का तरीका है काफी आसान

सबसे पहले 2 चम्मच हल्दी को एक तवे या कढ़ाही में डालकर धीमी आंच पर अच्छे से भूनें।

अब एक पैन में 1 चम्मच चाय पत्तियां डालकर 1 कप पानी में उबालें।

इसके बाद अब इस चाय के पानी में भुनी हुई हल्दी डालें और उसमें 2 चम्मच एलोवेरा जेल मिला लें।

अब एक विटामिन ए कैप्सूल का तेल निकालकर इस मिश्रण में डालें।

अब इसमें 2 चम्मच हरी मेहंदी डालें। ध्यान रखें कि मेहंदी फ्रेश और हरी हो, ताकि रंग अच्छे से चढ़े।

अब इस पेस्ट को अपने बालों में अच्छे से लगाएं।

बालों को शॉवर कैप से कवर कर लें ताकि मिश्रण बालों में अच्छी तरह से समा जाए।

एक से दो घंटे के बाद बालों को सामान्य पानी से धो लें।

कब करें इस्तेमाल ?

इस नुस्खे को आप हफ्ते में 1 बार जरूर इस्तेमाल करें।

ये नुस्खा प्राकृतिक तरीके से सफेद बालों को काला करने में मदद करता है और बालों को स्वस्थ भी बनाए रखता है।

वसंत पंचमी के लिए रंगोली की डिजाइन अभी से सेव करके रख लें

वसंत पंचमी के मौके पर अगर अपना घर सजाना चाहते हैं तो आंगन में खूबसूरत रंगोली अवश्य बनाएं। यहां हम रंगोली की लेटेस्ट डिजाइन दिखाने जा रहे हैं। वसंत पंचमी का पर्व भारतीय संस्कृति में एक खास महत्व रखता है। इस दिन देवी सरस्वती की पूजा होती है। इसी के चलते हिंदू धर्म में ये दिन ज्ञान, कला, संगीत, और रंगों का प्रतीक माना जाता है। वसंत पंचमी के मौके पर घरों को सजाना एक आम परंपरा है। इसी के चलते महिलाएं स्कूलों से लेकर अपने घरों तक में रंगोली अवश्य बनाती हैं, क्योंकि पूजा-पाठ के मौके पर रंगोली सजावट का अहम हिस्सा होती है। खासतौर पर आंगन या दरवाजे पर रंगोली बनाने से न केवल घर की खूबसूरती बढ़ती है, बल्कि सकारात्मक ऊर्जा भी आती है। अगर आप इस वसंत पंचमी पर अपने घर को खास बनाना चाहते हैं, तो यहां हम कुछ लेटेस्ट रंगोली डिजाइन शेयर कर रहे हैं, जिन्हें आप कहीं भी आसानी से बना सकते हैं।

पहली डिजाइन

इस दिन देवी सरस्वती की पूजा होती है, तो आप उनके चित्र से प्रेरित रंगोली बना सकते हैं।

ये रंगोली पूजा स्थल या घर के दरवाजे पर सजाने के लिए उत्तम है।

इस डिजाइन का चयन तभी करें, जब आपको रंगोली खूब अच्छे से बनानी आती हो, वरना तस्वीर अजीब दिखेगी।

दूसरी डिजाइन

अगर ऊपर दी गई रंगोली नहीं बना सकते तो ऐसी कलश वाली डिजाइन का चयन करें।

पूजा का कलश मां सरस्वती की पूजा में बेहद खास माना जाता है।

इस कलश को बनाने के लिए आप रंगों के साथ फूलों का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

हरे रंग की जगह पत्तियों से कलश को सजाएं।

तीसरी डिजाइन

मां सरस्वती कमल के फूल पर विराजमान रहती हैं, इसलिए ये रंगोली भी बेहद खूबसूरत लगेगी।

ऐसी रंगोली को बनाते समय गुलाबी कमल बनाएं और बेस को पीले रंग से रंगे।

मंडाला आर्ट वाली मेहंदी के अलावा इस आर्ट की रंगोली भी खूबसूरत लगती है।

इसे बनाते समय रंगों का चयन सोच-समझ के करें, वरना इसका लुक बिगड़ जाएगा।

पांचवीं डिजाइन

अगर रंगों वाली रंगोली बनाना नहीं आता तो फूल और पत्तियों का चयन करें।

इस तरह से हरे रंग की पत्तियों और फूलों के साथ भी रंगोली कमाल की बनती है।

इससे फूल दूर से ही हाइलाइट होगा।

चौथी डिजाइन

अगर आपको मंडाला आर्ट आती है तो इस तरह की डिजाइन का चयन करें।

हल्की सी चोट या लापरवाही हमेशा के लिए छीन सकती है आंखों की रोशनी, डॉक्टर ने बताए बड़े काम के 6 टिप्स

जरा सी लापरवाही से आंखों में चोट लगने की आशंका रहती है। डॉक्टरों के मुताबिक, आंखों की चोट से कॉर्निया डैमेज, रेटिना इंजरी और यहां तक कि अंधेपन का भी खतरा हो सकता है। आंखें ईश्वर का अनमोल वरदान हैं, जिनकी मदद से हम दुनिया के खूबसूरत नजारों का आनंद ले पाते हैं। हालांकि गड़बड़ जीवनशैली, आहार में पोषक तत्वों की कमी, बढ़ते स्क्रीन टाइम, प्रदूषण और सुरक्षा के प्रति लापरवाही ने इस अंग को गंभीर नुकसान पहुंचाया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनियाभर में करोड़ों लोग किसी न किसी तरह की दृष्टि संबंधित समस्या से जूझ रहे हैं, जिनमें बड़ी संख्या कम उम्र के लोगों की भी है। मोबाइल, लैपटॉप और टीवी का लंबे समय तक इस्तेमाल आंखों पर अतिरिक्त दबाव डालता है, जिससे ड्राई आईज, आंखों में जलन, धुंधला दिखने जैसी

समस्याएं बढ़ रही हैं। इसके अलावा खेल, कामकाज या सड़क दुर्घटनाओं के दौरान आंखों पर लगने वाली चोट गंभीर नुकसान पहुंचा सकती हैं, जिससे हमेशा के लिए रोशनी जाने का खतरा हो सकता है। डॉक्टर कहते हैं, सभी लोगों को अपनी आंखों की देखभाल को लेकर अलर्ट रहना चाहिए। आंखों को पर्याप्त पोषण देने के साथ-साथ इन्हें बाहरी चोट से बचाना भी बहुत आवश्यक है।

चिप्स का पैकेट फटने से चली गई रोशनी

आंखों की चोट से संबंधित एक मामला इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल है। ओडिशा के बलांगीर जिले में 8 साल के एक बच्चे की चिप्स के पैकेट में हुए धमाके के बाद एक आंख की रोशनी चली गई। बच्चे ने दुकान से चिप्स का पैकेट खरीदा था। शाम को उसकी मां किचन में गैस चूल्हे पर खाना बना रही थी, थोड़ी देर के लिए वो पानी लाने बाहर चली गईं। उसी दौरान बच्चा गैस चूल्हे के पास चला गया और अचानक पैकेट उसके हाथ से फिसलकर आग के संपर्क में आ गया। इससे जोरदार धमाके के साथ चिप्स का पैकेट फट गया जिससे आंख में गंभीर चोट आई। धमाके से उसकी एक आंख की पुतली बाहर आ गई थी। डॉक्टर की रिपोर्ट के आधार पर बताया है कि अब वह कभी देख नहीं पाएगा।

आइए आंखों की सुरक्षा के लिए 6 जरूरी टिप्स जान लेते हैं।

1. खेल के दौरान,फैक्ट्री में काम करते समय या दुर्घटना के दौरान आंखों में चोट लगने का खतरा ज्यादा होता है। नेशनल आई इंस्टीट्यूट के अनुसार 90% आंखों की चोटें सही सावधानी से रोकी जा सकती हैं। सेफ्टी गॉगल्स पहनना और बच्चों को निगरानी में रखना आंखों की रोशनी बचाने में अहम भूमिका निभाता है।

2. वायु प्रदूषण में मौजूद धूल, धुआं और रसायनों के कण आंखों की बाहरी सतह कॉर्निया को नुकसान पहुंचाते हैं। प्रदूषित हवा से आंखों में जलन, ड्राई आईज और एलर्जी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। बाहर निकलते समय सनग्लास पहनें। इससे आंखों की सुरक्षा होती है।

3. लगातार मोबाइल, लैपटॉप और टीवी देखने से आंखों पर दबाव बढ़ता है। स्क्रीन टाइम बढ़ने से डिजिटल आई स्ट्रेन, सूखापन और धुंधली दृष्टि की समस्या होती है। 20-20-20 नियम यानी हर 20 मिनट में 20 सेकंड के लिए 20 फीट दूर देखना आंखों को आराम देता है। यह नियम आंखों की मांसपेशियों को रिलैक्स करता है और थकान कम करता है।

4. गंदे हाथों से आंखें छूने पर बैक्टीरिया और वायरस आसानी से संक्रमण फैला सकते हैं। कंजक्टिवाइटिस जैसे संक्रमण ज्यादातर हाथों के जरिए फैलते हैं।

फिजिकल रिलेशन की लत बन सकती है बीमारी, जानें कितनी अजीब है ये डिजीज

हर इंसान की शारीरिक संबंध (फिजिकल रिलेशन) बनाने की इच्छा अलग-अलग होती है। किसी की इच्छा ज्यादा होती है, तो किसी की कम। लेकिन अगर किसी व्यक्ति में यह इच्छा इतनी ज्यादा बढ़ जाए कि वह खुद पर कंट्रोल ही न कर पाए, तो इसे एक मानसिक समस्या माना जाता है। इस स्थिति को निम्फोमेनिया कहा जाता है।

क्या है निम्फोमेनिया?

निम्फोमेनिया कोई सामान्य यौन इच्छा नहीं है। यह एक मानसिक स्थिति है, जिसमें व्यक्ति को बार-बार और बहुत ज्यादा शारीरिक संबंध बनाने की इच्छा होती है। यह इच्छा इतनी तेज होती है कि व्यक्ति का दैनिक

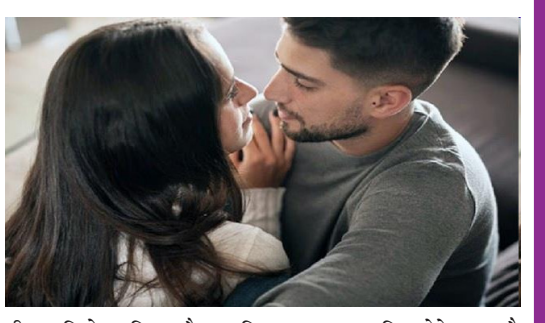

जीवन, रिश्ते, करियर और मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित होने लगता है। कुछ मामलों में व्यक्ति को एक ही दिन में 10 से 12 बार शारीरिक संबंध बनाने की इच्छा हो सकती है। यह सिर्फ इच्छा नहीं रहती, बल्कि एक बाध्यकारी आदत बन जाती है, जिसे रोकना व्यक्ति के लिए बहुत मुश्किल हो जाता है।

इंटरकोर्स के बाद महिला का यूरिन पास करना क्यों जरूरी?

निम्फोमेनिया के प्रमुख लक्षण

इच्छा पर नियंत्रण न रहनाः व्यक्ति चाहकर भी अपनी यौन इच्छाओं को रोक नहीं पाता। यह स्थिति रोजमर्रा के कामों में बाधा डालने लगती है।

लगातार यौन विचारः दिनभर दिमाग में शारीरिक संबंध से जुड़ी कल्पनाएं और विचार चलते रहते हैं, जिससे काम, पढ़ाई या अन्य जिम्मेदारियों पर ध्यान नहीं लग पाता।

रिश्तों और काम पर बुरा असरः अधिक यौन गतिविधियों के कारण रिश्तों में तनाव, झगड़े, सामाजिक समस्याएं और यहां तक कि नौकरी या करियर में भी नुकसान हो सकता है।

जोखिम भरा व्यवहारः ऐसे व्यक्ति कई पार्टनर्स के साथ असुरक्षित शारीरिक संबंध बना सकते हैं और इसके गंभीर परिणामों की परवाह नहीं करते।

निम्फोमेनिया क्यों होता है?

यह समस्या अचानक नहीं होती। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं दिमाग के हार्मोन और न्यूरोट्रांसमीटर का असंतुलन लंबे समय तक तनाव या डिप्रेशन बचपन या जीवन में हुआ यौन शोषण या मानसिक आघात अत्यधिक चिंता या भावनात्मक परेशानी लगातार तनाव में रहने से दिमाग का संतुलन बिगड़ जाता है, जिससे यह समस्या पैदा हो सकती है।

पुरुष और महिलाओं में फर्क

महिलाओं में इस स्थिति को निम्फोमेनिया कहा जाता है। पुरुषों में इसी तरह की समस्या को सैटेराइसिस कहा जाता है। हालांकि नाम अलग हैं, लेकिन दोनों में लक्षण और प्रभाव लगभग एक जैसे होते हैंकृयौन इच्छा पर नियंत्रण खो देना। क्या निम्फोमेनिया का इलाज संभव है? दुनिया भर में निम्फोमेनिया को अलग से बीमारी के रूप में पूरी तरह मान्यता नहीं मिली है, लेकिन इसे आमतौर पर

हाइपरसेक्सुअलिटी डिसऑर्डर

सेक्सुअल एडिक्शन

के रूप में देखा जाता है।

इलाज के तरीके

साइकोथेरपी, खासकर सीबीटी काफी मददगार मानी जाती है। डॉक्टर जरूरत पड़ने पर ऐसी दवाएं दे सकते हैं, जो यौन इच्छा और बाध्यकारी व्यवहार को कंट्रोल करें। सपोर्ट ग्रुप्स भी होते हैं, जहां लोग अपने अनुभव साझा करके मानसिक राहत पा सकते हैं। अगर किसी व्यक्ति में इस तरह के लक्षण दिखाई दें, तो इसे नजरअंदाज न करें। सही समय पर मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सलाह लेना बहुत जरूरी है।

नसों से चिपके गंदे कोलेस्ट्रॉल को कम करेगा ये एक फूल, जानें इस्तेमाल करने का सही तरीका

सर्दियों में अपनी सेहत का ध्यान रखना बहुत ही जरूरी लेकिन कभी-कभी मुश्किल हो जाता है। खासकर अपने खान-पान पर नजर रखना बेहद जरूरी है, क्योंकि ठंड में शरीर को गर्म रखने के लिए हम अक्सर ऐसे खाद्य पदार्थ खा जाते हैं जो हमारी सेहत के लिए हानिकारक हो सकते हैं। गलत खान-पान की वजह से कई बार कोलेस्ट्रॉल बढ़ जाता है, जिससे दिल की बीमारियों, हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी गंभीर समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में गर्माहट देने वाली हर्बल चाय, जैसे फुलों की चाय, शरीर को ठंड से बचाने और सेहत बनाए रखने में मददगार साबित हो सकती है।

कोलेस्ट्रॉल क्या है?

कोलेस्ट्रॉल खून में पाया जाने वाला मोमी जैसा पदार्थ है। शरीर के लिए यह जरूरी है, लेकिन जब यह अत्यधिक बढ़ जाता है, तो यह धमनियों की दीवारों से चिपक जाता है और रक्त प्रवाह को रोकता है। इससे हृदय संबंधी गंभीर खतरे बढ़ जाते हैं।

कोलेस्ट्रॉल कम करने के तरीके

संतुलित आहारः जिन चीजों से कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है, उनसे बचें।

नियमित व्यायामः रोजाना हल्की-फुल्की एक्सरसाइज करें।

घरेलू उपायः कुछ जड़ी-बूटियाँ और प्राकृतिक उपाय भी मददगार हो सकते हैं।

गुड़हल का फूल (कोलेस्ट्रॉल कम करने में मददगार)

गुड़हल लाल, गुलाबी, सफेद और नारंगी रंग में मिलता है। यह केवल सुंदर नहीं बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है।

कैसे काम करता है?

अध्ययनों के अनुसार, गुड़हल के फूल में फ्लेवोनोइड्स, पॉलीफेनोल्स और एंथोसायनिन जैसे एंटीऑक्सिडेंट होते हैं। ये खराब कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) को कम करने में मदद कर सकते हैं। चूहों पर किए गए शोध में भी यह पाया गया कि गुड़हल का रस लेने से उनका कोलेस्ट्रॉल स्तर कम हुआ। गुड़हल के पोषक तत्व गुड़हल के फूल में शरीर के लिए कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं।

एएनएम भर्ती परीक्षा को लेकर अभ्यर्थियों का गुस्सा फूटा

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) की एएनएम (5272 पद) भर्ती परीक्षा को लेकर लखनऊ में अभ्यर्थियों का गुस्सा फूट पड़ा। परीक्षा में घोषित सिलेबस से बाहर के प्रश्न पूछे जाने का आरोप लगाते हुए 2 हजार से ज्यादा अभ्यर्थियों ने पिकअप भवन के बाहर प्रदर्शन किया। अफसरों को सीएम योगी के लिए ज्ञापन सौंपा। कुछ अभ्यर्थी सीएम आवास के पास पहुंच गए। गौतमपल्ली पुलिस ने उन्हें समझाकर शांत कराया। अभ्यर्थियों का कहना है कि एएनएम भर्ती परीक्षा 11 जनवरी को हुई थी। इसमें सामान्य ज्ञान (जीके) और कंप्यूटर सब्जेक्ट से 35 से 40 प्रश्न आए थे, जबकि इन विषयों का सिलेबस में जिक्र ही नहीं था। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों ने कहा कि हमने आयोग की तरफ से तय पाठ्यक्रम के हिसाब से ही कई महीनों तक कठिन परिश्रम कर तैयारी की थी। परीक्षा में आउट ऑफ सिलेबस प्रश्न आने से न सिर्फ उनकी मेहनत बेकार चली गई, बल्कि पूरी भर्ती प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। अभ्यर्थियों ने मांग की कि यूपीएसएसएससी एएनएम (5272) भर्ती परीक्षा में सिलेबस से बाहर पूछे गए जीके और कंप्यूटर के प्रश्नों की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए।

क्या गेंदबाजी संयोजन पर फिर विचार करेगा भारतीय टीम प्रबंधन इंदौर में कैसा है भारत का रिकॉर्ड

इंदौर। भारतीय गेंदबाजों का प्रदर्शन दूसरे वनडे में अच्छा नहीं रहा था और कुलदीप यादव काफी महंगे रहे थे। अब दोनों टीमें इंदौर में आखिरी मुकाबले में आमने-सामने होंगी और यह देखना होगा कि टीम प्रबंधन निर्णायक मुकाबले के लिए गेंदबाजी आक्रमण में कोई बदलाव करता है या नहीं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच रविवार को इंदौर में तीन मैचों की वनडे सीरीज का तीसरा और निर्णायक मुकाबला खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच सीरीज 1-1 की बराबरी पर चल रही है। राजकोट में खेले गए दूसरे वनडे में भारतीय गेंदबाजी आक्रमण असफल रहा था और टीम का बचाव नहीं कर सकी थी। इस दौरान मध्य ओवरों में भारतीय गेंदबाों की कमजोरियां भी उजागर हुईं। दूसरे वनडे में महंगे साबित हुए थे कुलदीप दूसरे वनडे में भारत के लिए सबसे महंगे कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव साबित हुए थे।

न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों के सामने कुलदीप ना तो नियंत्रण बना सके और ना ही विकेट लेने का खतरा पैदा कर सके। इस मैच में शतक लगाने वाले डेरिल मिचेल ने उनकी गेंदों पर आसानी से रन बटोरे। कुलदीप की लेंथ और लाइन दोनों पर हमला किया गया, जिसमें विशेष रूप से मिचेल ने अपने पैरों का अच्छा इस्तेमाल करते हुए गेंद के टर्न को बेअसर किया और बीच के ओवरों में भारतीय रणनीति को नाकाम कर दिया। कीवी बल्लेबाजों ने कुलदीप की गेंदों को बहुत प्रभावी ढंग से स्वीप किया। यह रणनीति उनके लिए टेस्ट मैचों में भी कारगर साबित हुई थी। भारत के स्पिनर बल्लेबाजों पर लगातार दबाव नहीं बना पाए। इसके विपरीत न्यूजीलैंड के स्पिनरों ने भारतीय बल्लेबाजों को खुलकर नहीं खेलने दिया। कैसी है इंदौर की पिच? इंदौर का मैदान अपनी छोटी बाउंड्री और बल्लेबाजी के अनुकूल पिचों के लिए जाना जाता है। इसलिए यहां विविधता के बजाय अनुशासित गेंदबाजी करना अधिक महत्व रखता है। भारत के गेंदबाजों विशेषकर कुलदीप को गेंद को अधिक सपाट रखना होगा, स्टंप्स पर आक्रमण करना होगा और मैदान के बड़े हिस्सों का पूरी चतुराई के साथ इस्तेमाल करना होगा। ऐसी पिच पर जहां गलत शॉट भी अक्सर छक्के में तब्दील हो जाते हैं, वहां लेंथ को नियंत्रित करना और चौके लगाने के विकल्पों को कम करना महत्वपूर्ण होगा। होलकर स्टेडियम में उसने अपने पिछले सभी पांच मैच जीते हैं। भारत ने यहां इंग्लैंड (2006, 2008), वेस्टइंडीज (2011), दक्षिण अफ्रीका (2015) और ऑस्ट्रेलिया (2017) को हराया है। नीतीश को दोबारा मिलेगा मौका? राजकोट में चोटिल वाशिंगटन सुंदर की अनुपस्थिति निस्संदेह महसूस की गई, जबकि उनके स्थान पर प्लेइंग-11 में शामिल किए गए नीतीश कुमार रेड्डी ने केवल दो ओवर ही गेंदबाजी की। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए ऑफ स्पिन गेंदबाजी करने वाले आयुष बदोनी शायद नीतीश की तुलना में बेहतर विकल्प साबित हो सकते हैं। टीम प्रबंधन स्पिन गेंदबाजी से जुड़े जोखिमों को कम करने के लिए तेज गेंदबाजी आक्रमण को मजबूत करने पर भी विचार कर सकता है। यह देखना दिलचस्प होगा कि बाएं हाथ के गेंदबाज अर्शदीप सिंह को मौका दिया जाता है या नहीं। अगर अर्शदीप सिंह को टीम में दिया जाता है तो प्रसिद्ध कृष्णा को बाहर होना पड़ेगा। मोहम्मद सिराज निश्चित रूप से गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करेंगे, जबकि अंतिम संयोजन इस पर निर्भर कर सकता है कि क्या भारत एकमात्र स्पिन ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा मौजूदगी में एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज का विकल्प चुनता है या नहीं। बल्लेबाजी में बदलाव की संभावना कम जहां तक बल्लेबाजी का सवाल है तो भारत के मुख्य बल्लेबाजों में किसी तरह के बदलाव की संभावना नहीं है। कप्तान शुभमन गिल, रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल और श्रेयस अय्यर भारतीय टीम की रणनीति के केंद्र में बने हुए हैं। भारतीय टीम ने शुक्रवार को अभ्यास नहीं किया, जबकि न्यूजीलैंड की टीम ने वैकल्पिक सत्र होने के बावजूद जमकर पसीना बहाया।

डेल स्टेन की कौन सी कला हेनिल पटेल को है पसंद भारतीय अंडर-19 टीम के स्टार ने किया खुलासा

बुलावायो। भारतीय अंडर-19 टीम के तेज गेंदबाज हेनिल पटेल ने खुलासा करते हुए बताया कि उन्हें डेल स्टेन की आक्रामकता काफी पसंद है। हेनिल ने अंडर-19 विश्व कप के पहले मैच में शानदार प्रदर्शन किया था। भारतीय अंडर-19 टीम के गेंदबाज हेनिल पटेल ने बताया है कि वह दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन से काफी प्रभावित हैं। हेनिल ने विश्व कप के पहले मैच में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अमेरिका के खिलाफ

पांच विकेट झटके और भारत को छह विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। हेनिल ने बताया कि उन्हें स्टेन की आक्रामकता से प्रेरणा मिली है। हेनिल ने अमेरिका के खिलाफ लिए थे पांच विकेट हेनिल ने अमेरिका के खिलाफ 16 रन देकर पांच विकेट लिए जिससे पांच बार के चैंपियन भारत ने अपने अभियान की शानदार शुरूआत की। यह पुरुषों के अंडर-19 विश्व कप में किसी भारतीय गेंदबाज का तीसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे बेहतर प्रदर्शन केवल कमल पासी (2012 में जिम्बाब्वे के खिलाफ 23 रन देकर छह विकेट) और अनुकूल रॉय (2018 में पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ 14 रन देकर पांच विकेट) ने किया है। हेनिल ने कहा, मुझे डेल स्टेन की आक्रामकता बहुत पसंद है। उनकी गेंदबाजी इतनी अच्छी थी कि कोई भी बल्लेबाज उनके सामने खुलकर नहीं खेल पाता था। उनका सामना करना बहुत मुश्किल था। मैं हमेशा बल्लेबाज को तीन से चार गेंदों के भीतर आउट करने के बारे में सोचता हूं। मेरा मकसद जल्दी विकेट लेना है। मैं इसी मानसिकता के साथ खेलता हूं और शांति से अपने काम को अंजाम देता हूं। मैं सकारात्मक मानसिकता के साथ अभ्यास करता हूं और मैच में भी यही प्रक्रिया अपनाता हूं। म्हात्रे बोले- जल्द समाप्त करना चाहिए था मैच इस बीच भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे ने स्वीकार किया कि उनकी टीम को अमेरिका के खिलाफ मैच में कम विकेट खोकर जीत हासिल करनी चाहिए थी। म्हात्रे ने कहा, हमने अपनी पारी को बहुत लंबा खींच दिया और चार विकेट गंवा दिए। हम बिना विकेट खोए या एक विकेट गंवाकर यह लक्ष्य हासिल कर सकते थे।

भारत-बांग्लादेश विवाद पर आखिरी दांव जानें क्या कदम उठाने जा रहा आईसीसी

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप शुरू होने में अब एक महीने का समय भी शेष नहीं रह गया है। अभी तक बांग्लादेश के इस टूनार्मेंट में हिस्सा लेने को लेकर चल रहा संशय खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। अब आईसीसी ने मामले पर अंतिम समाधान निकालने की ओर बढ़ गया है। भारत और बांग्लादेश के बीच चल रहे विवाद पर आईसीसी अब आखिरी दांव चलने जा रहा है। न्यूज एजेंसी एएनआई के अनुसार, आईसीसी के अधिकारी अगले कुछ दिनों में बांग्लादेश जाएंगे और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के साथ आमने-

सामने बैठकर बातचीत करेंगे। इस बैठक के बाद ही इस विवाद का हल निकलने की उम्मीद है। ये भी उम्मीद की जा रही है कि इसके बाद बांग्लादेश के टी20 विश्व कप में खेलने पर स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। आईसीसी ने मांग पर फिर से विचार करने कहा था बीसीबी ने टी20 विश्व कप में अपने मुकाबले भारत में खेलने से इनकार कर दिया था जिसके बाद से ही टी20 विश्व कप में उनके खेलने पर संशय चल रहा है। आईसीसी ने बीसीबी से भारत में विश्व कप मुकाबले नहीं खेलने की मांग पर फिर से विचार करने का अनुरोध किया था, लेकिन बांग्लादेश ने पीछे हटने से इनकार कर दिया और अपनी सुरक्षा चिंताओं को दोबारा दोहराया था। आईसीसी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस में बीसीबी की तरफ से उसके अध्यक्ष अमिनुल इस्लाम और सीईओ निजाम उद्दीन चौधरी के साथ-साथ दूसरे सीनियर अधिकारी भी शामिल हुए थे। बांग्लादेश को भारत में खेलने हैं चार मुकाबले यह 20 टीमों का टी20 वर्ल्ड कप भारत और श्रीलंका में सात फरवरी से आठ मार्च तक खेला जाना है। बांग्लादेश ग्रुप सी में है और उसके पहले तीन मुकाबले कोलकाता में तय हैं। सात फरवरी को वेस्टइंडीज, नौ फरवरी को इटली और 14 फरवरी को इंग्लैंड के खिलाफ। ग्रुप स्टेज का आखिरी मैच 17 फरवरी को मुंबई में नेपाल के खिलाफ खेला जाना है। क्यों हुआ है विवाद? बीसीबी के आईसीसी को पत्र लिखने की असली वजह आईपीएल से जुड़ा एक फैसला माना जा रहा है। बीसीसीआई ने कोलकाता नाइट राइडर्स को निर्देश दिया था कि वह बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज करे, जिन्हें दिसंबर 2025 की नीलामी में 9.2 करोड़ रुपये में खरीदा गया था। इस फैसले की जानकारी बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने मीडिया को दी थी, लेकिन इसके पीछे का ठोस कारण नहीं बताया। इसके बाद से ही बीसीबी इतना बौखला गया कि उसने टी20 विश्व कप के लिए भारत की यात्रा करने से इनकार कर दिया। बीसीबी ने कड़ा रवैया अपनाते हुए भारत में होने वाले अपने टी20 विश्व कप के मैचों को श्रीलंका में स्थानांतरित करने की मांग की थी।

विराट कोहली और अनुष्का शर्मा को लुभाया अलीबाग फिर खरीदी जमीन

नई दिल्ली। विराट कोहली और अनुष्का शर्मा ने मुंबई के पास अलीबाग में एक जमीन खरीदी है। इसकी कीमत लगभग 38 करोड़ रुपये बताई जा रही है। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली और उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा ने मुंबई के पास अलीबाग में बड़ी रियल एस्टेट डील की है। रियल एस्टेट डेटा एनालिटिक्स फर्म के अनुसार, इस स्टार कपल ने अलीबाग के रायगढ़ जिले में कुल 21,010 वर्ग मीटर (करीब 1.36 हेक्टेयर) जमीन खरीदी है। द्वारा प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन दस्तावेजों की समीक्षा में सामने आया है कि यह रजिस्ट्रेशन 13 जनवरी 2026 को किया गया। खरीदी गई जमीन दो अलग-अलग प्लॉट्स में है। पहले प्लॉट का आकार 14,740 वर्ग मीटर, जबकि दूसरे प्लॉट का आकार 6,270 वर्ग मीटर है। इस पूरी डील की कुल कीमत 37.86 करोड़ रुपये बताई जा रही है। वहीं, इस सौदे पर करीब 2.27 करोड़ रुपये स्टांप ड्यूटी के रूप में चुकाए गए हैं। दस्तावेजों के अनुसार, इस जमीन की विक्रेता सोनाली अमित राजपूत हैं, जबकि समायरा लैंड एसेट्स इस सौदे में कन्फर्मिंग पार्टी के तौर पर शामिल है। कि कोविड-19 महामारी के बाद से मुंबई महानगर क्षेत्र (टटफ) में फिल्मी सितारों, क्रिकेटरों, बड़े कॉरपोरेट्स और अल्ट्रा हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल्स (व'३१ लठकर) द्वारा रियल एस्टेट में निवेश तेजी से बढ़ा है। अलीबाग इस समय हाई-प्रोफाइल निवेशकों के लिए एक पसंदीदा डेस्टिनेशन बनता जा रहा है।

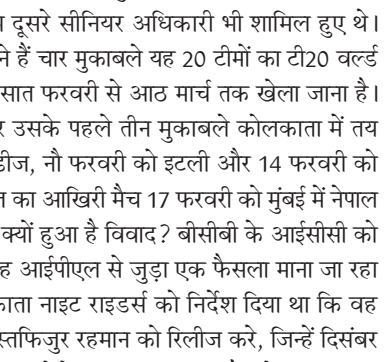

क्या आसान प्रारूप होने की वजह से वनडे खेलते हैं कोहली हरभजन ने मांजरेकर के दावे की खोली पोल

मुंबई। मांजरेकर के इस बयान पर सोशल मीडिया दो हिस्सों में बंट गया था। जहां कुछ लोगों ने उनके बयान का समर्थन किया था, वहीं कई पूर्व क्रिकेटर समेत फैंस ने मामले में हरभजन सिंह भी कूद पड़े हैं और उन्होंने विराट कोहली का समर्थन किया है। संजय मांजरेकर ने कोहली को लेकर छेड़ी बहस हाल ही में संजय मांजरेकर ने एक बहस

मांजरेकर की जमकर आलोचना की थी। भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने संजय मांजरेकर पर निशाना साधा है। उन्होंने मांजरेकर के उन दावों पर बात की है जिसमें उन्होंने कहा था कि विराट कोहली सिर्फ वनडे में इसलिए खेल रहे हैं क्योंकि यह टेस्ट की तुलना में आसान प्रारूप है, जबकि उनके समकक्ष (जो रूट, केन विलियम्सन और स्टीव स्मिथ) टेस्ट में अपनी धाक जमाने में लगे हैं। मांजरेकर के इस बयान पर सोशल मीडिया दो हिस्सों में बंट गया था। जहां कुछ लोगों ने उनके बयान का समर्थन किया था, वहीं कई पूर्व क्रिकेटर समेत फैंस ने मांजरेकर की जमकर आलोचना की थी। अब इस छेड़ दी, जब उन्होंने कहा कि विराट कोहली ने टॉप-ऑर्डर बल्लेबाज के लिए सबसे आसान फॉर्मेट चुना। अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में मांजरेकर ने कहा, 'अगर विराट कोहली क्रिकेट से ही संन्यास ले लेते, सभी फॉर्मेट से, तो ठीक था, लेकिन उन्होंने वनडे क्रिकेट खेलना चुना, इस बात ने मुझे और ज्यादा निराश किया, क्योंकि यह फॉर्मेट टॉप-ऑर्डर बैटर के लिए सबसे आसान है। असली परीक्षा टेस्ट क्रिकेट में होती है और टी20 क्रिकेट में अलग तरह की चुनौतियां हैं।' हरभजन सिंह ने मांजरेकर के तर्क को खारिज किया हालांकि हरभजन सिंह ने इस तर्क को पूरी तरह रिपोर्ट किया, पूर्व ऑफ-स्पिनर ने कहा कि ध्यान प्रदर्शन और प्रभाव पर होना चाहिए, न कि फॉर्मेट पर। हरभजन ने कहा, 'अगर किसी भी फॉर्मेट में रन बनाना इतना आसान होता, तो हर कोई बना लेता। हमें बस इस बात का आनंद लेना चाहिए कि खिलाड़ी क्या कर रहे हैं। वे अच्छा खेल रहे हैं, मैच जिता रहे हैं, रन बना रहे हैं, विकेट ले रहे हैं, बस वही मायने रखता है। यह कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन सा खिलाड़ी कौन सा फॉर्मेट खेलता है। विराट एक फॉर्मेट खेले या सभी खेलें, वे भारत के लिए बड़े मैच विनर रहे हैं।' 'कोहली आंकड़ों से आगे जाकर प्रेरित करते हैं' हरभजन सिंह ने यह भी कहा कि कोहली का प्रभाव सिर्फ आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि वे भारतीय क्रिकेट की नई पीढ़ी को प्रेरित करते हैं। उन्होंने आगे कहा, 'ये खिलाड़ी अगली पीढ़ी को प्रेरित करते हैं। मांजरेकर की अपनी सोच है। मेरे नजरिए से विराट और ऐसे खिलाड़ी इस खेल को आगे ले जाने में बड़ी भूमिका निभा चुके हैं।' कोहली का टेस्ट संन्यास और वर्तमान फॉर्म विराट कोहली पिछले साल टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। उन्होंने टेस्ट में शानदार करियर के साथ 29 शतक जमाए और विदेशों में कई अहम जीत दिलाईं। टेस्ट के बाद भी वे वनडे में बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं और 2027 वनडे वर्ल्ड कप तक भारत के लिए खेलने की इच्छा व्यक्त कर चुके हैं। हरभजन ने कहा कि कोहली का टेस्ट का दर्जा आज भी जस का तस है। उन्होंने कहा, 'विराट एक अविश्वसनीय खिलाड़ी हैं। आज भी अगर वे टेस्ट क्रिकेट खेलें, तो हमारे लिए वही मुख्य खिलाड़ी होंगे।' कोहली का ताजा प्रदर्शन कोहली का हालिया फॉर्म भी यह साबित करता है। उन्होंने रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में 93 रन बनाए। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने 135, 102 और नाबाद 65 रन बनाए थे।फॉर्मेट और लंबी पारी खेलने को लेकर बहस जारी है, लेकिन हरभजन सिंह का रुख यह बताता है कि महानता फॉर्मेट से नहीं, प्रभाव से मापी जाती है।

तीन दिन में दूसरी बार आमने-सामने होंगी यूपी और मुंबई पिछली हार का बदला ले पाएगी इंडियंस

नवी। यूपी वॉरियर्स ने सत्र की पहली जीत दर्ज कर आत्मविश्वास हासिल किया है और अब वह महिला प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस के खिलाफ लगातार दूसरी जीत के इरादे से उतरेगी। हरलीन देओल की शानदार फॉर्म और मजबूत ऑलराउंड खिलाड़ियों के दम पर वॉरियर्स, जबकि पिछली हार का बदला लेने को उतावली मुंबई इंडियंस मुकाबले को रोमांचक बनाएंगी। सत्र की अपनी पहली जीत हासिल करके उत्साह से ओतप्रोत यूपी वॉरियर्स की टीम शनिवार को यहां मुंबई इंडियंस के खिलाफ महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) मैच में अपना विजय अभियान जारी रखने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगी।

पहले तीन मुकाबलों में जीत हासिल नहीं कर पाने वाली वॉरियर्स ने गुरुवार को मौजूदा चैंपियन मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हराकर अपना खाता खोला। यह दोनों टीम तीन दिनों में दूसरी बार एक-दूसरे का सामना करने के लिए तैयार हैं। किरण नवगिरे पर रहेंगी नजरें वॉरियर्स को हालांकि अभी भी अपने बल्लेबाजी क्रम को लेकर समस्या का समाधान ढूंढना होगा, क्योंकि सलामी बल्लेबाज किरण नवगिरे लगातार चौथे मैच में नहीं चल पाई। मुख्य कोच अभिषेक नायर और कप्तान मेग लैनिंग अब फीबी लिचफील्ड से पारी की शुरूआत कराने या श्वेता सहरावत जैसी किसी खिलाड़ी को शीर्ष क्रम में आजमाने के विकल्प पर विचार कर सकते हैं। ऐसे में नवगिरे को मध्यक्रम में या फिनिशर के रूप में खेलने के लिए कहा जा सकता है।हरलीन देओल ने 39 गेंदों में 64 रन की शानदार पारी खेली और वह अपनी इस लय को जारी रखने की कोशिश करेगी। नायर ने कहा, 'हरलीन एक ऐसी खिलाड़ी है जो टीम के हित को प्राथमिकता देती है। इस टीम में खिलाड़ियों की सोच इसी तरह की है। वह अब हरमनप्रीत कौर के बाद इस सत्र में अर्धशतक बनाने वाली दूसरी भारतीय बल्लेबाज हैं और हम यही चाहते थे।' हरलीन और क्लो ट्रायोन की शानदार पारियों से वॉरियर्स ने जीत का स्वाद चखा। दीप्ति शर्मा, सोफी एक्लेस्टोन, हरलीन और लिचफील्ड जैसी विश्व स्तरीय खिलाड़ियों की मौजूदगी में वॉरियर्स की टीम काफी मजबूत नजर आ रही है।वॉरियर्स से हार के कारण मुंबई इंडियंस का दो मैच से चला आ रहा जीत का सिलसिला रुक गया। हरमनप्रीत की अगुवाई वाली टीम अब बदला लेने के लिए बेताब होगी। हरलीन ने दिलाई यूपी को पहली जीत मुंबई के गेंदबाजों ने अपने पिछले मैच में खासकर हरलीन के खिलाफ वाइड और शॉर्ट गेंदें फेंकने की गलती की और इसका उन्हें खामियाजा भुगतना पड़ा। बीमारी के कारण एक मैच से बाहर रहने के बाद नेट शीवर ब्रंट ने वॉरियर्स के खिलाफ बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया। निकोला कैरी ने भी अब तक बल्ले और गेंद दोनों से प्रभावित किया है, जबकि हेली मैथ्यूज अपनी जोरदार बल्लेबाजी के लिए जानी जाती हैं। मुंबई के गेंदबाजी आक्रमण में अमेलिया केर और शबनिम इस्माइल जैसी शानदार खिलाड़ी हैं। दोनों टीमें इस प्रकार हैं मुंबई इंडियंसः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), नेट शीवर ब्रंट, हेली मैथ्यूज, अमनजोत कौर, जी कमलिनी, अमेलिया केर, शबनिम इस्माइल, संस्कृति गुप्ता, सजना सजीवन, राहिला फिरदौस, निकोला कैरी, पूनम खेमनार, त्रिवेणी वशिष्ठ, नल्ला रेड्डी, साइका इशाक, मिली इलिंगवर्थ।

क्या टी20 वर्ल्ड कप से हटेगा बांग्लादेश चेतावनी पर मेहदी हसन का नजरुल इस्लाम को करारा जवाब

ढाका। बांग्लादेशी ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज ने पूर्व बीसीबी वित्त समिति प्रमुख एम नजरुल इस्लाम के उस बयान का कड़ा विरोध किया, जिसमें कहा गया था कि अगर बांग्लादेश टी20 वर्ल्ड कप का बहिष्कार करता है तो खिलाड़ियों को आर्थिक नुकसान होगा। मिराज ने कहा कि खिलाड़ियों की आय मुख्य रूप से आईसीसी और स्पॉन्सर्स से आती है और ऐसे बयान पूरे क्रिकेट जगत के लिए शर्मनाक हैं। भारत में होने वाले वर्ल्ड कप में बांग्लादेश की भागीदारी सुरक्षा कारणों और अनिश्चित है। भारत में फरवरी विश्व कप में बांग्लादेश की आईपीएल फ्रेंचाइजी केकेआर रिलीज किए जाने और साथ तनाव के चलते बांग्लादेश लेकर असहज है। इसी बीच बीसीबी के पूर्व वित्त समिति दावा किया कि अगर है तो खिलाड़ियों को आर्थिक मेहदी हसन का पलटवार- प्रेस कॉन्फ्रेंस में मिराज ने इस बताया। उन्होंने कहा कि

से ही आती है, सरकार से नहीं। मिराज ने कहा, 'हम जो पैसा कमाते हैं, वो ज्यादातर कट्ठ और स्पॉन्सर्स से आता है। मेरे हिसाब से जिसने भी बांग्लादेश जर्सी पहनकर खेला है, उसने आज बोर्ड के पास जो फंड है, उसमें योगदान दिया है। हर व्यक्ति का इस पर हक है।' उन्होंने आगे जोड़ा, 'अगर मैच नहीं होंगे तो स्पॉन्सर्स नहीं आएंगे और कट्ठ से राजस्व भी नहीं मिलेगा। यह सिर्फ व्यक्तिगत मुद्दा नहीं बल्कि पूरे क्रिकेट जगत के लिए शर्मनाक है। ऐसे बयान देना जिम्मेदार पद से बिल्कुल अनुचित है।' टैक्स को लेकर भी रखी बात मिराज ने खिलाड़ियों की आर्थिक जिम्मेदारियों को सामने रखते हुए कहा, 'हम लोग जो कमाते हैं, उसका लगभग 25-30 प्रतिशत टैक्स देते हैं, यानी हम सरकार को पैसा देते हैं, सरकार हमें नहीं। काफी लोगों को यह गलतफहमी है कि सरकार हमें पैसा देती है।' उन्होंने कहा कि इस गलतफहमी को दूर किया जाना चाहिए क्योंकि इससे खिलाड़ियों की छवि प्रभावित होती है। बांग्लादेश की विश्व कप शेड्यूल बांग्लादेश की टीम सात फरवरी को वेस्टइंडीज के खिलाफ कोलकाता के ईडन गार्डेन्स में अपने अभियान की शुरूआत करेगा। इसके बाद टीम नौ फरवरी को इटली से इसी मैदान पर खेलेगी। 14 फरवरी को बांग्लादेश का सामना इंग्लैंड से ईडन गार्डेन्स में ही होगा। फिर 17 फरवरी को टीम नेपाल से मुंबई के वानखेडे.में भिड़ेगी। हालांकि, भागीदारी के मसले पर बोर्ड अभी भी आधिकारिक निर्णय नहीं ले पाया है। राजनीतिक तनाव के चलते 2026 में होने वाले टी20 भागीदारी पर सवाल उठ गए हैं। द्वारा मुस्तफिजुर रहमान को ही सुरक्षा और राजनीतिक क्रिकेट बोर्ड भारत यात्रा को हाल ही में बर्खास्त किए गए अध्यक्ष एम नजरुल इस्लाम ने बांग्लादेश विश्व कप से हटता नुकसान उठाना पड़ सकता है। शर्मनाक टिप्पणी गुरुवार को बयान को गलत और शर्मनाक खिलाड़ियों की आय क्रिकेट

भ्रष्टाचार की शिकायतों के बाद हटाए गए अयोध्या मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सत्यजीत वर्मा, डीजी हेल्थ यूपी आफिस से अटैच

लखनऊ (संवाददाता)। अयोध्या स्थित राजर्षि दशरथ स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में भ्रष्टाचार एवं प्रशासनिक अनियमितताओं से संबंधित शिकायतों के बाद शासन ने बड़ा निर्णय लिया है। कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य डॉ. सत्यजीत वर्मा को पद से हटाते हुए उन्हें महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण (डीजीएमई), लखनऊ कार्यालय से संबद्ध कर दिया गया है। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा शिक्षा अमित घोष के स्तर से जारी आदेश के अनुसार, डॉ. सत्यजीत वर्मा के विरुद्ध प्राप्त शिकायतों की जांच प्रचलित होने के दृष्टिगत अंतिम निर्णय आने तक उन्हें लखनऊ कार्यालय से संबद्ध किया गया है। इस बावत कॉलेज के छह विभागाध्यक्षों द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर प्राचार्य के विरुद्ध भ्रष्टाचार से जुड़े तथ्यों व साक्ष्यों की जानकारी दी गई थी। आरोपों में खरीद-फरोख्त में अनियमितता, सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग, मशीनों को ठप कर निजी व्यवस्था को बढ़ावा देने तथा एक ही अधिकारी,शिक्षक को अनेक प्रमुख दायित्व सौंपे जाने जैसी बातें शामिल बताई गईं थी। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री के निर्देश पर तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की गई थी।

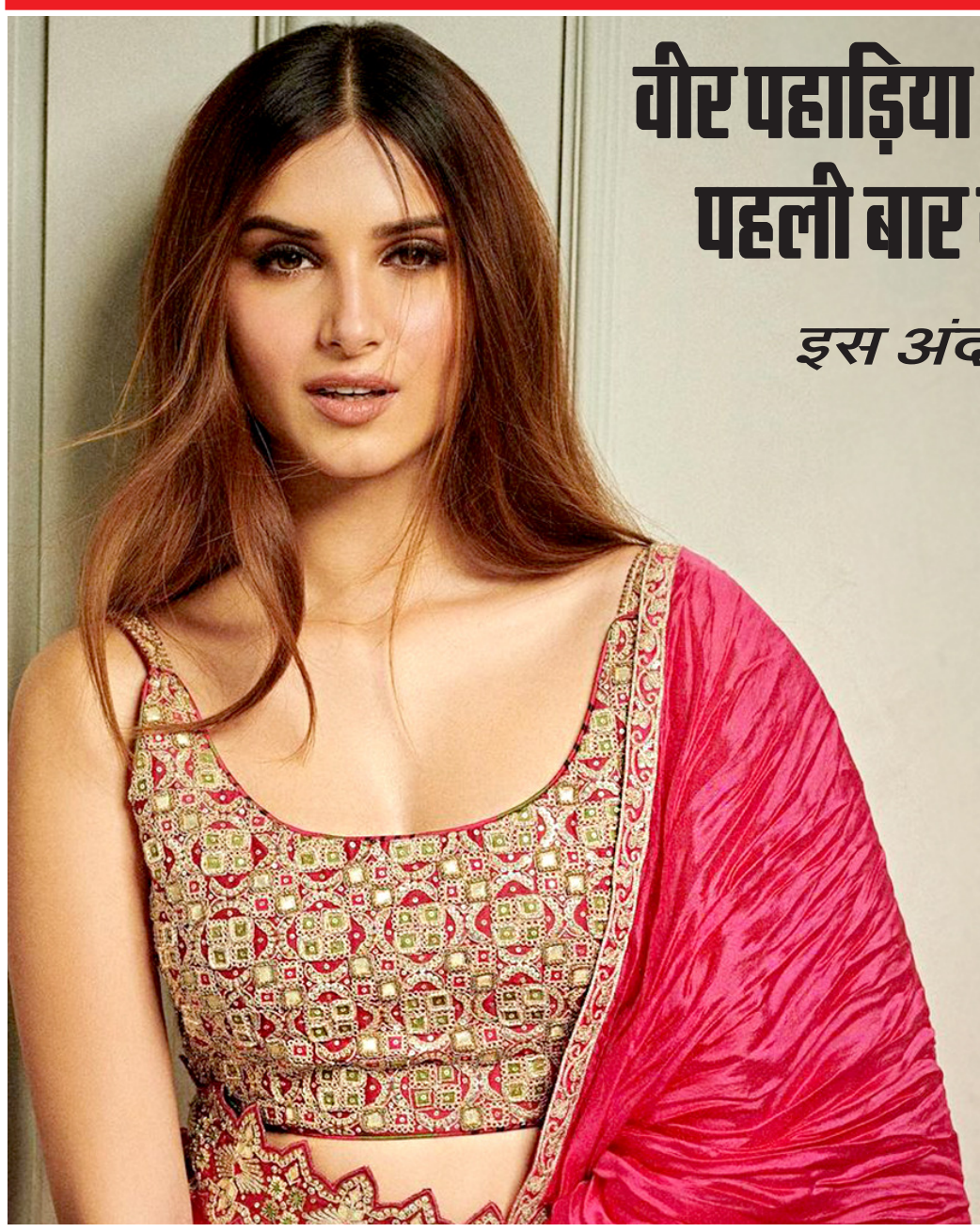

वीर पहाड़िया से ब्रेकअप की खबरों के बीच पहली बार नजर आई तारा सुतारिया

इस अंदाज में एयरपोर्ट पहुंचीं एक्ट्रेस

तारा सुतारिया इन दिनों अपने ब्रेकअप को लेकर सुर्खियों में हैं। वीर पहाड़िया से ब्रेकअप की खबरों के बीच अब पहली बार तारा सुतारिया नजर आईं। जानिए किस अंदाज में एयरपोर्ट पहुंचीं तारा वीर पहाड़िया और तारा सुतारिया एक बार फिर चचाओं में हैं। अक्सर अपने रोमांटिक पल और अफेयर को लेकर चचाओं में रहने वाला ये कपल, इस बार अपने ब्रेकअप की खबरों को लेकर चचाओं में हैं। पिछले लगभग एक हफ्ते से तारा और वीर के ब्रेकअप की खबरें सोशल मीडिया में छाई हुई हैं। इस बीच वीर अकेले नजर भी आए और उन्होंने एक क्रिप्टिक पोस्ट भी साझा की। अब ब्रेकअप की रूमर्स के बीच पहली बार तारा सुतारिया पैप्स के कैमरे में कैद हुई हैं। इस अंदाज में नजर आई तारा वीर पहाड़िया से ब्रेकअप की खबरों के बीच तारा सुतारिया पहली बार पब्लिक के सामने नजर आई। अपनी फर्स्ट पब्लिक अपीयरेंस में तारा अकेली ही नजर आई, उनके साथ वीर पहाड़िया इस बार नहीं दिखे। जिसके बाद दोनों के ब्रेकअप की खबरों को और भी बल मिलता है। तारा आज मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट की गई। इस दौरान उन्होंने कैजुअल कपड़े पहने थे और अकेली चल रही थीं। ब्रेकअप की खबरें फैलने के बाद पहली बार नजर आई तारा काफी हंबल नजर आई। लॉन्ग कोट और आंखों पर ब्लैक चश्मा लगाए तारा चुपचाप वहां से निकल गई।

रजनीकांत के एक्स दामाद संग सात फेरे लेंगी मृणाल ठाकुर, वेलेंटाइन डे पर रचाएंगी शादी?

सोशल मीडिया पर अक्सर साउथ एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर और सुपरस्टार धनुष के लिंकअप की खबरें उड़ती रहती हैं। कई बार दावा किया गया है कि एक्ट्रेस इन दिनों शादीशुदा धनुष को डेट कर रही है। वहीं, अब खबर सामने आई है कि ये दोनों स्टार्स जल्द ही शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। इतना ही नही, दोनों की वेडिंग डेट भी सामने आई है। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि धनुष और मृणाल ठाकुर 14 फरवरी को शादी करने वाले हैं। दोनों ने अपनी जिंदगी के नए सफर को शुरू करने के लिए यानी वेलेंटाइन डे का दिन चुना है। रिपोर्ट में बताया गया कि कपल की शादी निजी समारोह में होगी, जिसमें सिर्फ परिवार के लोग और कुछ करीबी दोस्त ही शामिल होंगे। हालांकि, इन सब खबरों पर अभी तक मृणाल ठाकुर और धनुष की तरफ से कोई ऑफिशियल जानकारी सामने नहीं आई है और ना ही दोनों की टीम ने कोई रिएक्शन दिया है। बता दें कि धनुष की पहली शादी सुपरस्टार रजनीकांत की बेटी ऐश्वर्या संग हुई थी और उनके इस शादी से उनके दो बच्चे हैं। हालांकि, शादी के कुछ सालों बाद दोनों का तलाक हो गया था। वहीं, मृणला की बात करें तो एक्ट्रेस ने साल 2025 में धनुष संग अपने रिश्ते पर एक बार एक इंटरव्यू में खुलकर बात की थी। उन्होंने धनुष को अपना अच्छा दोस्त बताते हुए कहा था कि उन्हें और धनुष को लेकर चल रही तमाम अफवाहें अच्छी और मजेदार हैं। एक्ट्रेस ने ये भी साफ कहा था कि फिल्म सन ऑफ सरदार 2 की स्क्रीनिंग में धनुष खासतौर पर सिर्फ उनके लिए नहीं आए थे। उन्हें अजय देवगन ने इनवाइट किया था इसलिए वह आए थे।

ओ रोमियो का पहला गाना रिलीज, शाहिद-तृप्ति की दिखी रोमांटिक केमिस्ट्री

अरिजीत की आवाज ने बिखेरा जलवा

फैंस का इंतजार खत्म हुआ और शाहिद कपूर की ओ रोमियो का पहला गाना रिलीज हो गया है। जानिए अरिजीत सिंह की आवाज और गुलजार के शब्दों से सजा कैसा है ये गीत शाहिद कपूर की आगामी फिल्म ओ रोमियो का पहला गाना हम तो तेरे ही लिए थे आज रिलीज हो गया है। इसके साथ ही विशाल भारद्वाज और गुलजार की जोड़ी एक बार फिर लौटी है, वो भी अरिजीत सिंह की आवाज के साथ। पिछले दिनों रिलीज हुए फिल्म के टीजर में इस गाने की एक लाइन सुनने के बाद से ही फैंस गाने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। अब आज मेकर्स ने ये गाना रिलीज कर दिया है। शाहिद-तृप्ति के बीच दिखी जबरदस्त केमिस्ट्री गाने में तृप्ति डिमरी और शाहिद कपूर के बीच रोमांटिक केमिस्ट्री देखने को मिली है। ये जोड़ी पहली बार किसी फिल्म में साथ नजर आ रही है। लेकिन गाने में दोनों की केमिस्ट्री देखकर ऐसा लगता है कि ये जोड़ी दर्शकों को पसंद आ सकती है। गाने की शुरूआत में तृप्ति डिमरी का किरदार कहता है, कोई कैसे किसी से इतना प्यार कर सकता है? गाने में प्यार, रोमांस, केयर और इमोशन सबकुछ देखने को मिलता है। शाहिद का रफ लवर का लुक काफी जचता है। वहीं एक झलक अविनाश तिवारी की भी दिखती है। गुलजार के शब्द और अरिजीत की आवाज हमेशा की तरह इस बार भी विशाल भारद्वाज की फिल्म में संगीत उन्हीं का है और गाने को लिखा गुलजार ने ही है। इस गाने को आवाज दी है प्यार का पर्याय बन चुके अरिजीत सिंह ने। गाना स्लो-रोमांटिक सॉन्ग है, जिसे आप सुनकर सुकून महसूस कर सकते हैं।

13 फरवरी को रिलीज होगी फिल्म विशाल भारद्वाज द्वारा निर्देशित ओ रोमियो 13 फरवरी को वेलेंटाइन वीक में रिलीज होगी। फिल्म में शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी के अलावा एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी। इसमें नाना पाटेकर, विक्रांत मैसी, अविनाश तिवारी, दिशा पाटनी, तमन्ना भाटिया और फरीदा जलाल जैसे सितारे शामिल हैं। पिछले दिनों फिल्म का टीजर जारी हुआ था, जिसे काफी पसंद किया गया। अब दर्शक फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

दलदल: अपराध, आघात और इंसानी मन की अंधेरी परतों की डरावनी कहानी

भारत का सबसे लोकप्रिय ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो अपनी नई हिंदी क्राइम थ्रिलर सीरीज दलदल के साथ दर्शकों को एक डरावनी और मनोवैज्ञानिक यात्रा पर ले जाने के लिए तैयार है। इस सीरीज का वैश्विक प्रीमियर 30 जनवरी को किया जाएगा और यह भारत सहित दुनिया भर के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में विशेष रूप से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। हाल ही में रिलीज हुए इसके खौफनाक टीजर ने दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्सुकता पैदा कर दी है।दलदल मशहूर लेखक विष धमिजा की बेस्टसेलिंग किताब भेंडी बाजार से प्रेरित है। इस सीरीज का निर्माण एबंडेंशिया एंटरटेनमेंट ने किया है। इसे सुरेश त्रिवेणी ने सीरीज के रूप में विकसित किया है और विक्रम मल्होत्रा व सुरेश त्रिवेणी ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। निर्देशन की कमान अमृत राज गुप्ता ने संभाली है, जबकि कहानी लेखन में त्रिवेणी के साथ श्रीकांत अग्निस्वरन, रोहन डिसूजा, प्रिया सग्गी और हुसैन हैदरी शामिल हैं। मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित यह सीरीज मुंबई क्राइम ब्रांच की नवनियुक्त डीसीपी रीटा फरेरा की कहानी है, जिसका किरदार भूमि पेडनेकर निभा रही हैं। रीटा एक ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ पुलिस अधिकारी हैं, लेकिन वह अपने अतीत की एक बड़ी भूल और अंदरूनी डर से जूझ रही हैं।इसी मानसिक उथल-पुथल के बीच वह एक ऐसे निर्दयी और विकृत मानसिकता वाले सीरियल किलर का पीछा करती हैं, जिसके अपराध न केवल क्रूर हैं बल्कि इंसानी सोच की सबसे अंधेरी परतों को उजागर करते हैं। टीजर में दिखाई गई हिंसा दर्शकों को झकझोर कर रख देती है। बेरहमी से मारे गए पीड़ितों के दृश्य, उनकी कटी हुई कलाई, मुँह में ठूँसी गई वस्तुएँ और हर अपराध के पीछे छिपी बीमार मानसिकता यह साफ कर देती है कि दलदल कमजोर दिल वालों के लिए नहीं है। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ती है, रीटा खुद को केस की बर्बरता, अपने भीतर के अपराधबोध और पुलिस सिस्टम में मौजूद भेदभाव के बीच फँसा हुआ पाती हैं। भूमि पेडनेकर के साथ इस सीरीज में समारा तिजोरी और आदित्य रावल भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। तीनों कलाकारों के किरदार कहानी को गहराई और भावनात्मक मजबूती प्रदान करते हैं। यह सीरीज केवल यह नहीं पूछती कि अपराध किसने किया, बल्कि उससे भी ज्यादा डरावना सवाल उठाती है, किस वजह से कोई ऐसा बन जाता है?प्राइम वीडियो इंडिया के डायरेक्टर और हेड ऑफ ओरिजिनल्स निखिल मधोक के अनुसार, दलदल एक पारंपरिक क्राइम थ्रिलर से कहीं आगे है। यह कहानी आघात, संवेदनशीलता, नैतिकता और इंसानी मजबूती जैसे विषयों को केंद्र में रखती है और दर्शकों को मानसिक रूप से झकझोरने का प्रयास करती है। वहीं, एबंडेंशिया एंटरटेनमेंट के संस्थापक और सीईओ विक्रम मल्होत्रा का कहना है कि दलदल का उद्देश्य क्राइम थ्रिलर के पारंपरिक ढांचे को तोड़ना और मानव मन के अंधेरे पहलुओं की गहराई से पड़ताल करना है।

फ्रेश जोड़ी, फ्रेश रोमांस, एक दिन के टीजर में साई पल्लवी और जुनैद खान ने जीता दिल

एक दिन में साई पल्लवी और जुनैद खान की जादुई केमिस्ट्री देखने को मिलेगी। यह फिल्म आमिर खान और मंसूर खान के रीयूनियन को भी दिखाती है, जो कयामत से कयामत तक, जो जीता वही सिकंदर, जाने तू या जाने ना जैसी फिल्मों के बाद एक बार फिर साथ आ रहे हैं !ऋ अगर बात प्यार की हो, तो सब कुछ जादुई लगने लगता है। एक बिल्कुल जादुई, सॉफ्ट और क्लासिक लव स्टोरी लेकर आमिर खान प्रोडक्शंस की एक दिन का टीजर

आखिरकार रिलीज हो गया है, जिसमें साई पल्लवी और जुनैद खान की क्यूट, लवली और फ्रेश जोड़ी देखने को मिल रही है। पोस्टर ने ही इस खूबसूरत प्यार की कहानी के लिए हमारी एक्साइटमेंट बढ़ा दी थी, और अब टीजर सच में एक ट्रीट साबित होता है। सर्दियों की बफीर्ली खूबसूरती से सजा एक दिन का टीजर दिल को छू लेने वाले डायलॉग के साथ शुरू होता है और अपनी सुकून देने वाली, मीठी धुन के जरिए प्यार के जज्बात को खूबसूरती से सामने लाता है। साई पल्लवी और जुनैद खान की फ्रेश ऑन-स्क्रीन जोड़ी की मनमोहक केमिस्ट्री दिखाते हुए, यह टीजर दिल को प्यार और अपनापन से भर देता है। यह एक ऐसी लव स्टोरी का वादा करता है जो आज के बॉलीवुड में कम ही देखने को मिलती है और बड़े पर्दे पर उस रोमांटिक जादू को फिर से लौटाता है, जिसकी काफी समय से कमी महसूस हो रही थी। साउथ सिनेमा की क्वीन साई पल्लवी, जो अपनी मोस्ट-अवेटेड हिंदी डेब्यू कर रही हैं, अपने सिग्नेचर ग्रेस, गहराई और सादगी के साथ नजर आती हैं। वहीं जुनैद खान पूरे कॉन्फिडेंस के साथ एक नए इमोशनल जोन में दिखते हैं और उनका चार्म अपने आप दिल जीत लेता है। उनकी परफॉर्मेंस में एक प्यारी सी मासूमियत है, जो इस रोमांस को रियल और खास बनाती है, और उनकी ऑन-स्क्रीन जोड़ी पहली ही झलक में नई और जादुई लगती है।एक दिन के साथ आमिर खान और डायरेक्टर-प्रोड्यूसर मंसूर खान लंबे समय बाद फिर से साथ आए हैं। इससे पहले यह आइकॉनिक जोड़ी कयामत से कयामत तक, जो जीता वही सिकंदर, अकेले हम अकेले तुम और जाने तू या जाने ना जैसी यादगार फिल्में दे चुकी है। एक दिन में दोनों एक बार फिर रोमांटिक लव स्टोरी लेकर साथ आए हैं, जो इस फिल्म को देखने लायक बनाती है। यह रीयूनियन फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट और भी बढ़ा देता है और इसके अगले अपडेट्स का इंतजार और ज्यादा करा रहा है। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी एक दिन में साई पल्लवी और जुनैद खान लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन सुनील पांडे ने किया है, जबकि इसे आमिर खान, मंसूर खान और अपर्णा पुरोहित ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

वो अपने वादों पर हमेशा खरे उतरते हैं..नूपुर-स्टेबिन को आशीर्वाद देने पहुंचे सलमान तो कृति सेनन के जीजा ने पोस्ट कर जताया आभार

एक्ट्रेस नूपुर सेनन और सिंगर स्टेबिन बेन इन दिनों बी-टाउन इंडस्ट्री के न्यूलीवेड कपल हैं। दोनों ने 10 और 11 जनवरी को उदयपुर में भव्य शादी रचाई है और इसके बाद 13 जनवरी को कपल ने मुंबई में ग्रैंड वेडिंग रिसेप्शन दिया, जिसमें बॉलीवुड और म्यूजिक इंडस्ट्री की कई जानी-मानी हस्तियों ने शिरकत की। इस खास मौके पर कपल को आशीर्वाद देने एक्टर सलमान खान भी पहुंचे थे, जो अपने अंदाज से सबका दिल जीतते नजर आए थे। वहीं, हाल ही में स्टेबिन बेन ने वेडिंग पार्टी में शिरकत करने के लिए सलमान खान का स्पेशल

धन्यवाद किया है। स्टेबिन बेन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर रिसेप्शन पार्टी में आशीर्वाद देने पहुंचे सलमान खान के साथ कुछ तस्वीरें शेयर कीं और दिल खोलकर उनकी तारीफ की। स्टेबिन ने लिखा- सलमान खान हमेशा अपने वादों पर खरे उतरते हैं और इंडस्ट्री के इतने बड़े सुपरस्टार होने के बावजूद अपने करीबियों के लिए हर समय मौजूद रहते हैं। आपका प्यार और आशीर्वाद मेरे लिए सब कुछ है। थैंक यू भाई जान। लव यू सो मच। शेयर की गई इन तस्वीरों में सलमान खान न्यूलीवेड स्टेबिन और नूपुर संग पोज देते नजर आ रहे हैं। इस दौरान कपल की खुशी देखते ही बन रही है। फैंस स्टेबिन की इस पोस्ट को खूब लाइक कर रहे हैं और कई सेलेब्स भी उनके इस पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया देते नजर आ रहे हैं। नूपुर सेनन और स्टेबिन बेन की शादी उदयपुर में बड़े ही खूबसूरत और निजी अंदाज में हुई थी। शादी की रस्में 9 जनवरी को हल्दी समारोह के साथ शुरू हुईं, जिसके बाद संगीत नाइट का आयोजन हुआ। कपल ने पहले क्रिश्चियन रीति-रिवाजों से और फिर हिंदू परंपराओं के अनुसार सात फेरे लिए।

विहिप के प्रदर्शन से पहले राजभवन का नोटिस, केजीएमयू के आसपास पुलिस मुस्तैद देख कार्यकर्ता लौटे

लखनऊ (संवाददाता)। केजीएमयू के सामने विहिप के प्रदर्शन की सूचना पर राजभवन से नोटिस जारी कर दिया गया। राज्यपाल के ओएसडी ने पुलिस कमिश्नर को निर्देश दिए कि केजीएमयू कैंपस के आसपास प्रदर्शन न होने पाए। इसके बाद कैंपस के बाहर पुलिस बल तैनात कर दिया गया। अपने तय समय दोपहर 12 बजे पहुंचे कार्यकर्ताओं ने गेट-2 पर पुलिस मुस्तैद देखी तो अपना प्रदर्शन रोक दिया। दरअसल, केजीएमयू में चल रहे लव जिहाद प्रकरण के विरोध में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के कार्यकर्ता कैंपस के गेट-2 पर हनुमान चालीसा पाठ करने वाले थे। वे कैंपस के पास पहुंचते कि उससे पहले वहां पुलिस बल मुस्तैद हो गया। यह देखते ही विहिप ने चालीसा पाठ का प्लान बदल दिया और हजरतगंज जीपीओ पहुंच गए। वहां नारेबाजी की। केजीएमयू की कुलपति के ओएसडी को हटाने की मांग रखी। साथ ही यूनिवर्सिटी में 2021 से अब तक हुई नियुक्तियों की जांच कराने की भी मांग रखी। विहिप के अनुसार, कार्यकर्ता जीपीओ से एकत्रित होकर विधानसभा की तरफ बढ़े। यहां पुलिस ने रोक लिया तो पुलिस अधिकारियों को मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में अब्बास को कुलपति के ओएसडी के पद से हटाने की मांग भी रखी। केजीएमयू के सामने प्रस्तावित हनुमान चालीसा पाठ की सूचना पर राजभवन एक्टिव हो गया था।

हालात पर भारत की पैनी नजर

ईरान-इस्त्राइल जैसे देशों में लोगों को सतर्क रहने की चेतावनी

तेल अवीव (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को देखते हुए ईरान के बाद अब भारत ने इस्त्राइल में रहने वाले नागरिकों को भी सतर्क रहने हेल्पलाइन से संपर्क करने को कहा गया है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और जोखिमों को देखते हुए भारत ने ईरान के बाद अब इस्त्राइल में रहने वाले अपने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर एडवाइजरी जारी कर दी है। इस्त्राइल में बढ़ते तनाव और ईरान में प्रदर्शन के बीच भारत ने नागरिकों से सतर्क रहने, सुरक्षा निदेशों का पालन करने और गैर-जरूरी यात्रा से बचने की चेतावनी दी है। सरकार ने इमरजेंसी की स्थिति में तुरंत संपर्क के लिए हेल्पलाइन नंबर भी साझा किया है। विदेश मंत्रालय की ओर से दी गई इस एडवाइजरी में कहा गया है कि इस्त्राइल में मौजूद भारतीय नागरिकों को सतर्क रहने और इस्त्राइली अधिकारियों तथा होम फ्रंट कमांड द्वारा जारी किए गए सुरक्षा दिशा-निदेशों का कड़ाई से पालन करने की जरूरत है। विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी एडवाइजरी में इमरजेंसी की स्थिति में भारत के एंबेसी की 24ग7 हेल्पलाइन से संपर्क करने का नंबर भी दिया गया है। यह चेतावनी तब जारी की गई है जब पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ा हुआ है। इस्त्राइल और ईरान के बीच राजनीतिक और सैन्य तनाव की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। ईरान में प्रदर्शन और अमेरिका का रुख बता दें कि ईरान में व्यापक प्रदर्शन हो रहे हैं और अमेरिका ने देश में सैन्य कार्रवाई के विकल्प को पूरी तरह से खारिज नहीं किया है। वहीं ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका हमला करता है तो उनके क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य अड्डे वैध निशाने होंगे। इस तनाव के बीच तेल अवीव और इस्त्राइल के दक्षिणी व मध्य इलाकों में कई जगह सार्वजनिक शरण स्थलों को खोलने के आदेश दिए गए हैं। ईरान से नागरिकों को निकालने की तैयारी में भारत एक तरफ जहां इस्त्राइल को लेकर भारत सरकार ने एडवाइजरी जारी की है। वहीं दूसरी ओर भारत ईरान में अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालने की तैयारी भी कर रहा है। बुधवार को भारत के तेहरान स्थित एंबेसी ने भी एक नई एडवाइजरी जारी की। इसमें छात्रों,तीर्थयात्रियों, व्यवसायियों और पर्यटकों सहित इरान में मौजूद सभी भारतीय नागरिकों को अपनी सुरक्षा के लिए उपलब्ध परिवहन साधनों जैसे कमर्शियल फ्लाइट का इस्तेमाल कर देश छोड़ने की चेतावनी दी गई। भारतीय नागरिकों को दी गई ये चेतावनी एंबेसी ने कहा कि भारतीय नागरिकों को प्रदर्शन और विरोध स्थलों से दूर रहना चाहिए और स्थानीय मीडिया पर नजर बनाए रखनी चाहिए। साथ ही सभी नागरिकों से कहा गया है कि वे एंबेसी के संपर्क में रहें और किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयार रहें।

जमीन में दबा मिला सोने के आभूषणों से भरा घड़ा, अब कर्नाटक सरकार उसी जगह करेगी खजाने की खोज

बंगलूरू (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार गडग जिले के लाकुंडी में खजाने की खोज में खुदाई अभियान चला रही है। हाल ही में यहां सोने के सिक्कों और आभूषणों से भरा घड़ा मिला था। साथ ही लाकुंडी के समृद्ध और ऐतिहासिक इतिहास को देखते हुए सरकार को उम्मीद है कि यहां बड़ा खजाना मिल सकता है। कर्नाटक सरकार ने फैसला किया है कि गडग जिले के लाकुंडी गांव में खजाने की खोज के लिए खुदाई अभियान चलाएगी। लाकुंडी गांव एक ऐतिहासिक जगह है और अपने स्वर्णिम इतिहास के लिए जाना जाता है। हाल ही में इस जगह पर सोने के सिक्कों आभूषणों से भरा एक घड़ा बरामद हुआ है, जिसके बाद राज्य सरकार को उम्मीद है कि यहां भारी मात्रा में खजाना मिल सकता है। कर्नाटक सरकार लाकुंडी के कोटे वीरभद्रेश्वर मंदिर के परिसर में खुदाई

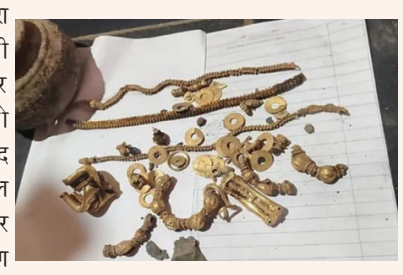

कराएगी। यह खुदाई अभियान कर्नाटक सरकार के पर्यटन विभाग, पुरातत्व विभाग, लाकुंडी विकास प्राधिकरण और जिला प्रशासन मिलकर चलाएंगे। सरकार को क्यों हैं लाकुंडी में खजाना मिलने की उम्मीद? खुदाई अभियान के लिए जेसीबी और ट्रक, ट्रैक्टर मंदिर परिसर पहुंच गए हैं और जल्द ही खुदाई का काम शुरू हो जाएगा। खुदाई 10 गुणा 10 मीटर के क्षेत्र में खुदाई की जाएगी। एक अधिकारी ने बताया खुदाई के काम में 15 महिला श्रमिकों और पांच पुरुष श्रमिकों को लगाया गया है। गौरतलब है कि लाकुंडी पर एक समय में चालुक्य, राष्ट्रकूट, होयसल, कलचूरी और विजयनगर साम्राज्य का शासन था। बनाए जाते थे। यही वजह है कि सरकार को इस जगह पर खजाना मिलने की उम्मीद है। हाल ही में एक युवक को इस जगह पर तांबे का एक घड़ा मिला था, जिसमें 470 ग्राम वजनी सोने के आभूषण और सिक्के मिले थे। युवक ने उस तांबे के घड़े को जिला प्रशासन को सौंप दिया है। अधिकारियों का कहना है कि इस क्षेत्र में कई बहुमूल्य सोने, चांदी, हीरे और मोती दबे हो सकते हैं।

नकली कीटनाशकों का कारोबार करने पर होगी तीन साल तक कैद

विधेयक का मसौदा तैयार; चार फरवरी तक मांगे सुझाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। नकली और खतरनाक कीटनाशकों पर अब कड़ी कार्रवाई होगी। अपराधियों को तीन साल तक जेल या भारी जुमार्ना भुगतना पड़ सकता है और गंभीर नुकसान होने पर सजा और भी कठोर होगी। नया कीटनाशक प्रबंधन विधेयक किसानों और उपभोक्ताओं को सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण उत्पाद सुनिश्चित करेगा और पर्यावरण की सुरक्षा भी करेगा। नकली, खतरनाक व अधोमानक कीटनाशकों का कारोबार करने वालों को अब कड़ी सजा मिलेगी। इस तरह के कीटनाशकों का निर्माण करने, कारोबार करने, आयात करने, बेचने वालों को तीन साल तक जेल की सजा या 10 लाख

रुपये से 40 लाख रुपये तक जुमार्ना देना पड़ सकता है। या दोनों सजाएं भुगतनी पड़ सकती हैं। कीटनाशकों के इस कारोबार से अगर किसी मृत्यु हो जाती है या गंभीर चोट लगती है 10 लाख रुपये से 50 लाख रुपये तक जुमार्ना या पांच साल की जेल या दोनों की सजा मिल सकती है। यही नहीं कीटनाशक अगर सुरक्षा मानकों पर खरे नहीं उतरते हैं या लाइसेंस व प्रमाणपत्र लेने में नियमों का उल्लंघन पाया गया तो 50 हजार रुपये से दो लाख रुपये तक जुमार्ना देना पड़ेगा। जुमार्ने की रकम पर अंतिम निर्णय सरकार बाद में करेगी। यह रकम कम या ज्यादा करने का अधिकार भी केंद्र सरकार के पास रहेगा। इस संबंध में केंद्र सरकार नया कीटनाशक प्रबंधन एक्ट लाने की तैयारी में है। इसके लिए कृषि मंत्रालय ने कीटनाशक प्रबंधन विधेयक, 2025 के मसौदा तैयार किया है और इस पर जनता से 4 फरवरी तक अपने सुझाव मांगे हैं। हानिकारक रसायनों की होगी रोकथाम... मसौदे के मुताबिक कीटनाशक परीक्षण प्रयोगशालाओं का अनिवार्य रूप से एक्रीडियेशन होगा ताकि किसानों को केवल गुणवत्तापूर्ण कीटनाशक ही उपलब्ध रहें। नया कानून किसानों को असली उत्पाद उपलब्ध कराएगा। इससे हानिकारक रसायनों पर रोकथाम हो सकेगी और कृषि उत्पादन बढ़ेगा। जेल, जुमार्ने और लाइसेंस रद्द करने जैसे दंडों का प्रावधान भी इसमें किया गया है। इसमें प्रवर्तन तंत्र की भी जवाबदेही सुनिश्चित की गई है। कीटनाशक बोर्ड और समिति का होगा गठन केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड व पंजीकरण समिति का गठन होगा। यह तंत्र कीटनाशकों के जरिए विषाक्तता की घटनाओं को रोकने की दिशा में काम करेगा। प्रस्तावित मसौदे में लाइसेंसिंग, लेबलिंग, सुरक्षित निपटान और दंडात्मक उपायों पर अधिक ध्यान केंद्रित किया गया है। इससे किसानों व उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा होगी, साथ ही पर्यावरण की रक्षा भी सुनिश्चित होगी। इस विधेयक के तहत निमार्ताओं, वितरकों और खुदरा विक्रेताओं के लिए अनिवार्य लाइसेंसिंग आवश्यक है। कीटनाशकों को बाजार में आने से पहले पंजीकृत कराना होगा। निर्धारित मानकों को पूरा कर ने वाले कीटनाशक ही बाजार में बेचे जा सकेंगे।

पूर्व राष्ट्रपति को पांच साल की जेल, मार्शल लॉ लागू करने के मामलों में सुनाई गई पहली सजा

सियोल (एजेंसी)। देश में मार्शल लॉ लागू करने आरोपों में दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल को पहले मामले में सजा सुनाई गई है। यह सजा गिरफ्तारी से बचने और गिरफ्तारी का विरोध करने के मामले में सुनाई गई है। दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल को पांच साल जेल की सजा सुनाई है। ये सजा यून सुक योल को देश में मार्शल लॉ लागू करने के एक मामले में सुनाई गई है। यून सुक योल पर 2024 के अंत में देश में मार्शल लॉ लगाने के आरोप में आठ मामले दर्ज किए गए थे। इन्हीं में से पहले मामले में सजा सुनाई गई है। उनके खिलाफ सबसे गंभीर आरोप यह है कि उन्होंने मार्शल लॉ लागू करने के दौरान एक विद्रोह का नेतृत्व किया, और इसके लिए पूर्व राष्ट्रपति को मौत की सजा तक हो सकती है। सियोल के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने सुनाई पूर्व राष्ट्रपति को सजा सियोल के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने शुक्रवार को सुनाए अपने फैसले में पूर्व राष्ट्रपति पर गिरफ्तारी से बचने और गिरफ्तारी का विरोध करने के आरोप में सजा सुनाई है। अभी सजा के एलान पर पूर्व राष्ट्रपति की तरफ से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजकों ने पूर्व राष्ट्रपति के लिए 10 साल जेल की सजा की मांग की थी। जिसकी योल की कानूनी टीम ने आलोचना की और आरोप लगाया कि 10 साल सजा की मांग राजनीति से प्रेरित है और इसका कोई कानूनी आधार नहीं है। यून सुक योल पर दक्षिण कोरिया से बगावत का आरोप यून सुक योल को महाभियोग द्वारा राष्ट्रपति पद से हटाया गया था और उसके बाद गिरफ्तार किया गया था।

भूकंप के झटकों से दहला अमेरिका का ओरेगॉन, रिक्टर स्केल पर तीव्रता 6.2 रही

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के ओरेगॉन में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। भूकंप का केंद्र जमीन के 10 किलोमीटर भीतर था। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.2 रही। जिस जगह भूकंप के झटके महसूस किए गए, वहां अक्सर भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं। अमेरिका के ओरेगॉन इलाके के तटीय क्षेत्र में गुरुवार को भूकंप के झटके लगे। रिक्टर स्केल पर भूकंप के इन झटकों की तीव्रता 6.2 रही। हालांकि इसमें अभी किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं हैं। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंस ने बताया कि भूकंप का केंद्र जमीन के 10 किलोमीटर अंदर था। नेशनल सुनामी वार्निंग सेंटर द्वारा अभी तक सुनामी को लेकर कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है। ओरेगॉन के इस इलाके में अक्सर आते हैं भूकंप ओरेगॉन के जिस इलाके में भूकंप के झटके महसूस किए गए, वह ओरेगॉन और कैलिफोर्निया की सीमा पर स्थित है और यहां अक्सर भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं। इस इलाके में आने वाले अधिकतर भूकंप जमीन के भीतर होते हैं और अक्सर धरती पर महसूस नहीं होते। ओरेगॉन के जिस इलाके में भूकंप के झटके महसूस किए गए, वह ओरेगॉन और कैलिफोर्निया की सीमा पर स्थित है और यहां अक्सर भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं। इस इलाके में आने वाले अधिकतर भूकंप जमीन के भीतर होते हैं और अक्सर धरती पर महसूस नहीं होते। कास्केडिया जोन में आता है ये इलाका इससे पहले बीते साल सितंबर में भी ओरेगॉन में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे।

चीन के 5 फीसदी विकास लक्ष्य पर संकट, हाईटेक रणनीति से नहीं बन रही बात

चीन (एजेंसी)। चीन की अर्थव्यवस्था रियल एस्टेट संकट से उबरने में अब भी असफल नजर आ रही है। सरकार ने एआई, रोबोटिक्स और इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे हाईटेक उद्योगों पर बड़ा दांव लगाया है, लेकिन ये क्षेत्र अब तक प्रॉपर्टी और पारंपरिक सेक्टरों में आई गिरावट की भरपाई नहीं कर पाए हैं। चीन की अर्थव्यवस्था को रियल एस्टेट संकट से बाहर निकालने के लिए एआई, रोबोटिक्स व इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे हाईटेक उद्योगों पर लगाया गया दांव नतीजे देने में सक्षम नहीं हो रहा है। अमेरिकी रिसर्च संस्था रॉडियम ग्रुप के मुताबिक, चीन को 5 फीसदी जीडीपी वृद्धि बनाए रखनी है, तो नए उद्योगों को हर साल निवेश वृद्धि को 2 पॉइंट ऊपर ले जाना होगा। यह मामूली हिस्सा नहीं, बल्कि निवेश वृद्धि दर में बड़ी बढ़ोतरी है, जो मौजूदा हालात में हासिल करना कठिन नजर आता है। 2023 से 2025 के बीच एआई, रोबोटिक्स और इलेक्ट्रिक कारों जैसे नए उद्योगों ने आर्थिक उत्पादन वृद्धि की रफ्तार को मिलाकर सिर्फ 0.8 पॉइंट ऊपर किया। रियल एस्टेट और अन्य पारंपरिक क्षेत्रों की कमजोरी ने आर्थिक वृद्धि को 6 पॉइंट नीचे खींच लिया। यह अंतर दिखाता है कि हाई-टेक सेक्टर भले ही बढ़ रहे हों, लेकिन वे अभी इतने बड़े और प्रभावशाली नहीं हैं कि प्रॉपर्टी और पारंपरिक उद्योगों में आई गिरावट से पैदा

हुए दबाव की भरपाई कर सकें। हाल के वर्षों में बीजिंग ने लगातार करीब 5 फीसदी जीडीपी वृद्धि का लक्ष्य रखा है। 2.8 ट्रिलियन युआन के निवेश का दबाव इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए इस साल ही 2.8 ट्रिलियन युआन के अतिरिक्त निवेश की जरूरत होगी। यह 2025 के मुकाबले 120 फीसदी अधिक है। एआई या रोबोटिक्स जैसे कुछ सेक्टरों में निवेश तेज हो सकता है, लेकिन उभरते उद्योगों के लिए इतनी तेज और टिकाऊ रफ्तार बनाए रखना मुश्किल होगा। इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग सबसे तेज वृद्धि दर पहले ही देख चुका है व आने वाले वर्षों में रफ्तार धीमी पड़ सकती है। रोजगार संकट और ऑटोमेशन का जोखिम चीन के नए औद्योगिक सेक्टर कर्मचारियों को उच्च वेतन तो देते हैं, लेकिन वे पारंपरिक उद्योगों की तुलना में काफी कम रोजगार देते हैं। फैक्टरी ऑटोमेशन में वृद्धि और वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग में चीन के पहले से मौजूद 30 फीसदी हिस्से के चलते एक दशक में 10 करोड़ तक नौकरियां खत्म होने का खतरा है। पिछले साल चीन की शहरी बेरोजगारी दर अधिकांश समय 5 प्रतिशत से ऊपर रही। युवाओं में बेरोजगारी इससे लगभग तीन गुना अधिक दर्ज की गई। प्रॉपर्टीः अर्थव्यवस्था पर भारी बोझ सरकार हाई-टेक विकास को प्राथमिकता दे रही है लेकिन रियल एस्टेट संकट से निपटने के लिए सीमित कदम उठाए हैं। एक समय यह सेक्टर चीन की जीडीपी के एक-चौथाई से अधिक योगदान देता था। पिछले साल नए घरों की बिक्री 2009 के बाद के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई। कुल वृद्धि फिर भी दबाव में : निवेश फर्म केकेआर के अनुसार प्रॉपर्टी सेक्टर की कमजोरी इस साल चीन की जीडीपी वृद्धि से 1.2 पॉइंट घटा सकती है। डिजिटल तकनीकों से अनुमानित 2.6 पॉइंट के योगदान के बावजूद कुल वृद्धि दर 4.6 फीसदी के आसपास रह सकती है। भले ही 2026 के लिए 5 फीसदी का लक्ष्य रखा जाए, लेकिन रियल एस्टेट की सुस्ती और कमजोर रोजगार बाजार इस पर सवाल खड़े करते हैं।

बांग्लादेश में नहीं थम रहे अल्पसंख्यकों पर हमले, सिलहट में हिंदू शिक्षक के घर में लगाई आग

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हमले की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं और बांग्लादेश की सरकार मूकदर्शक बनकर चुपचाप ये सब देख रही है। ताजा मामले में एक हिंदू शिक्ष के घर में आग लगा दी गई। इससे पहले भी ऐसी ही कई घटनाएं हो चुकी हैं। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हमले की घटनाएं नहीं थम रही हैं और कट्टरपंथी खुले आम हिंदुओं को निशाना बना रहे हैं। ताजा मामले में एक हिंदू शिक्षक के घर में आग लगा दी गई। घटना बांग्लादेश के सिलहट जिले के गोवाइनघाट इलाके की है। जहां शिक्षक बिरेंद्र कुमार के घर को आग के हवाले कर दिया गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। हालांकि गनीमत रही की इस घटना में कोई

हताहत नहीं हुआ। घटना के बाद पीड़ित परिवार और स्थानीय हिंदू समुदाय बेहद डरा हुआ है। वीडियो में दिख रहा है कि आग लगने पर शिक्षका परिवार बाहर निकलने की कोशिश कर रहा है। अभी तक साफ नहीं हो सका है कि आग किसने लगाई और क्यों लगाई? मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कट्टरपंथियों ने ही हिंदू शिक्षक के घर आग लगाई। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले की घटनाएं आम हुईं हिंदू अल्पसंख्यकों के घरों में आगजनी की यह कोई पहली घटना नहीं है बल्कि बीते पांच दिनों में ऐसी छह घटनाएं हो चुकी हैं, जहां हिंदुओं के घरों को आग लगा दी गई। हिंदू परिवारों के घरों में आग लगा दी। इस घटना में दोनों परिवारों के लोग बाल-बाल बचे थे। इस हफ्ते की शुरूआत में ही बांग्लादेश के फेनी जिले में एक अन्य हिंदू व्यक्ति की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई थी। पीड़ित युवक एक ऑटो रिक्शा चालक था, जिसकी पहचान समीर दास के रूप में हुई थी।

तीखे सवाल पर भड़की ट्रंप की प्रेस सचिव, पत्रकार को बता दिया 'वामपंथी'

जानिए पूरा मामला

वॉशिंगटन (एजेंसी)। व्हाइट हाउस की प्रेस ब्रीफिंग में क्यूए से जुड़े सवालों पर प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट और एक पत्रकार के बीच तीखी बहस हो गई। क्यूए हिरासत में हुई मौतों और कथित लापरवाही पर सवाल उठाने पर लेविट ने स्टैनेज को वामपंथी बताते हुए उनकी निष्पक्षता पर सवाल खड़े किए। व्हाइट हाउस में प्रेस ब्रीफिंग के दौरान तीखी नोकझोंक देखने को मिली। गुरुवार, 15 जनवरी को हुई ब्रीफिंग में प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट और द हिल के एसोसिएट एडिटर नायल स्टैनज के बीच माहौल उस वक्त तनावपूर्ण हो गया, जब स्टैनेज ने इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (क्यूए) से जुड़े मुद्दों पर लगातार कड़े सवाल दागे। सवालों से असहज दिखीं लेविट ने पत्रकार के रुख पर नाराजगी जाहिर करते हुए उन्हें (वामपंथी कार्यकर्ता) लेफ्ट-विंग एक्टिविस्ट तक कह डाला। नायल स्टैनेज और लेविट के बीच क्यों बहस हुई? व्हाइट

हाउस प्रेस ब्रीफिंग में काफी तनावपूर्ण मोड़ पर पहुंच गई, जब पत्रकार नायल स्टैनेज ने आईसीई पर सवाल उठाते हुए कहा कि पिछले साल क्यूए की हिरासत में 32 लोगों की मौत हुई, यह संख्या एजेंसी के लिए पिछले दो दशकों में सबसे ज्यादा दर्ज की गई थी। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि एक एजेंट ने रिनी गुड को गोली मारी और उनकी मौत हो गई, और कई अमेरिकी नागरिकों को गलत तरीके से हिरासत में लिया गया। स्टैनेज ने पूछा कि ऐसे में कैसे माना जा सकता है कि क्यूए सबकुछ सही ढंग से कर रहा है। लेविट ने उन्हें रोकते हुए कहा कि रिनी गुड दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण रूप से क्यों मारी गई? जब स्टैनेज ने जवाब में कहा कि क्यूए एजेंट ने बेपरवाह व्यवहार किया, तो लेविट ने तीखी प्रतिक्रिया दी।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।